# 3-14 andia The Gazette of India

REGISTERED

सं• 3 ७ ॄ

मई बिल्ली, शमियार, जुलाई 26, 1980 (श्रावण 4, 1902)

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 30]

1-156GI/80

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 26, 1980 (SRAVANA 4, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग Ш—खण्ड 1

# PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संधे लोक सेवा भागोग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 जून 1980

सं० ए० 32011/1/79-प्रशा० — ऊर्जा श्रीर सिचाई मंत्रालय (विद्युत विभाग) के संवर्गह में चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायक श्री बी० बी० छिब्बर को राष्ट्रपति द्वारा 31-5-80 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रादेशों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ण में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क्ष) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 जून 1980

सं० ए० 32014/1/80-प्रणा०- — इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 12 मई, 1980 में श्राणिक प्राणोधन करते हुए मंघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) श्री के० एस० भुटानी को जिन्हें 25-6-1980 तक तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए पदोन्नति किया गयाथा, 31-5-1980 (पूर्वाह्न) से वैयक्तिक

सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) के निचले पद पर प्रत्यावर्तित पर कर दिया गया है।

विरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर तदर्थ ध्राधार पर स्थानापन रूप से कार्यरत श्री एच० सी० कटोच के स्थान पर श्री भुटानी को 31-5-1980 (पूर्वाह्न) से 31-7-80 (ग्रपराह्न) तक स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में पूर्णतः ग्रनितम ग्रस्थायी भ्रीर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए पुन पदोन्नत किया गया है।

दिनांक 13 जून, 1980

सं० ए० 32013/3/80-प्रशा-1—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा भायोग के कार्यालय में निम्नलिखित श्रधिकारियों को प्रत्येक के सामने निर्विष्ट भवधि के लिए, भ्रथवा भ्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में तदर्थ भ्राधार पर भवर सचिव के पद पर स्थाना-

(8343)

पश	रूप	से	कार्य करने	<u>के</u>	लिए	नियुक्त	किया	जाता ह	है	;
ক্ষ০	0	नाम					ष्पव	 ध		
	सर्वेश	<del>ग</del>								
-	-ft	-A	· /	<b>.</b>						

1. पी०्सी० माथुर (म्र०

ध॰) 1-3

1-3-80 से 23-4-80 तक तथा 25-4-80 से तीन मास के लिए। 1-3-80 से 25-3-80 सक।

टी० एम० कोकल
(के० स० स्टे० से० का
ग्रेड क)
ग्रध्यक्ष विशेष सहायक
के पद पर स्थानापन्न
रूप से कार्य रत
(संवर्गवाह्य)

3. एस० श्रीनिवासन (ग्र०

म्र**ः**)

1-3-80 से 30-4-80 तक श्रीर 2-5-80 से 3 मास।

स्थानापन्न डैस्क ग्रधिकारी

- 4. डी० पी० राय (ग्र० ग्र०) 1-3-80 से 15-4-80 तक भौर स्थाभापन्न डैस्क ग्रधिकारी 16-4-80 से 9-5-80 तक।
- 5. एम० एस० छाबड़ा (भ्र०

म्र०) १ 1-4-80 से 3 मास । स्थानापन्न वरिष्ठ विश्लेषक

(संपर्गवाह्य)

# दिनांक 20 जून 1980

सं० पी०/1867/प्रशा० I—भारतीय राजस्व सेवा (भ्रायकर) के श्रिधकारी श्री एम० एस० सथान्थी, जो संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप सिवय के पद पर प्रतिनियुक्ति पर थे, श्रीर जिन्हें 30-6-1980 तक श्रवकाश प्रदान किया गया है, की सेवाएं 1-7-1980 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय को पुनः सौंपी जाती है।

एस० बालचन्द्रत श्रवर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

# नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1980

संग ए० 11016/1/76-प्रणा०--संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित स्थाई श्रनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिये श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में डेस्क श्रधिकारी का कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है:—-

<b>茶</b> ∘ सं∘	नाम	डैस्क श्रधिकारी के पद में पदोक्षति की श्रवधि			
1	2	3			
स	र्वश्री				
1. ए	चि ० एम० विश्वास	30~6-80 से 31-8-80 तक			
_ 2. ?	प्रार० सहाय	10-6-80 से 31-8-80 तक			

2. कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं० एस० (1) दिनांक 11-12-75 के श्रनुसरण में उपरोक्त श्रधिकारियों को जिस श्रवधि के लिये वह डैस्क श्रधिकारी का कार्य करते हैं, प्रति माह 75/- रुपये विशेष वेतन लेंगे।

एस० वालघन्दन, अवर सचिव, (प्रशासन प्रभारी) संघ लोकसेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

# महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-1100010 दिनांक जुलाई 1980

सं० श्रो० दो., 1444/79-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) इफ्तेखारू निमा बेगम को दिनांक 5-6-1980 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिये श्रयवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्ति किया गया है।

सं० घो०दो. 1455/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रजर्व पुलिस बल ने डाक्टर ग्रनिल कौशल्य को 9-6-1980 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो उस तारीख़ तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधि-कारी के पद पर तदथे रूप में नियुक्ति किया है।

# दिनांक 3 जुलाई 1980

सं० म्रो० दो-322/69-स्थापना—-राष्ट्रपति ने श्री एम० बी० बेग सहायक कमाण्डेंट 36 बटालियन को केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5(I) के प्रनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ती पर दिनांक 30-6-80 के श्रपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

# दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० थ्रो० दो. 1448/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर जगदीश चन्द्र निसंतदरा को 27-5-1980 पूर्वाह्न से केवल तीन महा के लिये प्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

के० भ्रार० के० प्रसाद सहायक निदेशक प्रशासन

# महानिरीक्षक का कार्यालय

# केन्द्रीय श्रीश्रोगिक सुरक्षा बल

# नई दिल्ली-110019, दिनांक 28 जून 1980

सं० ग्राई०-16014(3)/15-73-कार्मिक - अपने मूल कार्यालय को प्रत्यावर्तित होने पर श्री ग्रार० सेगाद्री ने 21 मई, 1980 के ग्रपराह्म से के० ग्री० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

एम० पी० टी० मद्रास के प्रशिक्षण रिजर्व (द० क्षेत्र) से स्थानांतरित होने पर श्री एन० रामदास ने उसी तारीख से के० श्री० सु० व० ग्रुप मुख्यालय, मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

3. इसे दिनांक 16-6-1980 के समसंख्यक श्रधिसूचना के श्रधिक्रमण में जारी किया जाता है ।

सं० ई० 38013(3)/17/79 कार्मिक—रांची से स्थानां-तरित होने पर श्री डी० एस० बदवाल ने 28 मई, 1980 के पूर्वाह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट, एच० एफ० सी० एल० नामरूप के सहायक कमांडेंट के पद का कायभार संभाल लिया ।

> ह्० भ्रपठनीय महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनां 2 जुलाई 1980

सं० 11/1/80 प्रशा० I—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशामनिक्ष सेवा (केरल संवर्ग) के अधिकारी श्री कें एस० वैल्लोड़ी को केरल तिवेन्त्रम में जनगणना निदेशालय में, तारीख 9 जून, 1980 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहुर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री के० एस० बैल्लोड़ी का मुख्य(लय क्रियेंन्द्रम में, होगा।

> पी० पद्मनाभ भारत के महावंजीकार

वित्त मंत्रालय

(ग्रार्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणानय

नासिक रोड, दिनांक अजुलाई 1980

सं० 527/ए—निम्नांकित नियंत्रण निरीक्षकों की (वर्ग III श्रराज्यित), भारत प्रतिभूति मुदणालय एतद्हारा उप नियंत्रण श्रिधिकारियों के रूप में (वर्ग II राजयित्रत पद), भारत प्रतिभूति मुदणालय में सुधारित वेतन श्रेणी द: 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000 ई० बी०-40-1200 में दिनांक 24-6-80 के पूर्वात्र से 23-9-80 त तद्यं रूप में नियुक्त किया जाता है श्रयवा जब तक निय-

मित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाय।

- 1. श्री ए० एस० पालक र
- 2. श्री जी० नारायणसामी

ना० राममूर्ति ज्येष्ठ उप महाप्रबंधक भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

# प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद, दिनांक 24 जून 1980

इस कार्यालय के दिनांक 26-5-79 की श्रिधसूचना क्रमांक—3—1/1717 के तारतम्य में श्री बी० श्रार० बरमैया, सहायक श्रिभयन्ता (बिद्युत) की तदर्थ रूप से की गई नियुक्ति की श्रवधि 30-6-80 श्रथवा जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भर लिया जाय, इनमें से जो भी पहले हो, तक के लिये बढ़ाई जातीं है।

सं०पी० एफ० पी० डी०/27/3306— इस नायिलय की अधिसूचना क्रमांक पी० डी०-27/9630 दिनांक 12-12-1979 के तारतम्य में श्री श्रार० जी० कुल्थे, फोरमन (मोल्ड प्लान्ट) को दिनांक 27-5-1980 से नियमित रूप से सहा-यक कार्य प्रबन्धन के पद पर पदोन्नत किया जाता है। वे दो वर्ष, जिसमें तदर्थ श्राधार पर की गई उनकी नियुषित की अविधि भी सम्मिलित है, तक परिवीक्षा काल पर रहेंगे।

श० रा० पाठक महाप्रबन्धन

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर श्रीनगर, दिनांक 23 जून 1980

सं० प्रशा० (I)/60(68)/80-81/1203/-205----महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने, श्रन्य श्रादेश जारी विये जाने तक, इस कार्यालय के एक स्थाई श्रनुभाग श्रिधकारी श्री जे० एल० भट्ट को 13 जून 1980 (पूर्वाह्म) से प्रभावी स्थानापन्न हैसियत में लेखा श्रीयकारी के रूप में पदोश्रत किया है।

্সত বীত दाम वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रणासन एवं ऋधिक रण)

महालेखाकार महाराष्ट्र 1 का कार्यात्या, बम्बई-400020, दिनाँक 1980

सं प्रशा । 1/जैन । 3 1-वाल्यूम-III/सीएल (1)/3---महा-लेखाकार, महाराष्ट्र- अधिनस्थ लेखा क्षेत्रा के सदस्य, श्री एस० एन० पोट्टी, को दिनांक 12 जून 1980 पूर्वान्ह सं श्रपने कार्यालय में श्रामे श्रादेश होने तक लेखा श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं। रक्षा लेखाविभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 28 जून 1980

सं० 18294/प्रशा०-1---58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री ओम प्रकाण, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, को दिनांक 31-12-80 (अपराह्म) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया अधिगा तथा तदनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल से दिनांक 31-12-1980 से हटा दिया अधिगा।

एम० भ्रार० मुखर्जी वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रणासन

विनांक 2 जुलाई 1980

सं० 40011(1)/80/प्रशा०-II--(1) निम्निलिखित लेखा ग्रिधकारी, भ्रपनी सेवा निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के समक्ष लिखी तारीख के श्रपराह्म से, पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिए गये/कर दिये जायेगे:---

ऋम संख्या	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंग्रन स्थापना को श्रंतरित होने की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5
1. प्स	त सुन्दरम-II (पी०/82)     .	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी
				कमान, पूर्णे।
	० के० थोमन (पी०/344)	·	31-1-80	उक्त
	० एस० देशपाण्डे (ओ०/375)	. स्थानापन्न लेखा ग्राधिकारी	31-1-80	<b>उक्त</b>
4. एम	म० म्रा'र० राजवाडें (ग्रो०/130)	. उमत	31-1-80	लेखा नियंत्रक (निर्माणाधीन)
_	5 7 7 7 7 1			कलकत्ता `
	• • • • •	. स्थायी लेखा श्राधिकारी	31-1-80	<b>उक्त</b>
	ार० पी० बसू (पी०/20) .	<b>उ</b> म्त	31-1-80	उक्त
		. स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-1-80	<b>उक्त</b>
	रिं एस० राणा (म्रो/अभी म्राबंदित	• •	31-1-80	उक्त
9. एस	प्त० कें ∘ गुहा (पी०/115).	. स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-1-80	रक्षा लेखा महानियंन्नक, नई दिल्ली।
	० पी० <b>बोस (पी०</b> /216) .	. उक्त <sup>.</sup>	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना।
11. प्र	व० ग्रार खुराना (ग्रो/ग्रमी ग्राबंदितः	नहीं स्थानापन्न लेखा ग्राधिकारी	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी
				कमान मेरठ।
12. बी	ां∘ एस॰ ग्रर्जुन वाडकर (श्रो/150)	उक्त	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रफसर) पुणे।
	ार० सुत्राम नियम (पी/29)	. स्थायी लेखा स्रधिकारी	31-1-80	ॐ ` ` जन्त
14. वी	তি के० जोगलेकर (श्रो/भ्रभी श्राबंदित	नहीं) स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रफसर) पूर्ण।
15. दि	त्रलोक चन्द महाजन (ग्रो/241)	. उन्त	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक उत्तरी
16. স্ব	ानिल कुमार विश्वास (पी/176)	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-1-80	कमान, जम्मू⊤ रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु
17. म्र	ोम प्रकाश मित्तल (पी/111)	. उक्त	.r 31-1-80	सेना) देहरादून। रक्षा लेखा संयुक्त नियंतक
18. ए ——	(स॰ वृदागिरि (पी/93) .	. उक्त	31-1-80	(निधि) मेरठ । रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रेक) मेरठ ।

1 2	3	4	5
- <del></del>			
19. इन्दर नाथ चड्डा (पी/184)	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद।
20- रामा नन्दन परसाद (पी/567)	. उक्त	31-1-80	उक्त'
21. सी० डी० मथाई (पी/281).	. তদ্ব	31-1-80	उक्त
22. यदु गोपाल चटर्जी (पी/182)	. उक्त	31-1 <del>-</del> 80	उभत
23. एन० सी० कश्यप (पी/509)	. जनत	29-2-80	उक्त
24· रेवाधर जोशी (पी/468) .	, उन्त	29-2-80	उम्त
25. एस० सी० बनर्जी (पी/183)	. उषत	29-2-80	<b>उक्</b> त
26. एस० श्रार० खान (श्रो/63)	. स्थानापन्न लेखा स्रधिकारी	29-2-80	लेखा नियंद्रक (निर्माणी) कल- कत्ता।
27. के० त्यागराजन (म्रो/288)	. उक्त	29-2-80	रक्षा लेखा नियनक दक्षिणी कमान,पुणे।
28. पी० एन० रामदास (पी/87)	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी	29-2-80	<b>उ</b> षत
29. वी० एस० तुपे (स्रो/सभी स्राबंदित नह	ीं) स्थानापन्नलेखा श्रधिकारी	29-2-80	<b>उ</b> क्त
30. राजिन्दर सिंह ग्रहल, वालिया (पी/50	• •	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (वाय् सेना) देहरादून।
31. एल० एन० बापत (पी०/375)	. उक्त	29-2-80	रक्षा लेखा नियंद्यक श्रफसर, पुणे।
32. इन्दरप्रकाण नादिर (स्रो/260)	. स्थानापम्न लेखा श्रधिकारी	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (ब्रन्य रैंक), उत्तर मेरठ।
33. टी॰ एन॰ सीतारमन (पी/48)	. स्थायी लेखा स्रधिकारी	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक),दक्षिणी,मद्रास ।
34. सी०पी० स्वामी (पी/120)	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्थ रोंक), दक्षिण, मद्रास ।
35. डी० कृष्णाम्ति (ग्रो/383) .	. स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	29-2-80	उक्त
36. ग्ररूण कुमार बसु (ग्रो/78).	. उन्त		लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता ।
37. एन० सी० चकावर्ती (पी/602)	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी	29-2-80	<b>उक्त</b> '
38. के० एस० रामास्वामी (पी/80)	. उक्त	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई।
$39$ . ग्रर्रावन्दक्ष मेनन $(\hat{\Pi}/102)$ '	. उक्त	31-3-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (बाय् सेना) देहरादून ।
40. मोहिन्दर सिह विन्द्रा (पी/201)	. उक्त	31-3-80	<b>उ</b> क्त
41. कश्मीरी लाल (पी/370) .	. उक्त	31-3-80	<b>उम</b> त
42. मदन मोहन (ग्रो/34) .	. स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-3-80	उक्त
43. जी० वर्धराजन (पी/119) .	. स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-3-80	<b>उ</b> क्त
44. के॰ ग्रार॰ क्रुष्णोमूर्ति (पी/51)	. उक्त	31-3-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास ।
45. टी० बी० वेंकटरमनाराव (पी/138)	<b>च</b> क्त	31-3-80	उस्त 🖟
46. योगिन्दर पालसोनी (पी/219)	. उम्त	31-3-80	रक्षा लेखा नियंद्रक दक्षिण कमान, पूणे ।
47. वी० जी० णिरगुरकर (पी/49)	. उन्त	31-3-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्र <b>फ्सर)</b> पुणे।
48. मदन लाल सेठ (पी/574) .	. তাৰ্ন	31=3-80	लेखाँ नियंत्रक (निर्माणी) कलकसा।

1 2.	3		4	5	
सर्वेश्री					
49. टी॰ देव राय (पी/247) .	. स्थायी लेखा अधिकारी	•	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक	मध्य
				कमान, मेरठ ।	
50. श्रार० एन० दत्ता (स्रो/136)	. स्थानापन्न लेखा श्रधिक	ारी	31-3-80	रक्षा लेखा नियंत्रक	मध्य
				कमान, मेरट ।	
51. एम० एस० सचदेव (पी/572)	स्थायी लेखा श्रधिकारी		31-3-80	उक्त	
52. राम प्रकाश स्रानन्द (भ्रो/334)	. स्थानापन्न लेखा ग्रधिका	री	30-4-80	<b>उक्</b> त	
			से विलग किए जाने की तिथि		
1 2	3	4	5	6	
सर्वंश्री					
1. एम० जी० सूरी (पी/523) .	स्थायी लेखा प्रधिकारी	14-12-79	15-12-79	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिण	कमान,
			(पूर्वाह्न)	पूना ।	
2. श्रार० बालासुन्नामनियन					
(स्रो/ग्रभी भ्राबंटित नहीं) .	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	6-1-80	7-1-80	रक्षा लेखा नियंकक	( श्रन्थ
			(पूर्वाह्न)	रैंक) दक्षिण मद्रास	1
···					
				ਕੌਰ ਸੀ	ा राव

के० पी० राव, रक्षा लेखा श्रपर महानियंघक (प्रणासन)

#### रक्षा मंत्रालय

# डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा, ग्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-69, दिनांक 27 जून 1980

सं 1180/ए/ई-1 (एन० जी०) - महानिदेशक, म्राईनेंस फैक्टरियां महोदय निम्निलिखन अधिकारी को उनके सामने दर्शाए ग्रेड में और तारीख सं, वरिष्टता पर बिना प्रभावी हुए, वर्तमान रिक्ति में स्थानापन्न रूप सं, प्रोन्नत करते हैं:---

श्री जगदींग मिनर णारदा—-थानापन्न सहायथ---दिनांघः 20-१-80 महासक स्टाफ अफसर, स्टाफ श्रफसर से श्रागानी श्रादेश (तदर्थ) न होने तक

श्री शास्त्रा स्रमनी प्रोप्तिकी तारीख से दो वर्ष तकः, परखा-विध पर रहें $\hat{\eta}$ ।

डी० पी० चक्रवर्ती ए० डी० जी० ग्रो० एफ० प्रशासन कृते महानिदेशक, श्रार्डनेंस फैक्टरियां

#### श्रम मंधालय

# कारखाना मलाह संबाक्रौर श्रम विज्ञान केंद्र महानिदेशालय

बभ्बई, दिनांकः 28 जून 1980

सं० 3/18/78-स्थापना----गहानिदेशक ने निम्नलिखित प्रिधिकारियों को कारखाना अवाह सेवा ग्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय में श्रपर निरीक्षक (गोदी सुरक्षा) के पद पर, उनके नामों के श्रागे दी गई तारीखों को, श्रगले ग्रादेश तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करता है।

क्रम सं० भ्रधिकारी गानाम	नियुक्तिकी त	गरीख
सर्वेश्री	\d -d -m	
1. प्रधीरसी० नार	17-12-79	(पूर्वाह्न)
2. वे <b>० नर</b> भिमहन	31-12-79	(पूर्वाह्म)
<ol> <li>के० ग्रार० हारनोल</li> </ol>	1-5-80	(पूर्वाह्न)
	<b></b>	

# दिनांक 5 जुलाई 1980

मं० 15/10/79 स्थापना—--महानिदेशक ने श्री के० सूर्य-नारायणन को इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय में, ग्रनुसंधान श्रधकारी (श्रोद्योगिक मनोविज्ञान) के पद पर दिनांक 17 जून, 1980 के पूर्वाह्म मे श्रगले श्रादेश तक श्रस्थाई रूप में नियुक्त करता है।

> ए० के० चक्रवर्ती, महानिदेशक

# वाणिज्य मंत्रालय

#### (वस्त्र विभाग)

#### ह्रथकरघा विकास भ्रायुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1980

मं० ए० 32013/2/80 व्यवस्था-II(क)—-राष्ट्रपति, श्री वी० कृष्णास्वामी श्रायंगर, उप निदेशक (प्रोमेसिंग) को 7 जून, 1980 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक के लिये बुनकर मेवा केन्द्र, मद्राम में निदेशक (प्रोसैंसिंग) के पद पर सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

> एन० पी० शेषादी, संयुक्त विकास श्रायुक्त (हथकरघा)

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन म्रनुभाग—---)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

सं० प्र०1/1(1045)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री राम किशन को दिनांक 19-5-1980 के पूर्वाह्न में घवर प्रगति श्रधिकारी के श्रराजपत्नित पद पर पदावनत किया जाता है।

> कृष्ण किशोर, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात श्रोर खान मंत्रालय (खानविभाग)

#### भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 30 जून 1980

सं० ए० 19011 (281) 80 स्था० ए० — संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री वाय० एन० सोनटके, कनिष्ठ तकनीकी सहायक (श्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक 28 मई, 1980 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो में स्था-नापन्न रूप से सहायक श्रयस्क प्रसाधन श्रिधकारी के पद पर महर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

# दिनांक 9 जुलाई 1980

सं० ए० 19012 (91) 77 स्था० ए० — संघ लोक सेवा आयोग की मिफारिण पर राष्ट्रपति श्री आर० एन० को स्टा, सहायक अनुसंघान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 4-6-1980, के अपराह्म से भारतीय खान ड्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19011 (236) / 78 स्था० ए० --- संघ लोक सेवा भाषोग की सिफारिंग पर राष्ट्रपति श्री ए० नागराजा, सहायक भ्रयस्क प्रसाधन भ्रधिकारी को दिनांक 29 मई, 1980 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से उप भ्रयस्क प्रसाधन भ्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति भ्रदान करते हैं।

सं० ए० 19012(111)/79 स्था० ए०---संध लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री मोहन राम सहा-यक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रमाधन) को दिनांक 26 मई 1980 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर महर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19012(114) 79 स्था० ए०—संघ लोबः सेवा ग्रायोग की सिफारिण पर राष्ट्रपति श्री कें व वाय० कपाने, सहायक ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (अयस्क प्रसाधन) को दिनांकः 3-6-1980 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्था-नापन्न रूप से सहायक श्रयस्क प्रसाधन ग्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19011 (283) 80 स्था० ए०---संघ लोक सेवा ध्रायोग की सिफारिण पर राष्ट्रपति श्री एन० पी० हरन, फनिष्ठ तकनीकी सहायक (ध्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक 28 मई, 1980 के ध्रपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक ध्रयस्क प्रसाधन श्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> एस० व्ही० म्नली, भार्यालय प्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

#### भाकाशवाणी महानिदेशालय

नर्षे विरुखी, विनांवः 27 जून 1980

सं०ए० 32013/1/80 एस० पांच—महानिदेशवः, आकाश वाणीः एतद्द्वारा श्री जे० पी० जैन, वरिष्ठ प्रशासन श्रीधःकारी, दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ को दिनां : 29 मई, 1980 के पूर्वीक्ष से श्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली में लेखा निरीक्षक के पद पर पूर्णतः तदर्थ रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हू। यह नियुक्ति श्री बी० के० मित्र, स्थानापन्न लेखा निरीक्षकः, श्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली, जो 29 फरवरी, 1980 को

सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं, के स्थान पर की गई है।

एस० बी० सेषाद्री प्रशासन उपनिदेशक **हुते** महानिदेशक

# दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1980

मं० ए० 19012-16/80 एस-II—महानिदेशक, दूरदर्शन श्री एम० डी० खन्ना को, जो कि पहले श्राकाणवाणी के दिल्ली केन्द्र पर मुख्य लिपिक लिखापाल के रूप में कार्य करते थे, 22-5-80 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेशों तक दूर-दर्शन केन्द्र, जालन्धर में क० 650-960 के वैतनमान में प्रगासनिक श्रिधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० एल० ग्रायं, प्रणासन खप्निदेशक

# सूचना भ्रौर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26<sub>,</sub> दिनांक 2,7 जून 1980

सं० प्र०-19012/4/79-सिबन्दी-I---संघ लोक सेवा प्रायोग की सिफारिश पर, मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग द्वारा प्रार० ग्रार० स्वामी को, फिल्म प्रभाग में दिनांक 9 जून, 1980 (मुबह) में, श्रिष्ठम श्रादेण तक "इन बिट्यिन एनिमेटर" के पद पर नियुक्त किया गया है।

एन० एन० शर्मा, कार्यकारी प्रशासकीय भ्रविकारी **इते** मुख्य निर्माता

#### चिकित्सा प्रधीक्षक का कार्यालय

#### सफदरजंग श्रस्पताल

नई दिल्ली-16, दिनांक 18 मार्च 1980

सं० 17---केन्द्रीय सिविल सेवा (श्रस्थाई सेवा) नियम-1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के श्रनुसरण में में इस श्रस्पताल के श्री छत्तरपाल, लिपिक को नोटिस देता हं कि उसे जित तारीख को यह नोटिस मिलेगा उसमें एक माह की श्रविध समाप्त होने की तारीख से उसकी सेवा समाप्त हो जाएगी।

> संत्यानन्द, चिकित्सा स्रधीक्षक

्रिष स्रौर सिचाई मंत्रालय राष्ट्रीय भर्करा संस्था (खाद्य विभाग) कानपुर, दिनांक 16 जून 1980

सं० स्था० 10(4)/65-- श्री ए० के० गुप्त, वरिष्ठ तक्ष्तीकी सहायक की नियुक्ति तदार्थ रूप से कनिष्ठतकनीकी ग्रधिकारी के ग्रस्थायी पद पर रू० 650-1200 के वेतन कम में राष्ट्रीय गर्करा संस्था, कानपुर में दिनांक 19 मई, 1980 (पुर्याह्म) से की जाती है।

> एन० ए० रा**मथ्या**, निदेणक

# ग्रामीण पुनर्निमाण मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय

प्रधान कार्यालय फरीदाबाद, दिनौंक 1 जुलाई 1980

सं० ए० 19025/37/79- प्रणासन-III - खाद्य विभाग में सहायक निदेशक (एस० आर०) के पद पर चयन होने के छप-रान्त श्री के० एस० डोगरे सहायक विषणन श्रिधकारी ने इस निदेशालय में ख्या में तारीख 7 जून 1980 के अपराह्र से अपने पद का कार्यभार छोड दिया है।

बी० एल० मनिहार, निदेशक प्रशासन

कृते कृषि विपणन सलाह्कार

# परमााणु ऊर्जा विभाग ऋय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, विनांक 27 जून 1980

संदर्भ सं० 23/6/77-ईस्टे०/9855—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री वी० के० बोकिल को भंडार अधिकारी के पद पर नियुक्त होने के कारण इस निदेशालय के अस्थायी भंडारी श्री एम० एम० नौटियाल को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार ग्रिधकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन कम में विनोक नवम्बर, 13, 78 (ग्रपराह्म) से दिसम्बर, 14, 1978 (पूर्वाह्म) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी० वी० गोपालकृष्णन, सहायक कामिक श्रधिकारी

# (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 28 जून 1980

सं० प० ख० प्र०-1/23/80-प्रणासन—इस कार्यालय के प्रिध्यूचना का संख्या दिनांक जून 19, 1980 के प्रिधिक्रमण में परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री किरण कुमार ग्रचार को परमाणु खनिज प्रभाव में 6 मई, 1980 के श्रपराह्म से लेकर श्रगले श्रादेश

होने तक ग्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/एम० बी० नियुक्त करते हैं ।

> एम० एस० रावः, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ग्रधिकारी

#### भारी पानी परियोजना

बम्बई-400 008, दिनांक 1 जुलाई 1980

मंदर्भ 05012/र/4/प्रोपी/2881—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य ग्रिधिकारी, श्री पाराधामाला फिलिपोज जेरि-यन, उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को, उसी परियोजना में 5-4-1980 (पूर्वाह्न) से 5-5-1980 (ग्रपराह्न) तक के लिए श्री जी० पदम नाभन, सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी, जिन्हें स्थानापन्न रूप में प्रशासन ग्रिधिक कारी नियुक्त किया गया है के स्थान पर श्रस्थायी रूप में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 4 जुलाई 1980

सं० 0500/म्रार,/1/म्रो पी/2967—भारी पानी परि-योजना के, विणेष कार्य-म्रधिकारी, श्री पंडराथिल पदमनाभन निस्वयार, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में स्थानापम्न सहायक लेखाकार की उसी कार्यालय में तदर्थ माधार पर म्रस्थायी रूप से 19 मई, 1980 (पूर्वाह्म) से 21 जून, 1980 (म्रपाह्म) तक के लिए श्रीमती एम० एम० कर्णिक, जोस्थानापम रूप से लेखा म्रधिकारी-एनियुक्त की गई है, के स्थान पर सहायक लेखा म्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05000/ग्रार०/1/ग्री० पी/2968—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-ग्रिधकारी, श्रीमित, माणिक मुकुन्द कर्णिक, ग्रस्थायी सहायक लेखा ग्रिधकारी, भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) को उसी कार्यालय में 19 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से 21 जून, 1980 (ग्रपराह्न) तक के लिए श्री वी० के० पोतदार, लेखा ग्रिधकारी II जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर ग्रस्थायी रूप में तवर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न लेखा ग्रिधकारी-II नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन प्रधिकारी

#### ग्रन्तरिक्ष विभाग

# भारतीय श्रंतरिक्ष श्रनुसंधान संगठन श्रंतरिक्ष उपयोग केंद्र

श्रहमदाबाद 380053, दिनांक 24 जून 1980

सं० सैक/इस्ट/प्राई० एस० सी० ई० एस०/1479/80~~ निदेणक प्रक्तरिक्ष उपयोग केंद्र ने श्री एन०एच० परीख प्रस्थायी इंजीनियर एस० बी० का उनकी सेवा से दिनांक 24 जन, 1980 के प्रपान्ड से त्यागपत स्वीकार कर निया है।

> मी० <mark>ग्रार०णाह</mark> प्रशासन ग्रक्षिकारी

विकम साराभाई ग्रांतरिक्ष केन्द्र

तिरूपनंतपुरम-695022, दिनांक 30 जून 1980

मं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ०/1(17)— भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में अंतरिक्ष विभाग के संयुक्त सचिव द्वारा जारी की गयी कार्यालय ज्ञापन सं० 2/ 2/19/77—1 दिनांक 13-12-1979 के अनुसार 1 जनवरी 1980 से प्रणासनिक श्रेणी के सहायक प्रणासन प्रधिकारियों के वेतनमान ६० 550-25-750 द० रो०-30-900 से ६० 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 के रूप में परि-शोधित किये जाने के कारण वी० एस० एस० सी० के श्री सी० के० राजगोपाल, सहायक ऋय ग्रधिकारी को 1 जनवरी 1980 से परिशोधित वेतनमान में रखा गया है।

> पी० ए० कुरियन प्रगासन ग्रिधिकारी-II (स्थापना) कृते नियन्नक, वी०एस०एस० सी०

पर्यटन और नागर निमानन मंत्रालय महानियेणक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1980

मं० ए० 32013/1/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, पालम के श्री ए० ग्रार० गोयल, सहायक तक-नीकी ग्रधिकारी को वैमानिक संचार स्टेशन, पालम के श्री श्रो० पी० छावड़ा, तकनीकी ग्रधिकारी जिनकी 45 दिन की ग्रांजित छुट्टी मंजूर की गई है, के स्थान पर दिनांक 1-5-80 (पूर्वाह्म) से तदर्थ ग्राधार पर तकनीकी ग्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है ग्रौर उन्हें इसी स्टेशन पर तैनात किया है।

# दिनांक 1 जुलाई 1980

मं० ए० 32013/2/80—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री बी० रामासुक्रमण्यम, निवेणक संचार (योजना) (तदर्थ) को 24 मई, 1980 (पूर्वाह्म) से उसी विभाग में निदेणक, प्रशिक्षण श्रीर श्रनुकापन के उनके मूल पद पर स्थानांतरित कर विया है।

सं० ए० 32013/2/80(I)—राष्ट्रपति ने नागर विमानतन विभाग के श्री के० वी० एन० मूर्ति, उपनिदेशक संचार को 23-5-1980 मे छः मास की अवधि के लिए या पद के नियमित कृप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो तदर्थ आधार पर निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक के पद पर नियुक्त किया है।

सं०ए० 32013/2/80 (ii))—राष्ट्रपति ने नागर विमान्तन विभाग के श्री श्रार० एस० गोयला, उपनिदेशक संचार को 24-5-1980 में 6-7-1980 तक की श्रवधि के लिए तदर्थ श्राधार पर निदेशक, संचार (योजना) के पद पर नियुक्त किया है।

घि० वि० जौहरी, उपनिदेशक प्रशासन

#### नई विल्ली, दिनांक 28 जून 1980

सं० ए० 32014/2/80-है० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित संचार सहायकों को उनके नाग के सामने दी गई तारीख से, सहायक संचार श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है ।

क्रम सं० नाम		<u> </u>		वर्तमान तैनासी स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण तारीख	———— करनेकी
<ol> <li>श्री एस० के० दास</li> <li>श्री पी० हरि</li> </ol>			·	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता वै० सं० स्टेशन, कोयम्बट्र	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता वै० सं० स्टेशन, मब्रास	2-5-80 17-5-80	(पूर्वाह्न) (पूर्वाह्न)
3. श्री सी जॉन	• •	•		वै० सं८ स्टेशन, मदुरई	वै० सं० स्टेशन, इलाहाबाद	12-5-80	(पूर्वाह्म)

सं० ए० 32014/2/80-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 12-5-1980 की श्रिधसूचना सं० ए०32014/2/80-ई० सी०, क्राम सं० 1 की प्रतिस्थापित करते हुए निम्न प्रकार से पढ़ा जाए।

ऋम सं० नाम			वर्तमान तैनाती स्टेशन	स्टेशन जहां स्थानांतरण	कार्यभारग्रहण करने की
				किया गया	तिथि
1. श्री वी० ग्रार० छावड़ा	-	•	2 बैंब संब स्टेशन, पालम	वै० सं० स्टेशन, पालम	9-4-80

भ्रार० एन० दास, सहायक निदेशक प्रशासन

#### विदेश संघार सेवा

## बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1980

सं० 1/125/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एसद्वारा नई दिल्ली के पर्यवेक्षक, श्री एच० जी० कनकाचलम को तदर्थ श्राधार पर श्रल्पकालिक रिक्त स्थान पर १-7-1979 से 23-7-79 तक की श्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन रूप से उप परियात प्रबंधक हैं नियुक्त करते हैं।

सं० 01/168/80-स्था०—स्थिचिंग काम्प्लेक्स, बम्बई के श्रस्थाई सहायक श्रभियंता, श्री तेजिन्दर सिंह गंभीर को 5 जून, 1980 के ग्रपराह्न से श्रपनी नियुक्ति से त्यागपत्न देने की श्रनुमति दी गयी ।

सं० 01/254/80-स्था०--निवर्तन की म्रायु के हो जाने पर मद्रास गाखा के उप परियात प्रबंधक, श्री एफ० पार्ली ग्राय 31 जनवरी, 1980 के ग्रपराह्न से सेवा से निवृक्त हो गए ।

> पा० कि० गोविंदनायर, निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक

# वन भ्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरावून, दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० 16/362/80-स्थापना-1,—ग्रध्यक्ष, वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री पदम सेन, नियंत्रक रक्षा लेखा श्रधिकारी के कार्यालय के लेखा श्रधिकारी को वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में दिनांक 3 जून, 1980 के श्रपराह्म से सहर्ष लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

भ्रार० एन० महान्ती, कूल सचिव

# केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना, दिनांक 1 जुलाई 1980

मि० नं० 11(7)/2-स्था०/79/4171—इस सहमातीलय के निम्नलिखित स्थानापन्न/स्थायी समूह 'खा' पदाधिकारी भ्रपनी क्षेत्रा की आपु पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाए गए तारीख श्रानुसार क्षेत्रा निवृत हुए  $\{$ ।

क्रमांक पदाधिकारी का नाम	पदनाम	सेवा निवृति की तिथि
1 2	3	4
सर्वश्री		
1. सी० सी० दास गुप्ता	प्रशासन पदाधिकारी	31-7-79 (अपराह्म)
2. सी० के० प्रसाद	वही	31-7-79 (अपराह्म

1	2				3	4	5
	सर्वश्री			•		, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	
3.	पी० एन० दास शर्मा				अधी <b>क्ष</b> क	30-9-79	(अपराह्न)
4.	सुविष्ट प्रसाद				प्रधीक्षक	31-10-79	(भ्रपराह्न)
5.	हरीश चन्द्र प्रसाद				<b>ग्रधीक्ष</b> क	30-11-79	(भपराह्म
6.	के० डी० घोष हाजरा				<b>प्र</b> धीक्षक	31-12-79	(ग्रपराह्न
7.	मो० म्राब्जार				<b>ग्र</b> घोक्षक	31-1-80	(ध्रपराक्ष
8.	गगनदेव सिंह	•			<b>प्रधीक्ष</b> क	31-1-80	(ग्रपराह्न
9.	सी० एस० चऋवर्ती		•		प्रधीक्षक	31-1-80	(ग्रपराह्म
10.	ए० बी० बोस				<b>ग्र</b> धीक्षक	31-3-80	(ग्रपराह्न
11.	डी० एन० वर्मा		•		प्रधीक्षक	31-5-80	(ग्रपराह्न
2. 3	प्रंतोष कुमार मित्रा	-			ग्रधीक्षक	31-5-80	(भ्रपराह्म

रतन थावानी, समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पटना

# बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० 21/76—सी०—XI विवरण-1/1980-81—दिनांक 21-2-1976 से प्रवृत्त होने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सातवां संशोधन नियम 1976 के नियम 232ए के उपनियम (1) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषित किया जाता है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक प्रधिनियम 1944 की धारा 9 के ग्रधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्ति प्रथवा जिन पर ग्रधिनियम की धारा 33 के ग्रन्तर्गत रू० 10,000/— या इससे ग्रधिक का ग्रर्थ दण्ड दिया गया है ऐसे व्यक्तियों के नाम, पते एवं, ग्रन्य विवरण जो उप नियम (2) में निर्धारित हैं, निम्न प्रकार से हैं:—

क्रम संख्या व्यक्तिकानाम	पता	ग्रधिनियम के प्रावधान जिसका उल्लंघन किया गया	दण्ड की राशि
1 2	3	4	5
श्री वीनूभाई बुधाभाई पटेल केन्द्रीय उत्पादन गुल्क लाईसेंस संख्या एल० 5-1/73 अवहर जिला——थाने महाराष्ट्र प्रदेश।	डा० : जवहर जिला : थाने	नमक ग्रधिनियम, 1944की धारा 9(ख), (ख ख),	तथा रुपए 2,000/- (ह०

विजय कुमार गुप्ता समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

बम्बई-II

निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शृल्क एवम् केन्द्रीय उत्पादन शृल्क,

पटना, दिनांक 2 जुलाई 1980

सं० 4/80—श्री एम० एम० माथुर ने, जो हाल में निरी-क्षण एवम् लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा एवम् केन्द्रीय उत्पा-दन शुल्क नयी दिल्ली के मुख्यालय में निरीक्षण श्रधिकारी (सीमा एवम् केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "ख" के पद पर कार्य कर रहे थे, निदेशालय के दिनांक 22-5-1980 के म्रादेश फा० सं० 1041/41/79 के द्वारा स्थानांतरित होने पर एवम् श्री एच० एस० हसन की निरीक्षण म्रधिकारी ग्रुप "क" के पद पर पदोन्नति होने तथा मुख्यालय में स्थानांतरित होने से रिक्त स्थान पर, निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा एवम् केन्द्रीय उत्पादन शुरुक) के उत्तरी प्रादेशिक यूनिट, गाजियाबाद में, दिनांक 4-6-1980 (पूर्वाह्न) से, निरीक्षण श्रधिकारी (सीमा एवम्, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक) ग्रुप "ख" का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 22/80—श्री वाई० पी० पंगहर ने, जो पहले श्रीरंगा-बाद में सहायक-समाहर्ता, के उ० शु० के पद पर काम कर रहे थे, राजस्व विभाग के म्रादेश सं० 58/80 दिनांक 9-5-80 के (फा॰सं॰ए॰ 22012/4/80-प्रणा॰-11 (ग्रंण-11) के द्वारा स्थानांतरित होने पर, निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा) निदेशालय, सीमा एवंम् केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 16-6-1980 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण मधिकारी (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) मुप "क" का कार्यभार सम्भाल लिया।

# दिनांक 4 जुलाई 1980

सं० 24/80--श्री एस० एन० वर्मा ने, वार्धक्य के कारण सेवा-निवृत होने पर, विनांक 30-6-80 (प्रपराह्न) को निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निरीक्षण समा णुल्क एवम् केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में, निरीक्षण प्रधिकारी (सीमा एवम् केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'खं' के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

कु० रेखी, निरीक्षण निदेशक

# नौवहन ग्रीर परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 038, दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० 1/टी॰ आर॰(1) 79—-राष्ट्रपति कप्तान पी॰ सी॰ राय को 1-5-1980 से श्रागामी श्रादेशों तक प्रशिक्षण पोत "राजेन्द्र" में तदर्थ श्राधार पर नाँटिकल श्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> के० एस० सिधु नौयहन उप महानिदेशक

#### गोवावरी जल-विवाद न्यायाधिकरण

नई दिल्ली-49, दिनांक 1 जुलाई 1980

सं० 13(87) 75-गो० ज० वि० न्याया०—गोदावरी जल-विवाद न्यायधिकरण के ब्रादेशानुसार श्री के० ब्रार० मेंहदी-रत्ता श्रौर श्री बी० श्रार० पल्टा ने पूर्णकालिक श्रसेसर का कार्यभार 30 जून, 1980 के श्रपराह्म से त्याग दिया। न्यायधिकरण के ब्रादेश से श्रार० पी० मरवाहा सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी बोर्ड विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय "कम्पनी प्रधिनियम 1956 और सिंग ट्रैक्टरस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालन्धर, दिनांक 30 जून 1980

सं॰ जी स्टट॰/560/2979— कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्-

द्वारा सूचना दी जाती है कि सिंग ट्रैक्टरस प्राईवेट लिमि टेड का नाम स्राज रजिस्टर से काट विया गया है झौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एन० एन० मौलिक, कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स श्रम्बीका फिल्म एक्सचेंज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद दिनांक 2 जुजाई 1980

सं० 560/303—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधार (3) के अनुसरण में एतद्कारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स अम्बीका फिल्म एक्सचेंज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० जो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

कम्पनी म्रधिनियम, 1956 मौर मे० सुप्रीम स्टील कास्टिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनाक 3 जुलाई 1980

सं० नम्बर 1029/वाय/2730—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतवृक्षारा यह सूचना दी जाती है कि मे० सुप्रीम स्टील कास्टिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर मे काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्रौर मे० रूपा फोम्स् मैन्युफेक्चरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर दिनांक 3 जुलाई 1980

सं० 1090/वाय/2731—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि मैं० रूपा फोम्स मैन्युफेक्चरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर जक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> सुरेंद्र कुमार सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश

आयकर विभाग कार्यालय म्रायकर म्रायुक्स कोचीन-682016, दिनांक 27 जून 1980 (म्रायकर)

सी० सं० 1 (209)/जी० एल०/80-81-म्रायकर म्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रवत्त श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं, आयकर आयुक्त, केरल-II, एरणाकुलम एतद्वारा आयकर कार्यालय, तिरुवल्ला में एक नया वार्ड का सृजन करता हूं। इस वार्ड में नियुक्त श्रायकर प्रधिकारी को आयकर आधिकारी, सी-वार्ड, तिरुवल्ला नाम से माना जायेगा।

2. यह प्रादेश पहली तारीख जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से प्रवृत होगा।

> बी० जे० चाक्को, श्रायकर ग्रायुक्त, केरल-II

कोचीन-682016, दिनांक 30 जून 1980 आयेश

विषय : संस्थापना—श्रायकर म्रधिकारी,श्रेणी-बी-पदोन्नति ग्रौर स्थान्नातरण का भ्रादेश जारी करना— निम्नलिखित पदोन्नति ग्रौर नियुक्ति का भ्रादेश एतथुद्वारा द्वारा दिए जाते हैं :—

I. पवोञ्चति

सी० नं० 2/एस्ट/80-81—श्री टी० रवीन्द्रन, श्रायकर निरीक्षक, श्रायकर कार्यालय, सिकल∽II, कालिकट को तारीख 30 जून, 1980 के ग्रारान्ह से या उनके कार्यभार लेने की तारीख से, जो बाद में श्राता है भौर श्रागामी श्रादेशों तक रू० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में आयकर श्रिष्ठकारी, श्रेणी-बी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए एतइद्वारा नियुक्त किया जाता है। वे दो वर्ष की श्रवधि तक परिवीक्षा पर होंगे।

2. उपर्युक्त पद की नियुक्ति बिलकुल ग्रस्थायी ग्रीर सामयिक है, जो किसी सूचना के बिना ही समाप्त करने लायक है। इनकी नियुक्ति, उच्च न्यायालय, केरल में फायल किए हुए मूल याचिका सं० 4023/1978 ग्रीर 263/1980---एम० तथा उन्च न्यायालय, दिल्ली में फायल किए हुए सिविल रिट याचिका सं० 25/1979 के फल पर ग्राधारित है।

# II. स्थानान्तरण और नियुक्तियां

कम सं० नाम	₹	पर	भ्रभ्यु वितयां
सर्वेश्री 1. पी० जे० सैमण	ग्रायकर ग्रधिकारी डी-वार्ड, सर्किल-I, कालिकट ।	कर वसूली ग्राधिकारी, कालिकट	30-6-80 के भ्रपरान्ह से सेवा निवृत्त होने वाले श्री के० के० सुक्रुमारन के स्थान पर ।
2. टी० रवीन्द्रन	म्रायकर निरीक्षक (म्रायकर म्रधि- कारी,श्रेणी-बी के रूप में पदोन्नति)		सर्किल-श्रीपी० जे० सैमण के स्थान पर।

यदि श्रावश्यक है तो श्री पी० जे० सैमण, श्रायकर श्रधिकारी, ए०-वार्ड/सर्किल के वरिष्ठ श्रधिकारी को श्रायकर श्रधिकारी, डी०-धार्ड का कार्यभार सौंप सकता है।

> एम० एस० उण्णिनायर, भायकर श्रायुक्त, केरल-J

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के म्रचीन सूचना

#### भारत सरकार

कर्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश वं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/ ७४७—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत भिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिवीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 110 है, तथा जो जौधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है प्रोर मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है प्रोर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निण् तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय था किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घव, उवद अधिनियम की बारा 269-व के बनुसरण में, में, उवद धिधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) के अक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री पुखराज पुत्र मिश्रीलाल (घटानी होल्डर घ्राफ) श्री महाबीर चन्द्र, 10 बी वेंकट विद्या स्ट्रीट, मद्रास (घन्तरक)
- 2. श्री एस० सतीण कुमार पुत्र चम्पालाल शाह द्वारा चम्पालाल एण्ड कम्पनी, चम्पा गली, फर्स्ट फ्लोर, विठल बाड़ी, बम्बई-2

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रर्शन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षोप:→→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीरपदों का, को जक्त ग्रधि-नियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 110, बखत सागर, स्कीम जौधपुर पर स्थित एक मंजिला भवन जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 1735 दिनांक 18-10-1979 पर पंजीबद्ध विकथ पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान **सक्षम प्राविकारी,** सहायक **भायकर भ्रायुक्त** (निरी**क्ष**ण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीखाः 8 जुलाई, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक्त प्रायक्तर प्रायुक्त (शिरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/748——यतः, मुझे, एम० एल० चौहान,

मायकर प्रचितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधितिनम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत मजम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर मन्द्रति, विसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

मीर जिसकी सं० प्लाट नं० 23-डी है, तथा जो कोटा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोटा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25 श्रक्तूबर 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनस प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर द्याधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उ\*त द्याधिनियम, या धन-कर द्राधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269घ की उपधारा 1 के अक्षेत्र, निम्नलिबि। वाक्तियों, अर्थात्:

 श्री कुन्दन मल पुत्र श्री लाधाराम खत्नो, रावत भाटा द्वारा मैसर्स भारत किराना स्टोर, रावत भाटा जिला चित्तीडगढ

(ग्रन्तरक)

2. श्री सत्यनारायण, राधािकशन एवं राजेन्द्र कुमार पुत्रान श्री जुगल दास द्वारा मैसर्स जुगलदास निहाल चन्द, रावत भाटा, चित्तौडगढ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़, से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य भ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरण:--इनमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उनन प्रिवित्यम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

## अमुसुची

प्लाट नं० 23 डी, घ्रल्प घ्राय गृह निर्माण योजना, सीतल। माता के मन्दिर के पास, गुमानपुरा कोटा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 1367 दिनांक 23-10-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में घ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एन० घोहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीश्रण), श्रजेन रेंज, जयपुर

तारीख: 8 जुलाई, 1980

प्ररूप भाई ० टी ० एन ० एस ० ----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० जी० एच० एल०/6/79-80-यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 2.69ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- स्पए से मधिक है बाजार भूरुय स्रोर जिसक सं० भूमि रकवा 11 कनाल 12 मरला है, तथा जो ग्राम श्रसमानपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गृहला में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है। कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रीधक है ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त भिध-नियम, के प्रधीन कर देने के भस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अश्र, उश्रत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

 श्री श्रमर नाथ पुत्र श्रो दौलत राम ग्राम ग्रासमानपुर तहसील गुहला ।

(अन्तरक)

2. म० गर्ग राईस मिल्ज डांड रोड, पेहवा (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति हारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राध्वीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयों होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसुची

सम्पत्ति भूमि 11 कनाल 12 मरला जो कि ग्राग म्रासमान-पुर में स्थित है तथा जिसका श्रौर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता मुहला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2398 तिथि 16-1-80 में दिया गया है ।

> गो० सि० गोपास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, रोहत स

सारीख: 5-7-1980

# प्रकप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० जे० डी० म्रार०/7/79-80—यतः, मुझे, गो०सि०गोपाल,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका चित्र वाजार मूख्य 25,000/-रुपय से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि रकवा 9 कनाल 2 मरला है, तथा जो जगाधरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1979

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रति-कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास इरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, एसके दःयभान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के प्रमाह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाहत-विक सप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत जबत प्रधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में क्ष्मी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (■) एसी किसी पाय या किसी धन या अन्य प्राक्तियों की, जिस्हें भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना बाहिए या, खिताने में पुतिश्वा के लिए;

पत: बब, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुबरण में, में, उक्त पिविनियम की घारा 269-व की उपसारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, पर्यात:--3--166G1/80

- 1. म० परिमल चेरीटेबल ट्रस्ट कोर्ट रोड, जगाधरी (ग्रन्तरक)
- (1) सर्व श्री धर्मपाल, हरबन्स लाल मार्फत क ० गुरिदक्तामल कृष्ण लाल, रेलवे रोड, जगाधरी,
  - (2) श्री म्रजीत लाल मार्फत हरीनारायण मैटल इन्डस्ट्रीज, जगाधरी,
  - ( 3 ) श्री तिलक राज, मार्फत जगत मैटल वर्क्स, जगाधरी,
  - (4) श्री कृष्ण लाल मार्फत कृष्ण लाल जनक राज, जगदीश
  - (5) श्रीमती स्वर्णे कुमारी, मार्फत मै० अग्रवाल एण्ड कं०, विलासपुर
  - (6) श्री सतपाल

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोश्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाक्रीकरण। --- इसमें प्रयुक्त शम्बों भीर पदों का, जो उक्त भिव्यतियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं मधं होगा जो सस मध्याम में दिया गया है।

#### अमुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 कनाल 2 मरला जोकि जगाधरी में स्थित है तथा जिसका श्रीर श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 2074 दिनांक 4-10-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षीण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-7-1980

प्रकृष ग्राई० टी॰ एन० एस०---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के सबीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्धायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 जुलाई 1980

निर्देण सं० पी० एन० पी०/26/79-80—–अतः मुझे गो०सि० गोपाल,

आयकर मधिनित्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् उक्त अधिनियम कहा नथा है), की धारा 269-ख के अधीन नगम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000-रु में पधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि 3 बीघा 6 बिस्वा (3326 वर्ग गज) है, तथा जो पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ग रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तरीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सपि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति ज के विए उत्तरित की गड़ ह और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त उपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है शोर अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों। के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रांच्यक से निक्ति कि कि उद्देश्य से स्वक्त धन्तरण कि कि कि में वास्तविक स्था विष्कृत में वास्तविक स्था विषक का पन्द्रह

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम कि प्रधीन कर देने के भन्नरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. और या
- (ख) ऐथी किसी भाष था किसी धन या भाष्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर मांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर पश्चितियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भनः अन. उनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उनधारा (1) के मधीन, निमन्तिन्तित कान्तियों, धर्मात्:--- श्रीमित चन्द्र काम्ता पत्नी श्री सुलतान सिंह प्राप्ति
 सर्विस स्टेशन जी० टी० रोड, पानीपत

(ग्रन्तरक)

2. मैं ० इतिहाड मोटर ट्रांस्पोर्ट कं ० प्रा० लि० फ्लैट नं ० ७, गोखले मार्कीट, नजदीक नई कोर्टस नई दिल्ली। (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त एम्पलि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करना हं

#### उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी क्यिक्तियों पर यूचना की तामील से 39 दिन की अबिध, जो भी अविधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (खा) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित बढ़ा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इपमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भीधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रक्तवा 3 बीघा 6 विसवा (3326 वर्ग गज) जोकि पानीपत में स्थित है तथा जिसका श्रीर श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता पानीपत के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 3385 तिथि 9-11-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रो**ह**तक

तारीख: 2-7-1980

प्रहर प्राई० डो० एत० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० अ० डी० श्रार०/23/79-80---यतः, मुझे, गो०सि०गोपाल,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पये से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ई-17 है, तथा जो इन्डस्ट्रीज एरिया, यमुनानगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) घम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उबत ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के घम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- 1. श्री बसन्त सिंह पुत्र श्री खजान सिंह यमुनानगर (श्रन्तरक)
- 2. मै॰ मैनको इस्जीनियरिंग कारपोरेशन यमुनानगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्राजोहस्ताकारी के पात लिखित में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रयौं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 17-ई, इम्डस्ट्रीज एरिया यमुमानगर तथा जिसका ग्रीर ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5084 तिथि 8-2-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर फ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजीन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-7-1980

#### प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

# भायकर प्रधितियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, रोष्टसक

रोहसक, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० एन० पी०/39/79-80—-यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल निरीक्षी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, रोहतक

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 353 वर्ग गज, खसरा नं० 1108 है तथा जो पानीपत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यांक्य पानीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से भिष्ठक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्दरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिक्ष-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी ब्राय या किसी घन या घम्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या घन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष घम्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के मधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीमती पूज्या रानी,
  - (2) सर्वश्री सितन्द्र कुमार, योगेश कुमार, राज कुमार तथा विजय कुमार पुतान श्री हर नारायण
  - (3) श्री हर नारायण पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण
  - (4) सर्वश्री गंगाराम, जानकी नाथ पुत्तान श्री तारा चन्द
  - [(5) सर्वश्री जगदीश कुमार, केदार नाथ पुत्रान श्री गंगाराम
- (6) श्री मंगत राम पुत्र श्री लेखा राम, पानीपत 2. श्रीमित भंगूरी देगी पत्नी श्री कपूरी लाल गुप्ता निवासी 185-बी, ब्लाक नई मंडी सिरसा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम के भ्रष्टयाय 20फ में परिभाषित हैं. वही भ्रयं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

#### धनुसूची

सम्पत्ति भूमि प्लाट रकबा 353 वर्ग गज जोकि पानीपत में स्थित है तथा जिसका श्रौर श्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5878 तिथि 19-2-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख** : 7-7-1980

प्राह्व आईं• टी• एत० एस० - -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 158/80-81—-यतः मुक्को, एस० गोविन्दाराजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका चित्त वाजार मूस्य 25,000/-र• से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-4-760/1-ए० है, तथा जो मुशीराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रवतूबर 1979

की पूर्वीक्त सम्पति के खिकत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह् प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया वया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत अक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के घरतरक के शायित्व में कमी करने या उससे अबने में पुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या बन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए।

जतः, जन, उनतः मधिनियम की खारा 269न में जनुसरण में, में, जनत प्रधिनियम की बारा 269नमं की संपद्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1ू श्रीमती इकबाल गरीफ पत्नी श्री रहमत्तुल्ला गरीफ मकान नं० 2-2-1108/3 तिलक नगर नल्लाकुनता हैयराबाव (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मीर हुसन श्रली पिता मीर लुतफी श्रलीखान मुशीराबाद हैदराबाद

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्वन के खंबंध में कीई भी श्राक्षीप:---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकागन की तारोख से
  45 दिन की प्रविध्या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
  प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्रक्टीकरण: - इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त भिधिनियम के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

घर नं ० 1-4-760/1-ए०, मुशीराबाद बाकारम हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं ० 5800/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

एस० गोविन्दाराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, द्वैदराबाब

तारीख : 6-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ए० श्रार० सी० 159/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मलगी 1-2-43 से 46 है तथा जो मेटपली करीमनगर सिटी में स्थित है (श्रीर इससे छपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय सेटपली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा(1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथींतु:---  श्रो लीमगला जगन मोहन राऊ पिता एस० गोपाल राव करटाला—मेटपली

(भन्तरक)

2. श्री मोतुका लक्ष्मी राजम पिता जी० मरकय्या करटाला— मेटपली करीमनगर—जिला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजग्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पतों का, जो उक्त सिध-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थं होगा जी जस भव्याय में दिया गया है।

# ममुसूची

मलगियां नं० 1-2-43, 44, 46 श्रीर 46— करवाला माऊ मेट्पली तालूक करीमनगर—जिला रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1137/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय मेटपलस्ली में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारो सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रॉज, हैदराबाद

तारी**ख** 6-6-19**8**0 मोहर :

## प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं. 160/80-81---पतः मुम्ने, एस० गोविन्दराजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधि हारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ इपसे से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 4-6-102 है, तथा जो जगतीयाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगतीयाल में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, श्रम्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रवृह प्रतिक्रत से ब्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के भ्रश्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के किए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रम्य श्रास्तियों को जिन्हों भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भीधिनियम वा धनकर भीधिनियम वा भारती श्रायोजनायं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्सीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:---  श्रो युदुरी पुरुषोत्तम पिता बुच्धीमलम्या बनवारो बाड़ा जगतीयाल करीमनगर—जिला

(ग्रन्सरक')

2. श्री एनाकुला शंकरय्या पिता लिगय्या

(2) एनाकुला--जया--ातो शंकरय्या जगतीयाल करोमनगर--जिला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताली न से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्ता णब्दों और पन्नों का जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

घर नं० 4-6-102 (नया नं० 4-7-89) क्लाक हवर के पास जगतीयाल में करीमनगर जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3338/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय जगतीयाल में।

> एसउ गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) , ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारोख : 6-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (मिरीक्रण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्वेण सं० श्रार० ए० सं० नं० 161/80-81—यतः, मृक्षे, एस० गोत्रिन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिन्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 239-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 203 है, तथा जो कलामेनणन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय, सिकन्दलराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अक्तूबर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्राधिनियम, की धारा 269-ग के ब्रनुसरण में, में, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्निजितित व्यक्तियों, अर्थात:—

- मैसर्स ऊमाकरण और तेजकरण 8-2-547 बनजारा हील्स हैवराबाव
  - (2) राजकरण हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गिरिजा चन्द्रामोहन पति पी० के० चन्द्रामोहन 10-1-599 नेहरूनगर सिकन्दराबाद-26

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता हं।

जरत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूत्रता के राजगत में प्रकाशत की तारीख से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रीविनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अये होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 203 पहली मंजिल पर ब्लाक नं० 1 (750 वर्गफीट) कलामेनशन एस० ई० रास्ता मिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2551/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-6-1980

प्ररूप भाई० टी० इन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार। 269-घ (1) के मुम्मीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० घ्रार० ए० सी० नं० 162/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन,

बायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' सहागया है), की घारा 269-खंके प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 है तथा जो सर्वे नं० 157/5 तीकटाराऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, श्रक्तूबर 1979 को

पूर्वोनत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पग्नह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरकों और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति छहेश्य में उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविन कप से किया नया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियन के भन्नीन कर देने के सन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकार मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या घन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था; कियाने में सुविद्या के किए;

अतः भव, उक्त भिवित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भिवित्यम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थात्:——
4—166GI/80

- 1. (1) श्रीमती कोडली कुटुम्बाराऊ घर नं० 134/2 सिकन्दराबाद
  - (2) कोडली चकादारा रायशिशय्या
  - (3) कोडली राजाराऊ नं० 2 ग्रीर 3 नं० 1 रकवाला है

(ग्रन्तरक)

2. श्री बालाजी कोम्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी-39, सरोजिनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरिती)

को पर सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तरसम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पित द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो जक्त भिवित्यम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होता, जो उन मध्याय में दिया गया है।

#### **ग्र**मुचो

प्लाट नं० 1 सर्वे नं० 157/5 में है तीकटा -राऊ सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 4.25 एकर्स है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2546/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-6-1980

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश मं० श्रार० ए० सी० नं० 163/80चे81—यतः, मुभे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० जमीन नं० 2 है, तथा जो सर्वे नं० 157/5 तीकटा में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दरा-बाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, भ्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया एटा था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीग निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) कोइल —-कुटुम्बाराऊ घर नं० 134/2 सीतला गुडा
  - (2) के० जेकादरराया शेशय्या
  - (3) के० राजा राऊ दोनोंकी यू० एस० ए० में है सी०नं० 1 रकवाला है

(ग्रन्त रक)

2. श्री बालाज कोश्रापरेटिव हौसिंग सोसाइटी लिमिटड 3-9—सरोजिनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां रूकरता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### ग्रनुमुची

जीरायती जमीन प्लाट नं० 2 सर्वे नं० 157/5 तीकटा राऊ सिकन्दराबाद में विस्तीर्ण 40 गुंटास रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2548/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में है ।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 6-6-1980

प्ररूप बाई• टी• एत• एत०-----

भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के सधीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 164/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्दराजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-क्षण से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है, तथा जो तीकटाराऊ में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्मालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रकत्वर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अन्तरकों) प्रार अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तरिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रंभीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमो करने या उससे बचने में मुविधा के लिए भीर/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर शिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अव-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना नाहिए या, कियाने में मुखिशा के लिए;

अत:, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 289-म के सनुसर्व में में, एक्त श्रधिनियम की भारा 269-म की खपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचित्र !--

- 1. (1) श्रीनती की उली सुशी तम्मा पती स्वर्गीय के० वेंक उरतनम श्रवकी रही गुडेम राऊ नुजवीड तीकटा
  - (2) के० शिवाराम प्रसाद दोनों के रखवाले श्री के० कुटीम्बाराऊ हैं घर नं० 134/2 लालागुडा राऊ सिकन्वराबाद में

(ग्रन्तरक)

2. श्री बालाजी कोआपरेटिय होसिंग सोसाइटी लिमिटेड, घर नं० 39-एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उस्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या नरूएम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों म से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भोतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य क्यांकत द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निविद्य में किए जा सकें।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उन्ह भ्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि"। गया है।

## अनुसुची

जमीन प्लाट न० 5 सर्वे न० 157/5 तीकटा राऊ सिकन्दरा-बाद में वीस्तीर्ण 1 1/2 एकर्स रिजस्ट्री दज्तावेज न० 2547/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> एस० गोविन्दराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-6-1980

# प्रस्प ग्राई० टी० एन०एस०--

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भोरत संरकार

> कार्यालय, संहायंक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० भ्रार० ए०सी० न० 165/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सजन प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 125, 128 है, तथा जो 1-1-711/सी बाकारम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, अक्तूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का परबह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्तिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उन्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भष्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या धन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मीतृ:—- श्रीमती बी० ऊषारेड्डी पती बी० सुकेन्द्र रेड्डी 1-1-711/ सी गांधीनगर बाकारम, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एन० श्रमिता पती सुरेश रेड्डी दीमल गुडा हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्राह्म किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सर्केंगे।

स्पाधीकरण: → इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रांश्वनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रार्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाद्य नं० 125 श्रीर 128 का विभाग घर नं० 1-1-711/ सी०ए० है गांधीनगर बाकारम हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज न० 6292/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> एस० गोविन्धराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-6-1980

प्रकृष भार्त्र हो। एतः एसः----

आयकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, हैदराबाद

जयपुर, दिनांक, 13 मई 1980

निदेश सं० ग्राप्राप्ति नं 166/80-81---यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन,

अधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पिनियम' कहा गया है); की बारा 269-ज के प्रधीन सबस प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- क के प्रधिक है और जिसकी स० प्लाट नं० 5 है, तथा जो गगन महल में स्थित है (ग्रीरइससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुक्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रस्तित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकृत का प्रमह प्रतिकृत बाधिक है भीर भ्रस्तरक (अन्तरकों) और भ्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिकृत निम्निविधत सदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्निवक का से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या धससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या प्रत्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उकत अधिनियम, या धनकर अग्निनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वितः अव, धक्त धिर्मियम की बारा 269ना के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269व की खपबारा (1) के सधीन, निस्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात:---

- ।. (1) श्री सत्यवस श्रार्य
  - (2) श्री विजय कुमार ग्रार्य 1-10 शिवाजी नगर बार्डन० 431122

(श्रन्तरकः)

2. श्री वी॰ संजीवारेड्डी 3-6-469/1 हरडीकर बारा हिमायत नगर, हैदराबाद-29

(भ्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जैन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अक्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरण:----इपमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जी उक्त जिलियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया थया है।

#### श्रमुसची

प्ताट नं० 5 का विभाग गगनमहल दोमलगुडा हैदराबाद रिजस्ट्री दण्तावेज नं० 6251/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-6-1980

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर भ्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भ्रायकर (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 167/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्दराजन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परवात 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित 25,000/-से मूल्य रुपये ब्रौर जिसकी स $\circ$  बी $\circ/1/\sigma$ फ-8 है, तथा जो चीरागली लेन में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) कं ग्रधीन,तारीख श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ब्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है भीर प्रन्तरक (ग्रस्तरकों) भौर ग्रस्तरिती (ग्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की नानत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित:---

- 1. (1) इन्द्रलाल जे० पारीक पिता श्री जयन्ती लास
  - (2) श्रीमती भानुमती जे० पारीक पती इन्युलाल पारीक 4-1-581 तुरुप बाजार हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

2. श्री दुर्गाद(स पिता ठाकुर दास 4-1-436/सी/ये किंगकोठी हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीत के नम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इप सूवता के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यति में हितवस किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पब्दी तरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिष-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रवं होगा, जो उस श्रहपाय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट न० बी-1/एफ 8 धर न० 5-8-512 ग 517 का विभाग है घौया मंजिल पर चीरागली लेन हैवराबाद रजिस्ही दस्तावेज नं० 5885/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-6-1980

प्ररूप आईं टी ० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्र्जनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ग्रार० ए० सं० नं० 168/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5-9-22/42/9 है, तथा जो तीसरी मंजिल श्रादर्श नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिरियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—  श्री वी० राजेश्वर राव 8-2-350/5 में बनजारा ही ह<sup>स</sup> हैदराबाद

(ग्रन्तरव)

2. दी सम्ब्या चीधरी 5-9-22/42/9 श्रादर्ण नगर हैदराबाद

(श्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें अपूजत शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट तीसरी मंजिल घर नं० 5-9-22/42/9 श्रादर्ण नगर हैदराबाद रजिस्ट्री दज्तावेज नं० 6265/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

> एम० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 6-6-1980

## प्ररूप आई • टी ॰ एन ॰ एस ॰ ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांवः 6 जून 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 169/80-81-यतः, मुझे, एस० गोनिन्दराजन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० 4-938/ग्रार-6 ग्रार-20 है, तथा जो तिलक रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूपसे विशे है), रजिस्ट्रोक्तर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कन के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की वारा 269-म को, अनुस्थम मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- किंगण कन्स्ट्रकशन बक्ष्मनी 5-8-612,
 ग्राबिद रास्ता हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जी० वेंकटराय 16-2-705/8/2 श्रषःबर बाग हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के टाजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में अग्र जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रवृक्त सब्दों और पवों का, जो 'उक्त भिषित्रवर्म', के लध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस लध्याय में विया गया है।

#### प्रमुखी

हालधर नं० 4→938/म्रार-6 ता म्रार-20 तिलक रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5956/79 उप-रजिस्ट्री

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख** : 6-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 जून 1980

निर्देश सं० स्रार० ए० सी० नं० 170/80-81—यतः मझे, एस० गोविन्दराजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें) इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 5-9-29/ए है, तथा जो बशीर बाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधारों के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर 1979

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविया के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
5—166GI/80

1. श्रीमती प्रगलता पती लक्ष्मी नारायण 289-लाड बाजार, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुलतान जहान बेगम श्रलीमास सुलताना 5→9→161/बी चापल रास्ता, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति इंदारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दो मंजिला घर नं० 5-9-29/ए बसीर बाग हैदराबाद रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6340/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-6-1980

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 171/80-81—यतः, मुद्दो, एस० गोत्रिन्दराजन,

आयकर प्रधितियम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीव सञ्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्य सम्पत्ति विभवा उधित बाबार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

म्रोर जिसकी सं० 3-4-579/3/2 है, तथा जो बरकत पुर। में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रम्तिरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोस्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरवमान अतिकत्त से, ऐने दूरवमात अतिकत्त का पन्त्रह अतिभत अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरम के लिए तय वाया गया प्रतिकत्त, निम्तलिखित उद्देश्य से उस्त प्रन्तरण लिखित में शहरावे उसते के कि हिंदा नहीं किए। मया है :---

- (क) यन्तरण ते हुई किसी ब्राय की वाजत, उक्त अब्रिनियम के ब्रधीन कर देने के अक्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। भौर/वा
- ्ब) रेती हिनी बाब स हिनी बन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त आविनयम, या धन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्न अधिनियम की धारा 269-ए के स्रमुपरण में. में, उक्त पधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री बी० वी० सुरेश 5→8-52 नामपल्ली स्टेशन रास्ता हैदराबाद

(भ्रन्तरकः)

2. श्रो क्रियरचन्द्र बहती 3-3-744 इसामिया बाजार, हैदराबाद

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्त में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस पूरता के राजपत्र में प्रशासन की लागीय से 45 दिन की श्रविध या तत्मन्त्रवंधी व्यक्तियों पर सूचता की लामील से 30 दिन का प्रविध, जो भा सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप मुक्ता के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
  िनी पत्प व्यक्ति द्वारा, अन्नोहरूनाश्चरी के पाप
  निकार में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त गठ्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के भठ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन्न भड़वान में दिना गया है।

#### अनुसूची

घर नं० 3·4·759/3/2 बरक्त पुरा हैदराबाद रिजिक्ट्री दरावित्र नं० 6164/79 उप रिजिक्ट्री नायां लिप, हैदराबाद में।

> एस० गोविन्दर्शाजन सक्षम प्राधिपारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

नारीख : 6-6-1980

प्ररूप आहैं । टी० एन्० एस्०—---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 172/80-81----यत:, मुद्ये, एस गोविन्दराजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

भौर जिसकी सं 3-6-148/1 है, तथा जो हिमायतनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिज्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1808 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर 1979

को पूर्वांक्त सम्पति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री श्रार० जगतनाथ रेड्डी कोमायरम--तालुक मेदक जिला।

(भ्रन्तरक)

 श्री डी० बागया 5→2-778 रिसाला श्रब्दुल्ला हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे.

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्राप्त नं० 3-6-148/1 हिमायत नगर हैदराबाद रिजस्ट्री दज्तावेज नं० 6660/79 उप रिजस्ट्री कर्यालय हैदराबाद में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

## प्ररूप अर्थक्टी ०एन०एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० नं भ्रार० ए० सी० न० 173/80-81----यतः, मुक्तो, एस० गोविन्दराजन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ से अधिक है।

श्रीर जिन्नकी सं० प्लाट नं० 162 है, तथा जो तिलक रास्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिज्झिकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिज्झी तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित यो वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की आधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नतिसिंत व्यक्तियों, अभित्ः—

1. श्रीमती ई० एम० कमलाबायममा 2-2-1164/15/2 निलक रास्ता हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमारी पुनुना दास 11-6-174 पब्लियः गार्डन राजाः नामपल्ली हैदराबाद

(श्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष रो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, आ उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# म्रनुसूची

1/2 प्लाट नं० 16 का सर्वे नं० 428, और 429 ये तिलक नगर ग्रमपारपेट हैदराबाद में रजिज्ड़ी दज्तावेज न० 6703/79 उप रजिज्ड़ी कार्यालय हैदराबाद में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-6-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कार्यालय हैदराबाद

है।राबाद, दिनांच 6 जून 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 174/80-81---यतः, मझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कें, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं. 5-9-299 है, तथा जो गनफोन डरी में स्थित हैं (ग्रीर इस दे उराबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिम्ही कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिट्टी करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन तारीख ग्रक्तूबर 1979

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विषवास करने वा कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंती किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ वर्थात्:—

1. श्री वेलजी भाई 44-जुटु काय लैण्ड एडली दस्बई वेस्ट में।

(श्रन्तरकः)

2. स्वास्तियः इंटरप्रेक्षेस 5--9--299 गनपैनक्दरी हैदराबाद

(भ्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूपना के राजपत्र में एकाचन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अन्**स्ची

खुली जमीन बीस्तेन न० 2509 वंग मीटर घर नं  $5\sim 9\sim 299$  गन फील्डरी हैस्राबाद में राज्यही दस्तावेज न० 6492/79 उप राज्यही कार्यालय हैस्राबाद में।

एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी, गहासह गाहर प्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 6-6-1980

# प्ररूप आई• टी• ए १० एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देण सं० ए० पी० नं० 1049—-यितः मुझे, एग० गोविन्दराजनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

म्रोर जियकी सं० 58 6 5 है, तथा जो सानविष्पेटा एनगी में स्थित हैं (फ्रोर इसन उगाबक प्रनुसूची में फ्रोर पूर्ण ध्य रें: बॉणा है), रजिस्ट्री क्रित प्रतिकारी के कार्यात्रय, अंतिगोल में रजिस्ट्रेलरण प्रिधिनयम 1908/1908 वस 16) के प्रधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अस्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति फल निम्नितिसित उद्घेष्ट्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीग, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---  अन्तुमरती मोवा कोठी मीताशा पती नरम्मा राव लिंगमश्ल्ली हैदराबाद

(श्रनितरकः)

- 2. (1) भातुरी वेंकट नारायण बाध
  - (2) कातुरी नारायण प्रताब
  - (3) नारायण स्वामी काटेमवारी पालेम पोर्डासी तालुका

(भ्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्फन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षोप: 🜤

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित मो हित-, बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहिस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकरो।

स्वस्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु।

#### अनुसूची

समात्ति ा राजिस्द्री यस्तावेश नं० 2935/79 तारीख अक्तूबर 79 है उप रजिस्द्री कार्यालय ओन्गोत में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

है। राजाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1050---यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3-14-98 है, तथा जो पटा पुरम गुंटर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, तारीख श्रक्तूब 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण हे लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्तिखित उद्देश्य में उन्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्रास का किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रश्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रश्चिनियम, या धनकर श्रश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अत्र, उक्त ग्रधिनियम, को धारा 269-च के अनुसरण मैं, में, उका ग्रधिनियम, को बारा 269-व की उनधारा (1) अबोब, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री कोलूरी वेंकटरतनम पिता नरसीमम्म गुंटूर (ग्रन्तरक)
- श्रीमनी वेमुनापस्ती रमनम्मा पती सीनारामध्य। पेनुगुडी रेपली—तालुकः।
   (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तक्ष्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध दिसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्झीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर मदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मम्पत्ति रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5630/79 तारीख श्रक्तूबर 79 के मृताबिश में रजिस्ट्री कार्यालय गुंटूर में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1980

प्ररूप आई• टी• एन• एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1051—-यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रुपये से धाष्ठक है ग्रीर जिसकी सं० है, तथा जो करीवारी गली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वातिण है), रिजस्ट्रीक्त ग्रीप्रकारी के कार्यालय, काकीना हा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रक्तू बर 1979 की

पूर्वोकत मन्यत्ति के खिला बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिला बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिशत से अधि है और अस्तरक (भ्रन्तरको) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए रा पाया गया प्रतिकल, निम्नजिखित उद्देश्य से उक्त प्रनारण तिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्रायकी बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों की, जिश्हें भारतीय धायकर ग्रिप्तिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, छक्त धांधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—  श्रीपी० सी० मेठी रागव राव पिताताऊवारी कारीवारी गनी कोंडश्यापलिम, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

 श्री गोलगबतुना विण्वनाद नेहरू पिता वीरा रागुलु कमला देवी गली गांधीनगर काकीनाडा।

(भ्रन्तिरती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य स्थावन वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास विज्ञित में किए जा सकेंगे ।

स्पदशे हरगः -- इनर्ने पणुक्त गध्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यापम दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्तिका रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7604/79 तारीख अक्तूबर 79 है--रोनस्ट्री कार्यालय काकीनाडा में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोंज, हैवराबाद

तारीख : 12-6-1980

प्ररूप भाई० टा॰ एन॰ एस॰----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैरराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1052--पतः मुझे, एसक गोविन्दराजन,

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत श्रिधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के मिधीन सभान प्राधिकारों की, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिलकी सं० है, तथा जो की डमन नली में स्थित है (ग्रीर इसने उराबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ना भ्रिशितारी के कार्यालय, नरसापुर-जालूक में रिजिस्ट्री करण ग्रिशिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐते दृश्यनान प्रतिकृत का पन्द्रहु प्रतिशत से ध्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर प्रम्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्रन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :→-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ₹न श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

- 1. अत्ता हिलाला सूर्य प्रकाशमा वेनुमंजली (ग्रन्तरक)
- श्री कते। ना गुरली कृष्ण कडमनचूली नरसापुर---ताल्क

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उका सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजात में प्रकाशन की तारीं के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योक्तरण :---इतनें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वक्त प्रधिनियम के प्रक्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

#### प्रमुस्ची

सम्पत्ति का रजिस्ट्री वस्तावेश नं 1448 तारीख धक्तूबर 1979 है रजिस्ट्री कार्यालय ग्रधीनता में हुमा है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज, हैदराग्राद

तारीख : 12-6-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं• ए० पी नं० 1053 → पतः मुझे, एस० गोविन्दराजन,

म्नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से मिनिक है

श्रीर जिसकी सं० 11-6-3 है, तथा जो नरसाराऊ पेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, नरसाराऊ पेट में रजिस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, तारी ख

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किबत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरक से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धत-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के भ्रनुसरण में, में, उक्त भविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:----

- 1. श्री वडी वें कटारतनम पनी रामाराऊ हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रनु--बलरामारेड्डी पिता रमना रेड्डी 11-6-3 नरसाराक पेट गुंटूर--जिला। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति का रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4872/79 तारीख अक्तूबर 1979 है रिजिस्ट्री कार्यालय नरसाराऊ पेट में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 12-6-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ए पी० सा० नं० 1054---यतः, मुझे एस० गोबिन्दराजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं 10-4-20 है, तथा जो बालटेर वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापत्तनम में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यां़े
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:---

 वी बैजाक टीमबर यार्ड ए शंकरराव जिसका रखवाला है, विशाखापत्तनम

(ग्रन्त रकः)

 मैंसर्स धनंजय्या होटेल लिमिटेड श्री रामलिंगाराजू मैंनेजिंग खायरैक्टर 5~9~12 सैइफाबाद, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के श्रष्टयाय 20 क में परिभाषित है, वहीं स्थि होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7816/79 है, सम्पत्ति का उप रजिस्ट्री कार्यालय विशाखापत्तनम में 15-10-79 के तारीख में हुन्ना है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1980

प्ररूप आर्ड्ड. टी. एन. एस.-----

**ंबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ए० प० नं० 1055---यत:, मुझे, एस्० गोविन्दराजन.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 616/92 है, तथा जो मदरयपटला गाऊ प्रकाशम---जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रादानकी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अम्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फेक्स निम्नलिखित उद्यविषय से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर∕या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्ननिश्वत व्यक्तियों अर्थात्:--

1. मैसर्व ब्मोबला पुरनय्या गुन्टूर

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स बुमीडल्ला ब्रदर्स लिमिटेड गृंट्र

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया 🐉 ।

#### अमुसुची

सम्पत्ति का रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2262/79 तारीख भ्रमनूबर 1979 के लिहाज से उप रजिस्ट्री कार्यालय भ्रष्टानकी में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त, (निरीक्षण) **प्रजैन रेंअ**, **हैदरा**बाद

तारीख: 12-6-1980

# प्रकप माई• टी• एन• एस•-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ष(1) के घधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीज्ञण)

ष्ट्रियर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 175/80-81---यतः, मुझो, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से सधिक है

ग्रोर जिसकी सं० जमीन 44/1 है, तथा जो मीयापुर गाऊ में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबन्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीविकारी के कार्यालय, हैयराबाद देस्ट में रजिस्ट्रीकरण ग्रीविनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रवीन तारीख श्रक्त्यर 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गूस्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृध्यमान प्रतिफल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत श्रायक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रम्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या श्रक कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, अव, उनत अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री के० ध्यानेख्वर राऊ
  - (2) श्री एम० वी० सुबा राऊ
  - (3) कें ० सीतय्या गुप्ता
  - (4) श्रीमती एसीमा कमाल
  - (5) बी० रगुवीरय्या
  - (6) बी० रामचन्दर राऊ
  - (7) बी० ध्यानेश्वर राऊ
  - (8) पी०ए० बी ध्यानेश्वर राऊ
  - (9) मैसर्स लक्ष्मी पेनटरप्रैसेस
  - (9) मैसर्स माबुश्री येनटर प्रेसेस एम० सूर्यनारायण डाथरैक्टर है हैदराबाद बरकत पुरा हैदराबाद में।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमाबुश्रीक्वापरेटुव होज बिल्डींग सोसायटी लिमिटेड टी॰ बी॰ नं॰ 194-डी-104 हैवराबाद हैवरगुडा हैक्राबाद में।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के क्रिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिलबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को चक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

घीरायती जमीन नं० 44/1 जुमला बीस्तर्न 130 येक्स है मियापुर गाऊ हैदराबाद बेस्ट ⊸तालुक में रिजस्ट्री दस्तावेज 2530/79 है, रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद—वेस्ट में।

एस० गोविन्दराजन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 13-6-1980

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निदेश सं० म्नार० ए० सी० नं० 176/80-81---यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

म्नीरिजिसकी सं जिमीन 1830 वर्ग माई है, तथा जो पुराना मलक पेट में स्थित है (मोर इससे उपाबब म्ननुसूची में म्नीरपूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्री-करण मधिनियम, 1908 ('1908 का 16) के मधीन, तारीख मक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखतु व्यक्तित्यों अधीत:——

- डा० एच० सैयद म्रली पिता जनाब सैयद हुसैन स्वर्गीय इंटरनेशनल वयोन्सर सेंटर हैबूर तमिलनाडु। (म्रन्तरक)
- डा० मैंसर्स कतीघा पती डाक्टर हीसार सैयद नं० 7987 हालीवुडव ''सन वाली'' क्यालीपूर्निया 91352 यू० एस० ए०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

ल्पध्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसची

तमाम जमीन श्रवाप वीवार श्रौर घर विस्तर्न 1830 वर्ग यार्ड पुराना मलकपेट (जेनजलगुडा) हैदराबाद में रिजण्ट्री दज्जावेज नं० 5925/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> एम० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 13-6-1980

प्रक्रव धाई • टी • एन • एस० ----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-ष (1) के ग्रधीन सूबना

#### मार्ज सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रें ज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 177/80-81---पतः, मुझे, एस० गोविन्दाराजन,

आयकर पिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका छवित बाबार मूस्य 25,000/- एक से पिंधक है

स्रोरिजिसकी हं० जमीन नं० 6 है, तथा जो समशाबाद रंगरेड्डी जिला में स्थित है (स्रोरिइससे उपाबद्ध अनुसूची में झौर पूर्ण रूप से बॉगर है), रजिस्ट्रोक्ति अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में रजिज्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रप्रीन, तारीख स्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्वह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्दरण लिखित में वास्तिधिक कप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत उक्त प्रिक्षित्रप के ग्रमीन कर देने के अस्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे सकने में मुक्सिन के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या चिसी धन या सम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर छिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त छिधिनयम, मां धन-कर छिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त भविनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उन-बारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--  श्रीमती बुसैती बेगम पत्नी स्थर्गीय मोहमद काशिम साहेब 17-7-665 डबीरूपुरा हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री भवबूति भाई नानी भाई पटेल,
  - (2) श्रीभूपेन्द्राभाई मनीभाई पटेल
  - (3) श्रीमती पुष्पाबहन महेन्द्राभाई पटेल
  - (4) सुर्याक्तान्त गोवरधन भाई पटेल

(5) राजजीभाई तुलसीभाई पटेल

तमाम का घर 1-34 समगाबाद हैदराबाद वेस्ड (प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

वनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप !--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी करें 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध
  फिसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
  सिखित में किए जा सकेंगे।

स्परतीक्ररण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथें का, जो उक्त प्रधिनियम के धश्याय 20-क में परिभाषित है, बही घर्ष होगा, जो उस धश्याय में विया गया है।

# अनुसूची

जिरायती जमीन सर्वे नं० 6 वीस्तर्न 14 एकर्स 28 गुंटास गमशाबाद गांव रंगरेड्डी जिला रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2332/79 है उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 13-6-1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० अ१२० ए० सी० नं० 178/80-81---पतः, मुझे, एस० गोविन्दाराजन, प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

धीर जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 10/1 है, जो सीताराम पुर गांव बोबीन निल्लो में स्थित है (घौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रक्तूबर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्दह प्रतिगत ग्रिष्ठ हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बादनिक रूप से क्या नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रत्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उनत श्रधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मन, उन्त मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त मधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के भवीन, ं(मनलिखित व्यक्तियों, भर्यात:→-

- 1. श्री बी० विजयेन्द्र रेड्डी बोवीनपल्ली केन्टोंनमेंट सिकन्दरबाद (ग्रन्तरक)
- दी पदमाणाली कोआपरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी 1-4-27/71 बोलकपुर हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

जिरायती जमीन वीस्तनं 7260 वर्गयाडं है सर्वे नं० 10/1 में सीतारामपुर गांव बीयोनगल्ली सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दग्जावेजनं० 2495/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद ैंमें।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक - स्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1980

मोहर

प्रहर आई० टो० एउ० एउ०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्वेश सं० प्रार०ए०सी० नं० 179/80-81-~यतः, मझे, एस० गोविन्वराजन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्यए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 10/1 है, तथा जो सीतारामपुर गांव बोईनपल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के सिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और सन्तरिक (अन्तरकों) भीर सन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरिण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त सन्तरिण निक्कित में वास्तिक रूप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) अध्वरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन चर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी चरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं स्थारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया साता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः बब, एक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सक्य में, में, बक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपघारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री बो० विजयेन्द्र रेड्डी पिता स्वर्गीय बी० पुल्लारेड्डी बोईनपल्ली केन्टोनमेंट सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. दी-पद्माशाली क्वापरेटिव होज बिल्डिंग सोमायटी लिमिटेड 1-4-27/71 बीलकपुर सिकन्दराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त समात्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

# प्रनुसूची

जिरायती जमीन जिसका सर्वे नं० 10/1 सीतारामपुर गांव सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2394/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीय: 13-6-1980

प्ररूप आईं० टी० एत० एस०---

प्राप्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अक्षोत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देण सं० भ्रार० ए० सी० नं० 180/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आय कर स्रिधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त स्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से स्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 10/1 है, जो सीतारामपुर गांव बोईनपल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावस श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण का से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख प्रक्तूबर 1979
को पूर्वो न संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य छन्न के दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दह
प्रतिशान से अधिक है भीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती
(ग्रन्तरितियों) ह बोब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन निम्निविद्या उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक
कप में कथित नहीं किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धिव-नियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम, पा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त ध्रिवियम, की धारा 269—ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269—व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री बी० विजयेन्दर रेड्डी पिता डाक्टर बीपुला रेड्डी बीमीनपल्ली सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. दि-पदमाणाली क्वापरेटिव होज बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड 1-4-27/71 बीलकपुर, सिकस्दराबाद । (भ्रन्तरिसी)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन के जिए** कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदी का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिचाधित है, वही ग्रर्थ होगा जो धस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### धनुसूची

जिरायती जमीन 7260 वर्ग यार्ड सीतारामपुर - गांव में सर्वे नं 0 10/1 बोईनपल्ली केन्टोमेंट सिकन्यराबाद में है रिजिस्ट्री दस्तावेज नं 2486/79 उप रिजिस्ट्री कार्यालय सिकन्राबाद, में।

एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के घडीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाव, दिनांक 13 जुन 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 181/80-81—मतः, मस्रे, एस० गोविन्दराजन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के धर्मीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 101/3 है, तथा जो मीमापुर गांव में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख शक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निजिबित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त ग्रिधिनियम, के भ्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति:—

- 1. श्रो के० नारायन राव पिता स्वर्गीय नागय्या श्रौर दूसरे रिवन्द्रा होटन तुरुग बाजार हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री ए० वी० वी० के० प्रसाद राव पित ग्रार० रामाराग्य पसीवोडला गांच कोफू लालुक वेस्ट गोदावरी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो
  भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त श्रिक्षितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

जिरायती जमीन नं० 101/3 मियापुरगांव वेस्ट तालुक रंगारेड्डी—जिला में है रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5828/79 है उप रिजस्ट्री कार्यालय हैवराबाद में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-6-1980

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 182/80-81—यक्तः मुक्को, एस० गोविन्दराजन,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है, और जिसकी सं० 5-75 है, तथा जो चेत्यापुरी कीतापेट गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उकत ग्रिशिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; खोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—  श्रो वी० स्थामलराव वर नं० 3-6-750 हिमायत नगर हैदराबाद।

(मन्तरक)

 मैसर्स गायत्री इलक्ट्रानिक्स टी० चेन्द्रामौली ड्विंचर नं० 414 मागपुरा हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी शरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

घर नं० 5-75 चैतन्यापुरी कीतापेट हैवराबाद ईस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 9973/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

> एस० गोविदराजन सक्तम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 13-6-1980

मोहरः

प्रक्षम माई॰ टी॰ एन॰ एस॰————— आयकर ममिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के धंधीन सूचना

#### भारत सरकार

-कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, धिनांक 13 जून 1980

निर्वेण सं० म्रार० ए० सी० नं० 183/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्वराजन,

श्रीयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त प्रधिनियम' कहा क्या है), की धारा 269-ख के प्रधीन संख्या प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका चिंत बाबार मूख्य 25,000/- उपए से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० 5-5-57/10 है, तथा जो कटलमनई गोशमहल में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से बिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-करण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख सक्तुबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के निये प्रश्तरित की गई है और मृते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उन्ने वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अस्तरक (प्रन्तरकों) और प्रम्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण कि खिल में बास्तविक कर से कांवित नहीं किया प्रया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाव की वावत; उक्त विविधित के धानीत कर देने के धानारक के दायिश्व में कमी करने या उद्यंसे वचने में सुनिवा के विकृत वीर/या
- (क) ऐसी निसी प्राय या किसी झन या अन्य पास्तियों को जिम्हें भारतीय बायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए का कियाने में सुविधा के किए।

वतः श्रवं, उत्त प्रविनियमं की धारा 269मा के धनुसरण में, मैं, उत्त प्रविनियम की वारा 269मा की उपधारा (1) के अधीन निकातिबात व्यक्तियों. अवीत्।---  श्री श्रोम प्रकाण शरादा 21-3-146—टगरीकानाका हैचराबाव ।

(ग्रन्सरक)

श्रीमती को० द्रौपती बाई पती श्री रामस्यरूप 14-2-398/
 राजाकपुरा गोशमहल, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाबन की तारीब से 45 विन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की घवछि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त धानियम, के घट्टपाय 20-क में परिभाषित है, बही बर्ष होगा, जो उस धट्टपाय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर नं० 5-5-57/10, कटल मनई गोशमहल हैवराबाद रिजस्ट्री दस्ताबेज नं० 6178/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैवराबाद में।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, क्षैयराबाद

तारीख: 13-6-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

# मायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 184/80-81 — यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार उंकत मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से म्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी-151 है, जो कपेरा नेडजेल तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेडजेल में रजिस्ट्रीकरण श्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त घ्रिष्ठ-नियम के घ्रघीन कर देने के ध्रम्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः ग्रंब, उन्त ग्रंघिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त ग्रंघिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंघीन :---  ले फ्टिनेन्ट करनल निरमजन सिंह पिता एस० हजारा सिंह-पूना-1

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री हरबरट शामसन सेमुल

(2) ईडमा से**बुण** घर नं०91 लालागुडा सिकन्दराबाद (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकों।

स्पन्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों घीर पदों का, जो उक्त घछि-नियम, के घष्ट्याय 20-क में परिमाणित है, बही ध्रथे होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर नं० बी—151 (बी० पी० नं० 5—63) प्लाट नं बी-151 वीस्तैन 573 वर्ग यार्ड सर्वे नं० 601 कपेरा गांव मेंडजेल तालुक सगरेड्डी -रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2185/79 छप-रजिस्ट्री कार्यालय मेडजेल में ।

> एस० नोविन्वराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, देदराबाट

तारीख: 13-6-1980

प्रकृष धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1980

निर्देश सं० ए० सि०रेंज-II/कल०/1980-यतः मुझे, के० सिन्हा

शाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उच्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा अडिअन्ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूस्य 25,000/- र∙ से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 23 है तथा जो ग्राचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रामेनिछ स्चित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रिधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पति के उसित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वामिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाक्षिए था छिशाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उनत अधिनियम को घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को घारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित म्यवितयों, धर्यात् :--- 1. श्री मगेन्द्र नाथ चट्टोपाध्याय ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री द्लाल चन्द्र राय।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्य कितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितखड़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गव्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्थ होगा, जो उस भध्याय में विया गया है।

#### मनुसूची

जमीन परिमाण 2 कट्ठा 23 ग्राचार्य प्रफुल्ल चन्द्र एवेन्यू, कलकक्ता।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज 2, 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकता-16

तारीख: 12-5-80

प्ररूप बाई॰ डी॰ एन॰ एस॰--

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1980

निर्वेश सं० ए० सी० 15/रेंज-IV/कल०/1980-81—यतः मुझे, श्राई० यी० एस० जुनेजा,

भायकर श्रविनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नश्वात् 'उकत मित्रिनियन' कहा गया है), की झारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 40 है तथा जो थाना झारप्राम जिला मिवनापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय झारग्राम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर घन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरक निखित में वास्त्रिक कप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किया अप्य की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्वरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किशी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर पछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः सम, उक्त प्रश्नितियम की धारा 269-न के धनुकरण में, में, उक्त प्रश्नितियम की बारा 269-न की उपवादा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—- 1. श्री निर्मल चन्द्र दत्त ।

(ब्रन्तरक)

2. मेसर्स अरसपकस (इन्डिया) प्रा०लि०।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रथिया तस्कम्थन्सी व्यक्तियों पर सूचना की तामील हे 30 दिन को ग्रविष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पवनी करणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अमुस्ची

प्लाट सं० 40, मौजा खास जंगल सं० 249, थाना झार-ग्राम, जिला मिवनपुर स्थित 6 विद्या 11 कहा जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलिल सं० 5607 में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है।

> श्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-IV, कलकत्ता 54, रकी अहमद किदवई मार्गं, कलकत्ता-16

ता**रीख**: 21-5-80

# प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकता

कलकता, दिनांक 21 मई 1980

निर्देश मं० ए० सी० 16/रेंज-IV/कल०/1980-81— यतः मुझे, ग्राई० ची० एस० जुनेआ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छनित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 97 है तथा जो विजय क्रुव्न स्ट्रीट, उत्तर पारा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एरेड्रड् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्त्रलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्वित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मिश्रिनियम के भन्नीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय मा किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त भिष्टियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. श्री ईन्द्र भूषन बनर्जी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री स्वपन, समर, श्रनजन बनर्जी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजात में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तर संबंधी क्य कितयों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा भ्रम्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त घर्षि-नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं वही धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

97 विजय कृष्न स्ट्रीट, उत्तरपारा जिला हुगली, स्थित 11 कट्ठा जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे कि 1979 का दिलल सं० 5417 में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) [ग्रार्जन रेंज-IV, 54, रकी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता

तारीख: 21-5-1980

# प्रकृप बाई ल टी • एन • एस • ----- श्री मदन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज , कलकत्ता

कलकता, दिनांक 26 मई, 1980

निर्देश सं० 698/एकु० रेंज-III/80-81/क्रजकला---यतः मुझे, ब्राई० बि०एस० जुरेजा भाय हर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रत्रात् 'उका मधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-ख के प्रधीत पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि ह्थावर संगक्ति जिन्हा उचित्र बाजार मृत्य 25,000√- ह० से श्रौर जिसकी सं० 2 है तथा जो सिनागम स्ट्रीट क तकता स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कलकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-10-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फंग निवानिक्षित उद्देश्य ये उक्त श्रन्तरण निक्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपपे बची में पुतिधा के लिए; और;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रयोतः—— श्री मदन मोहन दत्त

(ग्रन्तेरक)

2. श्री सुमित कुमार दां

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्तब्दीकरण:--इसमें प्रमुक्त णब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुमुखी

करीब 4 कट्ठा 7 छटांक 15 स्कोः फुट जनीन साथ स्ट्रकचर्स का स्रविभक्त 1/4 भ्रंग जो 2, सिनागग स्ट्रीट, कतकता पर स्रवस्थित ।

> भ्राई० बि० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-III, कलकता

तारीख: 26-5-1980

# प्रकप चाई० टी• एन• एस•~----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन यूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सद्धायक प्रायकर अध्यक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज-III, वःलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० 699/एक्यू० रेंज-III/80-81/कलकता---यतः मुझे, श्राई० वि० जुनेजा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण दैकि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र वाजार मूच्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० 2 है तथा जो सिनागग स्ट्रीट, कलकता, में स्थित है (भीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्णकृप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के जिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वो की सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह् प्रतिशत प्रक्षिक है भौर अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ राया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त राजरण निल्तित में बास्तविक रूप से कथित हों किया गया है '--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राप की बार्ड उनत अधि-नियम के प्रधान कर देने हे प्रस्तरक के दायित्व में कबी करने या उससे बचने में पुविधा के लिए; और या
- (ख, ऐसी हिनी नाम या किसी बन ना अन जास्तियों को, जिन्हें भायकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त पिलियम, या बनकर पिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गराधाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अतः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुबरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री मदन मोहन दत्त

(ग्रन्तरक)

2. श्री भ्रांजनकुमार दां

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के यंत्रंच में कोई भी मान्नप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दो हरगः --इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा; जो उस अध्याय में विया गया है।

# ग्रनुसूची

करीय 4 कट्ठा 7 छटांक 15 स्को॰ फुट जमीन साथ स्ट्रक वर का ग्रविभक्त 1/4 श्रंण जो 2, सिनागग स्ट्रीट कतकता पर श्रवस्थित ।

श्राई० पी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकता

तारीख: 26-5-1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 26 मई 1980

निर्वेश सं० 700/एक्यु० ग्रार-III/80-81/कलकता—यतः
मुझे श्राई० बी० एस० जुनेजा
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हसमें
इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख
के अधीन सत्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का नारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2 है तथा जो सिनागग स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-10-1979

कों पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मृते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का एम्बर्ड प्रतिगत अधिक है भीर प्रम्तरक (प्रम्तरकों) भीर प्रम्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण, जिखात में वाक्तविक क्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिन नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कृमी करने या उससे बचने में मुविधा के बिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घाय घास्तिओं को जिन्हें भारतीय घाय-कर घिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिविनयम, या धन-कर घिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, किया में सुविधा के निए;

भवः धवः, उन्त समिनियम की घारा 269-ग के धनुसरक में, में, छन्त प्रथिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के धवीन, निष्नविवित व्यक्तियों, घर्षातः :--- 1. श्री मदन मोहन दत्त

(अन्तरक)

2. श्री झ्यामल कुमार दाँ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजनत में प्रकाशन की वारीख से
  45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविष, जो भी
  भ्रविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब अ किसी ग्रम्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्दोका, को उक्त भिन् नियम, के अध्याय 20क में परिभावित हैं, बही भर्य होगा, जो उस भन्याय में विया गया है।

## अनुसूची

करीब 4 कट्ठा 7 छटाक 15 स्को० फुट: जमीन साथ स्ट्रकचरस का श्रविभक्त 1/4 श्रंग जो 2, सिनागग स्ट्रीट, कलकता पर ग्रवस्थित '

> भ्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता

ता**रीख : 25.5-1**980

मोहरः

प्रकप भाई • टी • एन • एस •----

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकता-16, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० 702/एक्यु घार-III/80-81/कलकता—यतः मुझे, ग्राई० बी० एस० जुनेजा आयकर ग्रांधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सभाम प्रधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2 है तथा सिनागग स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर, पूर्णरूप हे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 चका 16) के ग्रिधीन, तारीख 26-10-1979

को पूर्वोक्ष्व सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत से अधिक है और प्रग्तरक (अन्तरकों) और प्रग्वरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरम लिखित में बाह्यविश्व कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त धिंध-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ल) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भत: श्रव, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयात्:--- 1. श्री मदन मोहन दत्त

(भ्रन्तरक)

2. श्री संजय कुमार दाँ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

छ इत सम्पत्ति के ग्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की घर्वाघ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्याघ, जो भी घर्वाघ नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा दुसकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के बच्याय 20-क में परिचाबित हैं, वही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

करीब 4 कट्ठा 7 छटाक 15 स्को० फु० जमीन साथ स्ट्रक-चरस का श्रविभक्त 1/4 श्रंश जो 2 सिनागग स्ट्रीट, कलकत्ता पर श्रवस्थित ।

> ग्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 26-5-198

मोहरः

प्रकृष भाई• टी• एन• एस•----

अ(यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-খ(1) के अधीन सूचना

#### मारत धरकार

कार्यात्र ग, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ए० सि०/रेंज- $\Pi/$ कल० 19—यतः मुझे श्राई० बी०एस० जुनेजा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सार प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का फ.रग है कि स्थावर सम्यति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- व से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 154 है तथा जो वानगुर एवेन्यू स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्ति रत की गई है ओर नृष्ठे यह निश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार सूक्ष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत भिक्षक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) ओर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्त ए के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविष्ठ रूप से इथित नहीं स्थित बसा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे अजने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या भण्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, वा भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या कि न जाका चिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः प्रव, उनत प्रिष्ठानियम की धारा 269-म के अमृतरण में, में, उनत प्रिष्ठानियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचार:---

1. श्री कृश्य चन्द्र सिल

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रसिम कुमार बोस ग्रीर ग्रदर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीर :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या श्वरसम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजा के राजाक्ष में प्रकाशा की तारीच ने 45 दिन के भीषर उन्त स्थावर सम्पत्ति में दिनवा कि पास क्यक्ति द्वारा, प्रजोइस्ताकरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीहरग--इतर्में त्रयुक्त शन्तें और पर्वोक्ता, को जनत अधिनियम के मध्यार 20-क में परिभाषित हैं, बही अने होगा को उन प्रज्ञाय में विना नया है।

## अनुसूची

जमीन का परिमाण 3 कट्ठा 8 छटाक 31 स्कोयर फुट 154 वानगुर एवेन्यू कलकता थाना-लेक टाउन

> श्राई० बी० एस० जुनेजा सञ्जय प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, कलकता-16

तारीख: 6-6-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एन०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 🕠 बलकत्ता

क्तकता-16, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश मं० ए० सी०/रेंज-II/कलकता 19—यतः मुझे ग्राई० बी० एस० जुनेजा

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 221/6/252 है तथा वनमालि नरकर रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कंतकता में, रिजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख 19-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकीं) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखा में शस्त्रित हम में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी स्नाय की बाबत, उक्त स्रिधिनियम के स्रिधीन कर देने के स्रग्लरक के प्रापिश्व में कमी करने या उमने बचने में सुविधा के लिए; स्रौर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या घन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः प्रश्न, उका अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उका श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1 श्री दिवाकर मिश्र

(ब्रन्दक)

2. श्रीमती ग्रनजनी नाग

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के निए कार्यशाहियां करता हूं।

उका नम्नित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस पुवना के राजात म प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूबना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास विखा में किए जा सकेंगे।

स्वध्टोकरण:---इननें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो उक्त स्रिवितयम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा तो उत्त अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीत का परिमान—-5 कट्टा, 13 छटांक 15 स्कोयर फुट, 221/6/252 वनमालि नरकर रोड, कनकता, थाना—- बेहाला।

ग्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, कनकत्ता-16

तारीख: 6-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

भायकर श्रिव्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-IV, कलकता-16 कलकता, दिनांक 10 जून 1980

निर्देश सं० ए० सी॰/रंज-IV/कलकत्ता 19—स्यतः मुझे, भ्रार्ड०वी० एस० जुनेजा,

चायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिश्रीत सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिक्षिक है

श्रीर जिसकी सं० 21 है तथा श्रधर चन्द्र दास लेन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्री-कार्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सरीाख 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक इस्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या गन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भवः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थानः— 1. श्री चित्तरंजन गोस्वामी

(ग्रन्तरक)

2. श्री कानाई लाल कुन्डु और अदर्स

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्त्रत्ति के प्रर्गन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र : ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोश्वरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का परिमान 2108.59 स्कोयार फुट 21 म्रधर चन्द्र दास लेन, कलकता ।

> म्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, 54, रफीश्रहमद किदवई रोड. कलकला-16

तारीख: 10-6-1980

प्ररूप साई० टी० एन० एस०⊸⊸

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10जून 1980

निर्देश सं० ए० सी० 17 रेंज-IV/कल/1980-81----यतः मुझे, ग्राई०वी० एस० जुनेजा.

भायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जियका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी प्लाट सं० 215 है तथा जो श्रनचल रोड, जलपाई-गुड़ी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जलपाईगुड़ी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-10-79 को

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बी व ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत **एक्त अधि**-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; भीर/म
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः श्रव उत्तर प्रिवित्यम की घारा 1269ग के अनुसरण में, म, उत्तर प्रिवित्यम की घारा 269घ की उपघारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 9—166GI/80 1. श्रीमती जानकी देवी

(ग्रन्तरक)

2. श्री देवचन्द भानश्राली

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
  किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: →-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है बही श्रर्थ होगा जो उत्त श्रध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसुचो

भौजा देव ग्राम, जिला जलधाईगुड़ी, स्थित .33 डेसिमल जमीन का सब कुछ जैसे के 1979 का दलील सं० 2964 में भौर पूर्ण रूप से विणित है।

> म्राई० बी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, 54, रफी अहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 10-6-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज IV, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जुन, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 18 रेंज-IV/कल/1980-81—यतः,

मुझे, फ्राई० वी॰ एस॰ जुनेजा, आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहागया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी प्लाट सं० 215 है तथा जो श्रतचल रोड, जलपाई-गुड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रतुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जलपाईगुड़ी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-10-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है धौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) धौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के निए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--- 1. श्रीमती राधिका देवी

(भ्रन्तरक)

2. श्री देव चन्द भानश्रालि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इन मूबता के राजपत्र में प्रकाशन की नारोध के 45 किन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में दिवाद किया अध्य ध्यक्ति द्वारा, अधोह्सताक्षरी के पात निधित में किये जा सकोंगे

स्वडटोक्सरण:--इसमें प्रयुक्त जब्दों खों पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिमाणित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

मौजा देबग्राम, जिला जलपाईगुड़ी स्थित .33 डेसिमल जमीन का सब कुछ जैसे के 1979 का दलील सं० 2963 में ग्रौर पूर्णरूप से बर्णित है।

> ग्राई० वी० एम० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज IV, 54, रको अहमद किस्वाई रोड, कलकता-16

तारीख: 10-6-1980

प्ररूप प्राई० टी०एन० एत०----

आयकर निवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-IV, कलकत्ता 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16 कलकत्ता, दिनांक 10 जुन 1980

निर्वेश सं०ए० सी० 19/रेंज-4/1980-81—यतः मुझे अर्ग्ड०वी० एस० जुनेजा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- क्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी प्लाट सं०-5 है तथा जो थाना झारग्राम जिला मोदिनिपुर में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनभूची में श्रीर पूर्ण क्लप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय झारग्राम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-10-1979

को पूर्वीकत सन्पत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लियं मन्तरित की गई है और मूखं यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकार से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कुप से किथा नहीं किया गया है:→→

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की **बाबत, उक्त** अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर प्रक्षिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अर्ता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित् :-- 1. श्रीमती निर्मला देवी

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रमरेज चन्द्र भट्टाचार्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यंगाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्तेंप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबुद्धं
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योहस्ताकारी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त सन्दों ग्रीर यदों का, जी उका ग्रीध-नियम के पत्थार 20-क में परिभाषित है, वही प्रचंहोगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मौजा नतुनिष्ठिहि, थाना, झारप्राम जिला मोदिनिपुरस्थित 20 डे॰ जमीन साथ मकान का संब कुछ जैसे कि 1979 का दिलल सं॰ 5577 में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 4, कलकत्ता ।

तारीख: 10-6-1980

मोहरः

प्रकृष भाई- टी- एन- एस--

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के अधीन सूचका

#### भारत सरकार

कार्यातय, संज्ञायक आयंकर भायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज-3, 54, रफीअसमद किदबई रोड कलकता-16

कलकता-16, दिनांक 16 जून 1980

निर्देश सं० 705/एक्य म्रार-III/80-81/कलकता— यतः मुझे भ्राई०वी०एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रक्षितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 518 है तथा जो योधपुर पार्क, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकर्रा ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 17-10-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐने दृश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिश्वत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्त-रितिमां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्निविख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बाबत उक्त श्रीशनियम के सधीन कर वेने के अन्तरक के दाविस्व में अभी करने या उससे बचने में मुदिशा के लिए। और्
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर समिनियम, 1922 (1932 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त घिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थीत् 11. श्री सुखमय चक्रवर्ती

(भ्रन्तरक)

2. श्री मिनाक्षी चन्द्र

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, ओ भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबढ़ किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रञ्जोहस्तालरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रभुक्त शन्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

#### अनुसूची

वोतल्ला मकान साथ साथ कक्ष 2 3/4 छटाक जमीन जो 518 बि० योधपुर पार्क; कलकत्ता पर म्रवस्थित।

ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 16-6-1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एम॰ एस०---

आयकर घिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-3,54,रफीअहमद किदवई रोड कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० 710/एक्यू/श्रार-III/80-81/कलकत्ता—यतः मुझे, के० सिंह

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 4 है तथा जो बेलतला रोड, कलकता में स्थित

भ्राराजसका संव ४ ह तथा जा बलतला राइ, कलकता मास्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में राजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1808 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-10-1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफन, निमालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।---

- (क) घन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं प्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैं० ऐक्थनीर कोग्रापरेदिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

2. श्री धरित्री देवी

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतरपूर्वों कन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबता के रागात में प्रकाश को तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित-बद्ध किसी अन्य बास्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास निकास में किंगु जा सकोंगे।

स्पब्होकरण: --इसर्में प्रयुक्त गन्धों और पदों का, जो उक्त संधितिया के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रवें होगा, जो उस नध्याय में विया गया है।

#### अनुस्ची

करीब 3 कट्ठा 16 छटांक 39 स्कोः फु०ः जमीन जो 4 बेलतला रोड, कलकत्ता पर अवस्थित ग्रौर उसका ग्रंशविशेष है।

के० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16।

तारीख: 26-6-1980

प्रकप भाई • टी • एन • एस •---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, 54,रफीअहमद्रीकदवर्ष रोड़ कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 26 जून 1980

निर्देण सं० 709/एक्यु०/ग्रार-<math>UI/80-81/कलकता—–यतः मुझे के० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 है तथा जो बेलतला रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूबी में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बाह्तविह छप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण से हुई किसी झाम की बाबस, उक्त मिलियम के मधीन कर देने के सन्तरक के दश्वित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; भीरां/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्त्ररिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रत: ग्रब, उनत ग्रिशिनियम की घारा 269-ग के धनुसरक में, मैं, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- मैं० एँक्थनीर कोग्रापरेटिव सोसाईटी लिमि०:
  - (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रुना चढर्जी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या ततसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा अबोहस्ताकरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पतों का, जो उक्त स्रधि-नियम के अंडपाय 20-ए में परिभाषित है, बही सर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

करीब 3 कट्ठा 1 छटाक 36 स्कोर फु: जमीन जो 4, बेलतला रोड, कलकत्ता पर ग्रवस्थित ग्रौर उसका ग्रंगविणेप है।

> के० सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16।

तारीख: 26-6-1980

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एम॰----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 सा 43) की धारा 269-ध (1) के यधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जनरेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश मं० 708/एकपु/ग्रः(र-र्गिः) 80-81/कलकत्ता—यतः मुझे, के० सिंह

आयकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के मिश्रीन सक्षम शिक्षिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस हा छचित बाजार मूह्य 25,000/- ह० से अधिक है

श्राँर जिसकी सं० 4 है तथा जो बेल्तला रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्राँग पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिरट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख़ 16-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यकान प्रतिकल के निए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रज्ञ प्रतिशत से ग्रीक है और अन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे यस्तरण के लिये नय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तवित कृप से किया नयी है:——

- (क) अस्तरण से दुई किसी भाव की बाबत. उक्त पछिनियम के नधीन कर देने के अन्तरक के अधित्य में कभी करने या जलसे बचने में मुविधा के तिए; भीर/था
- (ख) ऐसी किमो आप पा किसी धा या अन्य आस्तियों,
  की जिन्हें भारतीय गायकर अधिनियम, 1922
  (1922 का 1!) या उन्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के
  प्रयोजनार्थ प्रनिर्मी द्वारा अकट नहीं किया
  गया था या किया जाम कारिए था छिपाने
  में सुविधा के लिए;

थ्रतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 239-च की उपधारा (1)के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- मैं० ऐक्यनीर कोन्नापरेटिव हाऊर्सिंग मोसाईटी लिमि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रहना बनार्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करते पूर्वोका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता मुं।

जनत सम्पत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी भार्खें? :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूबोक्त व्यक्तियों में से किसं व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति हारा बधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सक्कों।

स्पद्धीकरण:---इमर्ने अमुक्त कन्धों और पदो का, जो उत्त मधि-नियम के श्राह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रह्माय में दिया गया है।

# अनुसूची

करीब 3 कट्ठा/छटांक 39 स्को० फु० जमीन जो 4, बेलतला रोड, कलकत्ता पर प्रवस्थित और उसका अंगविणेष है।

> के० सिंह सक्षम प्राधिकारी ·सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-मा, कलकत्ता-16

नारीख: 26-6-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० 707/एक्यू०/ग्रार-III/80-81/कलकत्ता—यतः मुझे, के० सिंह

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो बेलतला रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजर्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1979 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तृष्ट्व किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर शिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिप्तियम, या बन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोशनार्थ प्रश्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्नक्षिचित क्यक्तियों, अर्थात्ः—

- मै० ऐक्यनीर कोद्यापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमि० (प्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रन्जना चटर्जी

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आभेर .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की आधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी पन्य स्थावित द्वारा अधाहस्ताकारी के पाग लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त लड्दों भीर पद्रों का, जो उबत अधि-ियम. के लड्याय 20-ह में परिवाधित हैं, वही अये हो।। जो उन अध्याय में दिया गणा है।

# प्रनुमुची

करीब 3 कट्ठा 1 छटांक 39 स्को० फु० जमीन जो 4, बेलतला रोड, कलकसा पर ग्रवस्थित ग्रीर उसका ग्रंगविणेष है।

> के० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 26-6-1980

पकर बाई• टी• एत• एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कः प्रतिष, सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई 1980

सं० ए० ग्रार०-II/2891-19/नव. 79—ग्रतः मुझे, ए०एच० तेजाले

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपए से मिधिक है

भीर जिसकी सं० पुराना सं० नं० 177 (अंग) प्लाट नं० 13 दौलत नगर बोरीविल है तथा जो विलेज एकसर में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध अनुभूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय वस्बई, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-11-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखद अतिग्रा से प्रथिक है और भन्तरक (भन्तरहों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रनरण के लिए तम पारा गमा गारिक विश्वालित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में प्रस्तिक है भी किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीग/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुत्रिधा के लिए;

भव: भन, उन्त भिधितियम की धारा 269-म के मनुसरण में में, उना पश्चितियम की धारा 269-म की उपघारा (1) अधीन निम्यत्रिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मगनलाल सुन्दरजी

(ग्रन्तरक)

2. जयाबेन वाधजी गहा

(ग्रन्तरिती)

 अनुसूची के अनुसार 10—166GI/80

- 1. मानेकलाल इश्वरलाल शहा
- 2. ज्योतिलाल का वरमाई
- 3. राजेन्द्र कुमार केसरीलाल सालग्या
- 4. प्रेमिता बेंन जयंतिलाल
- 5. ग्रमरीतलाल धनजीभाई
- 6. विजया बेन गौरीशंकर पाठक
- 7. विनय जैनदास व्होरा
- 8. प्रवीनचंद्र नंदलाल पारेख
- 9. चन्द्र बदन हिरालाल धोलकिया
- 10. हिरालाल भाईचन्द घोलिकया
- 11. चंपकलाल छोटालाल कपडिया
- 12. शांतिलाल भ्रंबाशंकर पांड्या
- 13. हिम्मतलाल चुन्नीलाल शहा
- 14. कनकराय छोटालाल गोपानी
- 15 रमाबेन मफतलाल
- 16. जयंतिलाल कछरभाई

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी अपरके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपःच-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी के से 45 दिन की घविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितयद किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ऋषे होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनु**सूची**

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस-937/79/बम्बई उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 26-11-1979 को रजिस्टडें किया गया है।

> ए० एच० तेजाले सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-![, बम्बई ।

तारीख: 15-5-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक **मायकर मायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 जून 1980

निर्देश सं० ए०ग्रार०-1/4288-6/नवस्वर 79—प्रतः मुझे पी० एल० रूंगटा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

भौर जिसकी सं० न्यु सर्वे नं० 984, सी० एस० नं० 112 (पार्ट) है तथा जो फोर्ट

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-11-1979 विलेख संख्या बम्बई 180/73 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिलाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित क्यकि ग्यों, अर्थात् :—-  श्री जहांगीर बी० जी० जी० भाय श्रीर होमाइ जहांगीर जी० जी० भाय

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स ग्रभय बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

- 3. 1. श्री एस० डी॰ डिसोझा (महेंद्र क्लिनसें)
  - 2. श्री नारायन ग्रार० राने
  - 3. श्री हसन हुसेन
  - 4. विजय ट्रेडिंग और मैन्यु० कं०
  - श्री श्रसपराष्ट्राय टि॰ इरानी
  - 6. श्री फरकून एन० मार्शल
  - 7. श्रलिइद ओफसेस सर्विसस इंस्टीटूट
  - श्री वाय सी० दादाभावाला । ;

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ विश्वित हारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदी हा, जो उक्त श्रिधि-नियम के अध्याय 20-इ में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 180/73 वस्त्रई उपरजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 19-11-79 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एत० रूंगटा सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-Ⅰ, बम्बई ।

सारीब: 28-6-1980

मोहरः

प्रकप आई॰ टी॰ प्रन• एस•⊷

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक भायकर भापुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून, 1980

निर्देश सं० ए० भ्रार०-1/ए० पी० 319/80-81—श्रतः मुझे, पी० एल० रूंगटा

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत मिमियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका चित्त वाजार मूख्य 25,000/- व० से अधिस है

भौर जिसकी सं० 25.27 बोरा ऋौस सून सी० रिस० नं० 206 बम्बई है तथा जो कुलाबा में स्थित

हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-11-79 विलेख नं० 826/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्त बाजार मूस्य से कम के बृहयमात प्रिक्तिल के लिये प्रस्तरित की गई है भीर मुझे बहु विश्वास करने का नगरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्त बाजार मूस्य, उत्तके बृहयमान प्रतिफल से, ऐसे बृहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नि खित चहेश्य से खन्त धन्तरण सिखित में बारतिब कप के कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की पावत खकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अध्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी घन या श्रम्य आहिएयों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहियेया, छिसने से सुविधा के लिए;

श्रतः अव, जनत जीजितान की आरा 269न्य के अनुसरण में में, उक्त अभिनियम की धारा 269न्य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तिमों, अर्थात् ।→-  श्री नवीन कस्तुरीलाल साहनी श्रीमती सीमा नवीन साहनी

(भ्रन्तरक)

 श्री मुहम्मव याक्व राजमहम्मव सीप्रा, मूसा गुलाम रसूल, श्रम्दुल्ला इक्राहिम

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति ने प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा से 45 वित्त की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विश्वी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खंसे 4.8 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निवास में किसे जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रपुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 826/77 बम्बई उपरजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 19-11-79 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० रूंगटा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 30-6-1980

मोहर 🕽

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आसकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून 1980

\_ ए०ग्रार०-1/एपी० | 317/80-81——प्रत: मुझे, पी०एल० रूंगटा म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित सं बाजार मूल्य 25,000/-रुपये श्रधिक भ्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 477/6 है तथा जो साथन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृशामान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरम के लिए तम गामा गमा प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अध्वारम निवात में मास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से तुई किसी प्राय की बाबत उबत श्रधि-नियस, के श्रधीन कर देने के ग्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, निन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरग में, में, उना प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधोन निम्मलिक्षित व्यक्तियों, ग्रयात् :--- 1. श्री पी० सी० लाला

(भ्रन्तरक)

- द प्रेमकुटीर को-ग्राग० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड (श्रन्तरिती)
- 3. में बर्स

(तह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठारेग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के ग्रजन लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त समस्ति के प्रजेंग के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इन पूजना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्तंगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में रानाका होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी वाक्ति द्वारा;
- (ख) इन तुनना के राजान में निज्ञणन की गरीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थानर समाति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रजोहसाक्षरी के पास निखित में निए जा सकेंगे।

स्पढ्टो हरगः ----इनमें प्रगुकत मध्दों शौर पदों का, जो उका अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में गरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्रनुमूची जैसा कि विशेख नं ० 858/71/बस्बई उपरजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 19-11-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० र्दूगटा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई ।

तारीख: 30-6-80

प्रकप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंश-I, बम्बई

बम्बई 1 जुलाई 1980

लिदेग ग० एकार-प्राई/4310-27/नबम्बर 79 -- प्रतः मुझे पी०एस० संगटा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित सम्पत्ति, बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से **ग्र**धिक ग्रीर जिल्ली मं० प्याट नं० 22, 23, 36, 39 है तथा जो क्राबा में स्वित है (ब्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ब्रीर पूर्ण का प वर्णित है), रजिस्ट्रीधर्वा क्राधकारी के अध्यक्तिय बंबई में राजस्ही हरण आधानयम, 1908 (1908 पन 16) ो प्रप्रोत नारीख 28-11-79 विलेख नं० 2838/72/ बंबर्ड को पूर्वीकत सम्पत्ति के उजित बाजार मूख्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मुल्प, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) धीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पागा गया प्रतिकत, निम्नलिखित **उद्देश्**य से उक्त अन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत उक्त धरि-नियम, के अधीन कर देने के अम्तरक के दायिश्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धार पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत:, श्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1)के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—

- 1. प्रदि जे० काटगरा, नरीमन जे० नाटगरा (प्रस्तरका)
- 2. मेसर्स के० एफ० एंटन्प्राइदेश

(ग्रन्ति (रती)

3. मि० मानेक बी० होडियाला, रूप० बी० होडियाला, मिसेस मोता फार्मरोझ होडियाला, यहमी पी० श्राफ

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को पह सूबना बारी करके पुर्वाका सम्याति के प्रार्वेत के लिए कार्यवाहियां करा हूं।

उक्त समात्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रधानन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भी र उक्त स्थानर समाति में हित्बद्ध किसी श्रन्य वानित द्वारा, अधोष्साक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंग।

स्पड्डीकरण: ---इनमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जा उकत अधि-नियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्वो

श्रमुण्यो जैया कि विलेख नंग 2853/72/बबडे उपया लड़ार श्रोधाशारी हारा विनांत 28-11-70 को ए. उटा विवास नया है।

> र्पीठ एसठ स्टेंगटा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजंत रेंज-I, बस्वई

तारीख 1-7-1980 मोहर:

## प्रकर भाई० टी० एन० एस०---

# आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1980

निदेश न्**ं ए प्र**ार-∐/2916-7/दिस∓वर 79-- अतः मुझे, ए० एच० तेजा **ले** 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पंति जिलका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

म्रांर जिसकी सं० 477, हिस्सा नं० 2 मी० टी० एस० नं० 414, प्लाट नं० 3 है तथा जो मालाड (प०) में स्थित है (म्रांर इसमें उपायद्ध प्रनुसूची में म्रांर पूर्ण छा से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनयम, 1908 (1908 पा 16) के म्रिधीन, तारीख 17-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है म्रोर मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत से पिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) मोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रगरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ये हुई डिसी भ्राय की बाबत, उन्त मधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के वापित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त भिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिक्षा के लिए;

अतः प्रव, उकत अधिनियम, की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त धिधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् !--- 1. मैसर्स झवेरी धन्स्ट्रकशन कम्पनी

(भ्रन्तरकः)

- 2. रेखा निकेतन कोम्राप० हाऊर्सिंग सोसाईटी लिमिटेड (भ्रन्तरिती)
- रेखा निकेतन को० भ्रा० हा० सो० लि० के सदस्य (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सस्पत्ति है।)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  ग्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीकत
  स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किशो प्रत्य व्यक्ति हारा, प्रधीतस्ताक्षरी के पास लिखित किए जास होंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रमुक्त एडदों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

श्रनुषुची जैसा कि विलेख नं० एस० 2487/78 बंबई उनरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 17-12-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० एस० तेजाले सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रोंज-II, बम्बर्ष

तारी**ख:** 3-7-1980 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 **घ (1) के धधीन सूचना** 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-III, 3 बम्बई

बम्बर्ड, दिनांकः 7 जुल। ई 1980

निदेश सं० ए०म्रार०-Ш/ए०पी० 348/80-81~⊷म्रतः मुझे पी० एल० रूगेठा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वप्ये से अधिक है और जिसकी संज्ञाट नं 84 (एम० प्राई० डी० सी०) है तथा जो कोंडिविटा म स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याच्य वम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारी खा 6-12-1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यमण्योंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मिक्क है और भन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिकी (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे मन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरक कि खित में बास्तिक क्य से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बावत, इक्त खिन नियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, म, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन निम्तिलिखित व्यक्तियों, अधीतः— 1. श्री कनवरराजकाकः रः श्रीमती सरोज काकर,

(श्रन्तरक)

 रामचन्द्र बी० बेहरे, प्रकाश श्रार० बेहरे, शरद बी० बेहरे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त सम्यत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्रीहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में यका परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन श्रध्याय में दिया गया हैं।

## अनुपूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 877/79/बम्बर्ड उपरजिज्द्रार श्रिधिकारी द्वारा दिनांक 6-12-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० रूंगठा सक्षम प्राधिकारी सहायक <mark>प्रायकर घायुक्त, (निरीक्षण)</mark> प्रजंन रेंज III, बम्बई

तारीख: 7-7-80

प्रका प्राई० शि० एत० एत०-----

शायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 17 मई 1980

मुझे श्रमर सिंह निर्देश सं० श्रो०-14/श्रर्जन─श्रतः बिसेन. म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रपए से ग्रधिक है

न्यू ममफोईंगंज ग्रीर जिसकी मंख्या 477 है तथा जो इलाहबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कामर्यालय इलाहाबाद में राजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूरुय, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के त्रीव ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया भया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उत्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक ये उई कियो याय की बाबत, उस्त श्रध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उसमे बचने में मुविधा के लिए, और/मा ;
  - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृषिधा के लिए;

यत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 289-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, तिम्तनिज्ञित व्यक्तियों, प्रशीत्:---

1. दामोदर लाल गुप्ता

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रोम प्रकाश जायसवाल

(अन्तरिती)

3. श्री दामोदर लाल गुप्ता व ग्रन्य किरायेदारान श्री० वी ॰ के ॰ सिंह रुद्रप्रतापसिंह एस० बी० पान्डेय गिरणापति शुक्ला दिनेश मणि विषाठी शेषमणि विषाठी स्नार० एन० विषाठी (वह भ्यक्ति सिजके बारे मे ग्रधोस्ताक्षरी सम्पत्ति में हितबद्ध

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्फन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत समाति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी अपिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान सम्पति संख्या 477 मय जमीन क्षेत्रफल 22.76 वर्गमीटर स्थित महोहल्ला न्यू मउकोईगज इलाहाबाद का <mark>श्राधा भाग व वह</mark> सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 5356 में किया गया है जिनकी पंजी-करण 12-12-1979 को सब रजिस्टार इलाहाबाद के कार्या-लय में हो भुका है।

> श्रमरसिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी, महायक प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखा 17:5-1979 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के मधीन मूचना भारत सरकार

> कार्यात्र, महायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ लखनऊ, दिनांक 24 मई 1980

निर्देण सं० एच० 33 धर्जन—- ग्रतः मुझे ग्रमरसिंह बिसेन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रोर जिसकी संख्या प्लाट 2 मोतीझींल है तथा जो 2 मोती-भील लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रस्ट्रिकरर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4-12-1979

का 16) के प्रधान, ताराख 4-12-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के
पूर्वमान प्रतिफल के जिल प्रन्तरित की गई है
और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि
प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मूस्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे वृश्यभान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घितक है
और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) गीर धन्तरिती (प्रन्तरित्यों)
के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल
तिम्नलिखन उद्देश्य से उकत पन्तरण निजित में वास्तविक क्य से
कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, अक्त ग्रांकि-नियम के ग्रश्चीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या मन्य मास्तियां की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः भन, उन्त भविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त सिधिनियम की खारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निभनजिखित व्यक्तियों, अधीनः -11—166GI/80

- 1. श्रीमती करतारकौर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरीप्रसाद (ग्रन्तरिती)
- 3. विकेना व मैसर्स भ्रागोकुमार एण्ड कम्पनी (वह यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना नारी करते पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, तो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति में हित- बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पतों का, जो उकत ग्रिधितियम के ग्रध्याय 20-क में परिमाणित है वही प्रयंहोगा जो उस अख्याय में विया गया है।

## ग्रनुसूची

एक किता लीज होल्ड घ्लाट नम्बर 2 तादादो 7300 वर्गिकट वार्को मोतीसील ऐशावाग रोड शहर लखनऊ व वह सारी सम्पत्ति जो सेल डीड व फार्म 37-जो संख्या 6900 में वर्णित है जिसका पंजोकरण सब रिजस्टार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 4-12-1979 को किया जा खुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 24-5-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 मई 1980

निर्देश सं० पी-79/ग्रर्जन—अतः मुझे ग्रमर सिंह बिसेन ग्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से ग्रिविक है

गौर जिसकी संख्या मकसप च भूमि है तथा जो मो० मातबर गन्ज में स्थित है (और इस से उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 22-11-1979 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल के पंजाह प्रतिकात से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रत्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1942 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रवः, उत्तरं अधिनियमं, की धारा 269-गं के भ्रतुसरण में, में, छवतं प्रधिनियमं की धारा 269-घं की उपघारा (1) के अधीन मिम्नलिखितं व्यक्तियों, भ्रथति:——

- श्रीमती हीराखाटिक जवाहिर खटिकव श्रीमतो बुधनी (ग्रन्तरक)
- 2. श्री पंकज श्रीवास्तव, धीरजश्रीवास्तव, श्री सूरज श्रीवास्तव (ग्रन्तरिती)
  - 3 विकेता व बंगगोपाललालवर्मा तेज वहाबुर सिंह (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिश्रितियम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं धर्यं होगा, जो उस ग्राड्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कई मंजिल बाला पोखता मकान क्षेत्रफल 2660 वर्ग पुट स्थित मोहल्ला मातवरगंज शहर ग्राजमगढ़ व वह खारी सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37 जो संख्या 3443 में वर्णित को गयी है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार माजमगढ़ के कार्यालय में दिनांक 22-11-1979 को हो चुका है।

> ग्रमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज लखनऊ

तारीख: 24-5-1980

मोहरः

प्ररूप आई ° टी ° एन ° एस ° ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भा**रत** सरका**र** 

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज एच ब्लाक विकास भवन म्नाई स्टेट, दिल्ली दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० एक्यू० / एस० भ्रार० / III 11-79/617—यतः मुझे, म्रार० बी० एल० भ्रप्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा० से अधिक हैं भीर जिसकी संख्या है जो में स्थित है (भीर इससे उपायस मन्सूची में और पूर्ण रूप से धणित हैं), रजिस्ट्रीकरी मिंधिकारी के कार्याक्षय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मिंधिकारी के कार्याक्षय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मिंधिकारी के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने

का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पति का उचित बाजार मूल्य,

उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया ग्या है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुनिधा का लिए; और√या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

1. सरदार विक्रम सिंह गुलेरिया 4/5, कालकाजी एक्सटेनशन, न्यू देहली-19 (भ्रन्तरक)

2. डा० कमलेश कुमारी गृहा पत्नी श्री ए० कुमार डी/ 164 (ए) हौज खास, न्यू देहली (प्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### **भनसची**

प्रोपर्टी नं० 4/5 कालका जी न्यू देहली -19

ग्रार० बी० एल० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

तारीख: 23-6-1980

मोहरः

अक्षप भाई० टी० ग्न• एस•----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, एच० ब्लाक विकाण भवन धाई० वी० स्टेट, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० | एस० ग्राई० III 11-79 | 627 — ग्रतः मुझे ग्रार० बी० एल० भ्रग्रवाल भायकर वाधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त भाधानयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि हथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000 /- रुपए म भाधक है,

भ्रौर जिसकी संख्या एस०-321 है तथा जो ग्रेटर कैंगाल II न्यू देहली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय न्यू देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1979

की विकास के ति के अधान तिराख नवस्वर 1979
की विकास के ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिकल के लिए घम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने
का करण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जांचत बाजार मूल्य,
असके दृष्यमान प्रतिकल से, एसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है पौर घम्तरक (अन्तरकों) और घम्तरिती
(मन्तरित्वा) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त गम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उनत प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रश्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भारितयों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाह्रिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के संधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—~

- श्री ग्रमण कुमार, 48/8 माथुर लैन, 24 दरया गंज, न्यू वहली-110002 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरदीप सिंह, ए०-30डी, डी० डी० ए० फलैंट मूनीरखा, न्यू देहली (श्रन्तरिती)

को यह सूजना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां चरता हूं।

उक्त सन्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी भविष्ठि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतरपूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति है। ;
- (ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की भारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वश्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में हिए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: —इसर्ने प्रयुक्त गब्दों और पद्दों का, जो उक्त श्रिवियम के अध्याय १०क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस शब्दान में दिया गना है।

## अनुसूची

प्लाट गं० एस० 321 क्षत्रफल 300 वर्ग गज स्थित है ग्रेटर कैलाश-II न्यू देहली ।

ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखा 23-6-1980 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

एच० ब्लाक विकास भवन श्राई० बी० स्टेट, दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० (एस० ग्रार० धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है और जिसकी ग्रौर जिसकी संख्या बी०-27 है तथा जो क्षिलमिल ताडिलर पुर, उद्योगिक क्षेत्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध जी०टी० रोड, से विणित शाहदरा देहली-23 में स्थित है (ग्रीर उपाबद्ध अनुसूचि में पहले पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जी० टी० रोड, शाहदरा देहली-32 न्य देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख नवस्वर 1979 को पूर्वीक्त के उचित बाजार मूल्य से कम से क दृश्यमान प्रतिफल के लिए को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के दुरवमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है प्रौर श्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतारण के निए तम साया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित **उद्दे**ण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, म्रवः, उका प्रधितियम की धारा 269-ग के मृतु-सरण में, में, उकत म्रधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अथोा निम्नतिशि व्यक्तियों प्रयत्ति:—

- 1. मेर्सस तनेजा इन्जिनियर्स वर्कस बी०-27, झिलमिल ताहिरपुर उद्योगिक क्षेत्र, जी० टी० रोड गाहदरा देहली -32 (म्रन्तरक)
- 2. श्री माधो प्रसाद मिस्टर किशन प्रशाद ग्रीर सुदेश प्रशाद पुत्र श्री सीग्रो प्रसाद 356 नया बांस देहली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितझद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

केबटरी बिल्डिंग नं० बी०-27, झिलमिल ताहिरपुर उद्योगिक क्षेंझ, जी०टी० रोड, शाहबरा देहली-32 जिसका की क्षेत्रफल 1260 वर्ग गज है।

> श्रार० बी० एस० ग्रग्रवाल सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-6-1980

प्ररूप आहु ० टी ० एन ० एस ० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I
एच० ब्लाक, विकास भवन आई० पी० स्टेट
नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए सी०/एक्यू०/I/एस० ग्रार०-III/
11-79/1657—ग्रतः, मुझे, ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बह निरुवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या एम०-3 होजलास है तथा जो इनकलैंथ न्यू देहली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, न्यू देहली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिवाँ को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के मुधीन निम्नृतिष्वित व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. श्री सतीश भटनागर, श्रीमती श्राशा केंरों श्रीर मिस सरोज भटनागर लड़का व लड़की के स्वर्गीय श्री भगवान स्थरूप, निवासी-एम० 3, होजखास इनकलैंब, न्यू देहली। (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स प्रमरीक इस्टेट प्राईवेट लिमिटेड, ए-3 कैलाश नगर, कैलाश कलोनी, न्यू देहली द्वारा श्री बलवीर सिंह। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अूर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बुध होगा ज़ो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

#### जनसचीं

एक मंजिल मकात नं॰ एम॰ 3, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज स्थित है, होज खास इनकलैंब, न्यू देहली ।

> श्रार० बी० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-6-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I एच० ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० स्टेट नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

निर्देग सं० भाई० ए० सी० एक्यू०-I/एस० भार०-III 11-79/719—भातः, मुझे, भार० बी० एल० भ्रम्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

जिसकी संख्या एस० 192 है तथा जो ग्रेटर कैशाल पार्ट-II नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), .रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कर्रण है कि सथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलिहत में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- 1. श्री बलराम यादव, राजेण यादव दोनों निवासी 13/2, शक्ति नगर, देहली। (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स डिलाईट बिल्डर्स,  $\nabla -2/140$ , सफदरजंग इनकलेब, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया हुँ।

### अनुसूची

प्लाट नं० एस०-192, ग्रेटर कैलाण पार्ट-II, नई दिल्ली क्षेत्रफल 300 वर्ग गज।

> श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-6-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-ग्र

एच० ब्लाक विकास भवन, आई पी० स्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०-I एस० झार०-JIJ 11-79/664---ग्रतः, मुझे, झार० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख 25,000/-रः. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या कृषि जमीन है तथा जो 16 विधा, 16 विसवा साथ फार्म मकान गांव गांदीपुर तहसील न्यू देहली में स्थित है (स्रौर इससे उपायद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महरोली न्यू देहली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख नवस्थर 1979

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख नवस्थर 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क्रे, अनुसरण गें, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निशिख्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती हरहाईनस---राजमाता कृशना कुमारी विधवा स्वर्गीय हाईनस महाराजा श्री रनबंतसिंह जोधपुर द्वारा/उभकी मृखसीयार चन्द्रेश कुमार पत्नी तिखा ओदित्या देवचन्द कटोच I, एस०-43 ग्रेटर केलाश, न्यू देहली ।

(अन्तरक)

2. मेसर्ज प्रलका इम्पेक्स, प्राईवेट लिमिटेड-बी-92, हिमालया हाऊस, 23 कस्तूरवा गान्धी मार्गे, न्यू वेहली। (प्रन्तरिता)

को यह सूचना जारों करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

म्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>3</sup>।

# अमुसुची

कृषि जमीन क्षेत्रफल 16 विषा 16 विसवा खसरा नं० 469 (4-16), 470 (9-16) 468/1 (2-8), 409 (4-116) साथ फार्म हाऊस स्थित गैदापुर तहणील महरौली, न्यू देहली।

> श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-6-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज रजक क्लाक, विकास भवन, ग्राईक पीक स्टेट

एच० ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० स्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०एक्यू०/1/एस० आर०-III/ 11-79/683---- ग्रतः मुझे, ग्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक ग्रौर जिसकी संख्या दुकान नं० 9 है तथा जो डी० एल० एफ० कोर्माशयल कम्पलेक्स ग्रेटर कैलाश न्यू देहली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, न्यू देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए भग्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूहर, उसके धृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त ध्रन्तरण कि बित में वास्त्रविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में नुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत् निक्तलिखित अपक्तियों, अभीत् :---12—166GI/80

- 1. मेसर्स-सत्यापाल एंड आदर्स जी०-12, साऊथ एक्स-टेनशन, न्यू बेहली । (भ्रन्तरक)
- 2. मैं मर्स डीजाईन पार्टनरिष्य, 129, सुन्दर नगर, न्यू देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जी भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य भ्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरदद्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त भन्दों भीर पर्दो का, जो उक्त श्रिधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

दुकान नं० 9, डी० एल० एफ० कोमणियल कम्पलेक्स ग्रेटर कैलाश-II. न्यू देहली, क्षेत्रफल 579.82 वर्गफुट ।

> म्राप्त बीठ एल**ः म्रायाल** सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) मूर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-6-1980

## प्ररूप भाई o टी o एन o एस o----

भ्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-I

एच० ब्लाक विकास भवन इन्द्र प्रस्त भवन नई दिल्लो, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एकपू०/1/एस० आर०111/11-79 666---अत: मुझ, आर० बो० एल० अप्रवास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रीर िसकं संख्या एम० 28 है तथा जो गरेटर केलाण-1, त्यू देहल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचं। में पूर्ण रूप से विणत है), रिक्ट्रं रुत्ती श्रिधि हरें। के कार्यालय, त्यू देहलं: में भारतीय रिस्ट्रं करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तार ख 22-11-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भिध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में ,सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय अग्यकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीतः —

- 1. श्रांमता मनोरमा मेहता पत्नी श्रां ए० बी० मेहता 61 सागुल, कारमाचल रोड बम्बई श्रीर डोली मिश्रा पत्नी श्रा एम० के० मिश्रा, 19, बेलीगंज, सरकुलर रोड, कलकत्ता (ग्रन्तरक)
- मर्सस भारत पेट्रोलियम कारपोरोसन लिमिटेले, 28, कस्तूबा गान्धी मार्गे न्यू देहलें। (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त गड्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथें होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

ईमारत जो एरम० सं१० डां० नं० 28 ब्लाक एम फो होलड पर बनो हुई है जमोन का क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है। जो कि रिहायशो कलोना ग्रेटर कैलाण में स्थित है। निम्न लिखिस से घरा हुई है।

पूर्व--ण्लाट नं० एम० 30 पश्चिम--ण्लाट नं० एम० 26 दक्षिण--सर्वीम लाईन उत्तर--रोड

> ग्रार० वार्य एल**० ग्र**प्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्र <sup>I</sup> दिल्ला, नई दिल्लां-110002।

नारां**ख** : 23-6-1980

मोहर

प्ररूप आई• टी॰ एन॰ एस॰—

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन मुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्षर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज

एच० ब्लाक, निविकास भवन ग्राई० पी० स्टेट नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सं:० /एक्यू०/I/एस० ग्रार० बायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (तिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 2.89- व कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ४० मे अधिक है भ्रौर भौर जिसकी संख्या एम० 411 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-II न्यू देहलो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, न्यू देहली में भारतीय रजिद्दीकरण श्रिधिनियम, 1909 (1908 का 16) के मधोन तारीख नवम्बर 1979 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गरा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देगे के मन्तरक के वायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में मुखिझा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रश्नितियम, 1922 (1922 का 11) या खक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविका के निए;

अतः अन्, उन्त प्रवित्यम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री: हरवंश लाल कवाटरा समुत्र श्री संत राम, एम-177 ग्रेटर कैलाग, न्यू बेहला (प्रतारात)
- 2. श्री करतार सिंह सुपुत श्री निहाल सिंह मारफत मैसर्स बिरमानी एण्ड एसोसियेट, ई०-I कनन्ट पर्लैस, न्यू देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत नंपति के प्रवंत के संकंध में कोई भी भाषीप।---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारील से 45 दिन की सबिधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत क्यान्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की नारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारी, प्रधोहरू कारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उसन प्रधिनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ब्रह्माय में दिया गया है।

## प्रमुख्यो

पलाट अं० 411 ब्लाक एस० क्षेत्रफल 300 वर्गगज रिहायसो कलोनो जानो जातो है ग्रेटर कैलामा स्थित है गांवे वहापुर, न्यू देहलो जो कि चारो श्रोर से घरो हुई है।

पूर्व---सड़क पश्चिम---सरिवस लाईन उत्तर---प्लाट नं० एस०-409 दक्षिण---प्लाट नं० एस०-413

> म्रार० बी० एल० म्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, विल्लो, नई दिल्लो

तारीख: 23-6-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

श्तायां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I

एच० ब्लाक बिकाश भवन श्राई० पी० स्टेट नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सं:० /एम्यू०I/एस० म्रार० 11-79/691—-म्रतः मुझे म्रार० बो० एन० म्रप्रवाल

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रह. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या सी० 196 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-I न्यू बेहली में स्थित है (भीर इमने उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधकारी के कार्यालय, न्यू बेहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-11-1979

को प्रयोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्व प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों सर्थात्:— 1. श्री ग्रमरजात सिंह सिन्धू बल्द बानन सिंह थर हिज भ्रटोरनी) श्री हरदयाल सिंह बल्द श्री बानन सिंह निवासी नं० 2 लेबल-स्टोरी, राजेन्द्र नगर, न्यू देहली (ग्रन्तरक)

2. श्रो अरिवन्द लूथरा बल्द लेफटीनेन्ट कर्नल श्रो टो॰ एन॰ लूथर निवासी, सी /19-सी,ग्रेटर कैलाण न्यू देहलो । (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

रपष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहां वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ण्लाट 200 वर्ग गज (250.83 वर्ग मीटर) पर 21/2 मंजिल विलर्डिंग नं० सीं० 196 स्थित ग्रेटर कैलाश भाग न्यू देहली जो चारो तरफ से घिरी हुई है।

पूर्व--रोड पश्चिम--सर्विस लैन उत्तर--मकान नं० सी-198 दक्षिण--प्लाट नं० सी-194

> भ्रार० बी० एल० भ्रम्यवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख 23-6-1980 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I

एच० ब्लाक विकाश भवन, आई० पो० स्टेट

नई दिल्लो-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/ एस० ग्रार०-III/
11-79/685—-ग्रतः मुझे श्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी संख्या बी० 168 है तथा जो ईस्ट श्रोफ कैलाश में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है). रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-11-1979

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रों कुन्दन मेहला बीं०-168, ईस्ट श्रोफ कैलाश न्यू देहलो। (श्रन्तरक)
- 2. डा॰ ए॰ जो॰ एन॰ कुरेबा, सुमन कुरेबा मास्टर सागर कुरेबा, निवासी 168, बी, ईस्ट ग्रोफ कैलाण, न्यू देहली (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० बी०-168, ईस्ट श्रोफ कैलाश, न्यू देहली क्षेत्रफल 400 वर्ग गज ।

> श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

नारीख: 23-6-1980

प्रकप आईं टी • एत • एस • •---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I} एच० ब्लाक, विकास सबन ग्राई० पो० स्टेट दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एसयू०-1/एस० ग्रार० III/11-79/645—श्रतः, मुझे, श्रार० बी० एत० श्रप्रवाल, आयकर प्रधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्रधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या ई-484 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-II न्यू देहली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवभ्बर 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच एसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल. निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) स्थारण से हुई किया प्राय की नावत, उन्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के सम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आमा चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः सब, उक्त भश्चितियम की घारा 269-ग के मनुसरण कें; मैं उक्त अश्वितियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्रोमती विमला सुद पत्नो श्री सी० पी० सुद,
   १८ कप नगर देहलो (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरमीन्द्र सिंह सपुत्र सरवार सोना सिंह मार्फत पाल एमोसियेट जि-48 श्रिन पार्क न्यु देहली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बनत सन्दत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी साक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है कि सी अविध अविध अविध अविकार स्थापत होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबदा किमी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरूताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वशिकरण:--इसमें प्रयुक्त प्रक्तों और पशें का, जो उक्त प्रधिनियम के अख्याय 20-क में परिभाषितः है, कहीं मधं होगा जो उन सध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रोपर्टी नं० ई०-484 ग्रेटर, कैलाण न्यू देहली क्षेत्रफल 459 वर्ग मीटर ।

> भ्रार० यो'० एल० भ्रप्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-6-1980

प्रकृष बाई • टो • स्न • एस • ---

आय मर ग्राविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन श्रुवता भारत सरकार

कार्याचय, पहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एच० ब्लाक, विकास भवन श्राई०पी० स्टेट दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 110002, दिनांक 23 जुन 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/ए/स०ग्रार० III/ 11-79/622--- ग्रतः, मृक्षे, श्रार्० बी० एल० भ्रग्रवाल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके परकात 'उन! अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/∙ र∙ से अधिक है जिस्तकी संख्या बी० 260 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-Iन्यू देहमी में स्थित है (भ्रौर इससे उवाबद्ध भ्रनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के जिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है पीर अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरिवियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिये वय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिकित उद्देश्य से उन्त अन्तरक लिखित मिं

(क) अन्तरग से हुई किसी आप को बाबत **उक्त** प्रधिनियम के **प्रधीन कर देने के प्र**न्तरक के बायिश्व में कमी करने या **उत्तरे बजने में सुविधा** के किए; प्रौर/या

वास्तविक कर से कथित नहीं किया वया है :---

(च) ऐसी किसी याय या किसी घन या ग्रम्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्ठितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठितयम, या घन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धन, उनत पश्चितियम की धारा 269-ग के मनुसरण में. में, उनत मधितियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- 1. श्री मोहम्मद यूसक द्रम्बों मोहम्मद ईक्बाल ग्रीर श्रीमती पोसा बेगम तमाम निवासी 6 राजबाग श्री नगर कशमीर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विशम्बर नाथ कोचर श्रीर श्रीमती ईडना कोचर निवासी-ई-104 ममजीद मोठ न्यू देहली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धार्जन केलिए कार्पमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दिन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रविद्योक्तरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उन्ध अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमावित [है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

खाली प्लोट नं० बी०-260 स्थित है ग्रेटर कैलाश-I न्यु देहली क्षेत्रफल 260 वर्ग मीटर ।

> स्रार० बी० एल० स्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-6-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I

एच० ब्लाक विकास आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० भ्रार०III 11-79/639—-श्रतः मुझे आर० बी० एल० अप्रवाल आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या ई 28 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II न्यू देहली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्टिनियम के श्रायीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- श्रीमती हरवंश कौर पूरी पत्नी एस० लखीन्द्रसिंह पुरी-सी० 139 डीफैन्स कालोनी, न्यू देहली (श्रन्तरक)
- 2. श्री राजीन्द्र नाथ कालिया 2529 चमनबारा, तिलक बाजार देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्मित में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

2 1/2 मंजिल ईमारत फि होल्ड प्लोर पर बनी हुई है जिसका की क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है जिसका नं० ई०-28 ग्रेटर कैलाश पार्ट-II न्यू देहली है।

> स्रार्०बी० एन० स्रप्नवान सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्गेन रेंज, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-6-1980

## प्रइप प्राई० टी० एन० एस०-

आयक्तर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 एच० ब्लाक विकास भवन, ग्राई० पी० स्टेट नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी० एक्यू० /I/ एस० ब्रार०III/ 11-79/662--- श्रतः मुझे आर० बी० एल० श्रग्नवाल मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिनना उचित बाजार मुल्य रुपए से श्रिधिक है श्रीर जिसकी संख्या कृषिभूमि क्षेत्रफल 3 बिधा, है तथा जो गांव सुलततान पुर तहसील में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय महरोली, न्यू देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) न्यू देहली महरोली, न्यू देहली में तारीख नवम्बर 1979 को पूर्वोच्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्यापूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकतका पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं। भीर पन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

- (क्) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रोर∤या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रत:, श्रव, एक्न प्रधिनियम को धारा 269-ग के धनुसरण में, 13--166 GI/80

भैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ को उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्: ---

- 1. श्री दलशीर सिंह सुपुत्र एस० चरन सिंह निवासी नेशनल पॉलटरी फार्म, गांव सुलतान पुर, तहसील महरोली न्यु देहती (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुलोबना देवी पत्नी राम नरायन श्रीर श्रीमती सलोचना देवी पत्नी बनारसी राम 4501/14 गली भगत सिंह शहीद, पहाड गंज न्यू देहली-55 । (श्रन्तरिती)

को यहबुदनाजारी हरके पूर्वोक्त सम्रत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की तामीज से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड कियो भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास शिकि ह से किये जा सर्केंगे।

स्वश्री हरतः -- इनमें प्रयुक्त गण्दों भीर पदों का, बो उनत अधि -नियम के अध्याय 20-रु में परिभाषित हैं, नहीं श्रर्थ होगा, नो उस श्रध्याय में दिया नया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 3 बिधा **ख**सरा मं $\circ$  238/2 (2बीघा) 238/3/1 (6 विसवा), 238/3/3 (7 बीघा) 238/3/2 (7 विसवा) गांव स्वतान पूरी, तहसील महरौली, न्यु देहली।

> ग्रार० बी० एस० ग्रायाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-6-1980

प्ररूप आहुं. टी. एन, एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) व्ये अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायां लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रजंन रेंज-I एच० ब्लाक,

विकास भवन ब्राई० पी० स्टेट तई दिल्ली

नई विरुली-110002, विनांक 23 जून 1980 निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०1/एस० भार० III/ 11-79/628---भत: मुझे भार० बी० एल० भ्राप्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका जांचत बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या एम०-119 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I न्यू देहली में स्थित है (श्रीर इससे उगाबद श्रन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, न्यू देहली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-11-1979

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृभ्ने यह विध्वात करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिश्वत व्यक्तियों अधीतः—

 श्री छा० दणरथ घोहजा सुपुत्र श्री राम दास ग्रोइजा निवासी 2-रामिकशोर रोड सिविल लाईन देहली (ग्रन्सरक)

(2) श्री इन्टरनैशनल सोसाईटी फार क्रुब्ना कोनसीयसनस, फिरोज गान्धी रोड, लाजपत नगर-IIIन्यू देहली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यब्दीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मम्**भूषो

प्रोपर्टी नं० एम० 119 ग्रेटर केलाश-I न्यू देहली क्षेत्रफल 516 वर्गगज जो कि घिरी हुई है चारों मोर से 1

> ग्रार० बी० एस० ग्रग्नवास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-दिल्सी नई दिल्ली 110002

तारीख: 23-6-80

प्रकथ भाई । टी । एन । प्स ----

सायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के मधीन सूचना

मारव सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II,

एच० ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० स्टेट नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II एस०/आर० /11-79/ 5964/—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० आलखः, ध्री ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या 51 है तथा जो राजपुर रोड, सिवलि लाईन दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उनाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1979

की 16) के अधान दिनाक नवस्वर 1979
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उरके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर धन्तरण लिखित में
बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्वरण से हुई किसी माय की बाबत, उकत स्रिधियम के भ्रजीन कर वेने के अस्तरह के बावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; और/या
- (ब) ऐसी किसी अध्य या किसी धन या अस्य आस्तियों की, (अपने भारतीय मा कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या क्त प्रकिनियम, या धन-कर ग्रीधिनित्रम, 1957 (1957 त 27) के श्योजनार्थ अस्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने मं सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मुशिक्त व्यक्तिस्शों अधीतः—

- 1. श्रीमती कैलाम बती श्री गोकल चंद खन्ना, राजन चंद बन्ना प्रवीप कुमार खन्ना, प्रगोक कुमार खन्ना प्राल निवासी 17 श्रवीपुर रोड सिक्नल लाईन दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री स्रोम प्रकाश माया देवी, सुभाष घं'द्र श्रीमति किरन कुमारी, श्रीमती श्राशा रानी, श्रीमती राम चम्बेली निवासी 42 टैगोर, पार्क माइल टाऊन दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 51 राजपुर रोड सिविल लाईन दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेंत्रफल 4133.33 वग मीटर है। श्रीमित एस० के० ग्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज II, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 10-6-1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

बाय्कर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) में स्थीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भागकर भागवत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1980

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 78, शीट नं० 130 है तथा जो पाटन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-11-79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त भृन्तुरण लिखित में वास्तिविक क्य से किचत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्यन में सृष्या के लिए; और्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए;

बतः वधः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>5</sup>, उक्क अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीनः, निस्नुशिवित व्यापितयों जुधातः—

- (1) ठाकोर चतुरजी नायाजी म्राबुवाल्यनु डेहुलु, पी० के० मुला हाईस्कूल के पास, स्टेशन रोड, पाटन, (भ्रन्तरक)
- (2) श्री प्रभुख, देवपुरीनगर को० श्रोप० उसींग सोसायटी पाप्न (ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास मिखित में किए जा सकागे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

3 ग्रविचलित संपत्ति, कर ग्रीर 21 गुथा खुली जमीन, जिसका सर्वे नं० 78 है। सब रजिस्ट्रार कार्यालय पाटना में रजिस्ट्री की गई है ग्रीर जिसका रजिस्टर्ड नं० 2573 है।

> एस० एन० माण्डल सहायक --ावकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, श्रह्णमदादाद

ता**रीख**: 6-3-1980

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रकंन रेंज 411004

पूना 411004, दिनांग 30 जून 1980

निर्देश सी० ए० 5 /ठाने नवम्बर 1979-80—-ग्रतः मुझे ए० सी० चन्द्रा,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० ठाने टिका नं० 16 सी० टी० एस नं० 50 है तथा जो नवराडा, ठाने में स्थित है (ग्रीर इससे उराबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूम से वर्णित है, रिजस्ट्रीकृत प्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक ठाने में, रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण जिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. श्री परशराम वामोदर वैध तलाव पाल्ली, जांबली नाका, ठाने 1 इल्दी मुक्काम 2001, सदाशिव पेठ, पुने 30 (गन्तरक)
- श्री जगन्नाय धोंडू जाधवडां० श्राबेडकर चौक, शिवाजी पेठ ठाने (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकांगे।

स्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जो स० नं० 50 टिका नं० 16 नवपाडा गांव, ठाने म्युनिसपल एरिया में स्थित है। श्रौर जिसका क्षेत्र-फल 760.87 चौरस मीटर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलख क० 65 ता नवम्बर 1979 को दुख्यम निबंधक के दफ्तर में लिखा है।)

> ए० सी० चंद्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीख: 30-6-1980

मोहर 🕾

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ---

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचिनन-15

कोच्चिन-15, दिनांक 14 जुलाई 1980

निदेश सं० एल०सी० 416/80-81—यतः, मु**त्ते**, वी० मोहनलाल.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

प्रौर जिसकी सं० प्रनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीहरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अभ्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उन्धारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

(1) श्री जगमोहन दास

(भन्तरक)

(2) श्रीके वी० मात्यु

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं**45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्णिक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में गरिभाषित ह<sup>0</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>0</sup>।

# अनुसूची

23.529 cents of land as per schedule attached to doc. No.  $3608\,/\!79.$ 

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 14-7-1980

प्रका आई०टो०एन०एस०---

**भायकर प्रक्षिनियम,** 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त [(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 जुलाई, 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/746—यतंः, मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 110 है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मासित उद्देश्य से उक्त धम्तरण लिखित में बास्तविक कप से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) खन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त भवि-नियम के भवीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या धनकर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के निम्मिक्षित व्यक्तियों, धर्षात्:—

- 1. श्री पुखराज पुत्र मिश्रीमल (ग्रटार्नी होल्डर) श्रीमिति सम्पत कंवर 10वीं वैंकेट विद्या स्ट्रीट, मद्रास (ग्रन्तरक)
- 2. श्रा एस० धनराज पुत्र धम्पालाल शाह द्वारा धम्पा लाल एण्ड कम्पनी चम्पावली, प्रथम मंजिल विठल वाडी, बम्बई-2

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 110, बखत सागर स्कीम, जौधपुर पर स्थित एक मंजिला भवन जो उपपंजियक, जौधपुर के ऋम संख्या 1734 दिनांक 16-10-79 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, जयपूर

तारीख: ८ जुलाई, 1980

## संघ लोक सेवा झायोग

#### नोटिस

सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1980

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1980

स० एफ० 9/8/79-प र्रिष्ट्र) — भारत के राजपत विकाक 26 जुलाई, 1980 में गृह मंत्रालय (कार्मिक एक प्रशासनिक मुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुभार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के अनुभाग अधिकारी ग्रेड तथा आशुलिपिक ग्रेड र्रियेड ख की चयन सुचियों में सम्मितित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, गंगतोक, मद्रास, नागपुर, तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशकों में 17 दिसम्बर, 1980 से एक सम्मिलत सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी । आयोग, यदि चाहे, तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों की परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सुचित किया जाएगा । (देखिए अनुवन्ध र परेरा 8)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर जिन सेवाफों में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाफ्रों में उपलब्ध रिक्तियों की प्रमुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है:

वर्ग I

केन्द्रीय सचिवालय सेघा काश्रनुभाग ग्राधिकारी श्रेड I

वर्ग 11\*

भ्रनुभाग प्रधिकारी, ग्रेड (भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग का समेकित ग्रेड-II श्रीर III) .

15 (भनुसूचित जाति के लिए 2 पद भीर भनुसूचित जगजाति के लिए 1 पद भारक्षित)

### वर्ग III

रेल डोर्ड सचिवालय सेवा का धनुभाग श्रिश्रकारीग्रेड . . \*\*2 (धनुसूचित जनजाति के लिए 1 पद भारकित) ।

वर्ग IV

केन्द्रीय सचिवालय ग्राशुलिपिक सेवा का ग्रेडख . .

वर्गV

भारतीय विदेश सेवा, शास्त्रा 'खं' के स्नाशिक्षिक उपसंदर्गका ग्रेड I .

धर्ग VI

सशस्त्र सेना मुख्यालय भाग्नालिपिक सेवाकाग्रेडख

वर्ग VIII

प्रासूचना ब्य्रो का ग्रमुभाग प्रधिकारी ग्रेड (प्रमुख्यान जनजाति के उम्मीदवारों के लिए 1 प्रारक्षित

उम्मीदवारों के लिए 1 आर्थित है) : . . 4 (1 पव अनुसूचित जन जाति के लिए आर्थित है।

## उपर्युक्त संख्याकों में परिवर्तन किया जासकताहै।

- \*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई।
- \*\*अनुसूचित जातियों तथा श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए श्रारक्षित रिक्तियों की संख्या, सरकार द्वारा निर्धारिस की जाएगी।
- 3. जो उम्मीवनार उक्त सेवाग्नों (द्रब्टट्य नियम 3) के दो वर्गों के लिए पात हैं भीर दोनों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेना चाहता है; अह केवल एक ही ग्रावेटन पत्न भेजें। उसे भ्रनुबन्ध में उल्लिखित शुक्क एक धार ही देना होगा तथा स्नावेदन किए गए प्रत्येक वर्ग के लिए प्रकृशहक देने की ग्रावश्यकता नहीं है।

ह्यान दें:— उम्मीदवारों को अपने आविदन पत्नों में उस वर्ग जिस वर्गों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वे प्रतियोगिता में भाग ने रहे हैं। दो वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग नेने वाले उम्मीदवारों को अपने प्रावेदन पत्न में वरीयता कम से दोनों वर्गों का उल्लेख करना चाहिए । दो वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग नेने वाले उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्न में उल्लिखित मूलतः वर्गों के वरीयता कम में परिप्ततंन करने का अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा, जब तक कि इस आगय का अनुरोध संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होने के 30 दिनों के भीतर प्राप्त नहीं हो जाता ।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीववारों को निर्धारित झावेदन प्रपत्न पर सिवय, संघ लोक सेवा धायोग, घौरपुर हाउस, नई दिल्ली110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित झावेदन प्रपत्न तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो स्पण् देकर धायोग से डाक हारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सिवय, संघ लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 को मनीझाईर द्वारा या सिवय, संघ लोक सेवा धायोग को नई विल्ली जनरल डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्त्य धार्डर हारा भेजी जानी चाहिए। मनीझाईर/पोस्टल झाईर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये धावेधन प्रपत्न झायोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो स्पष्ट की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी

नोट: --- उम्मीटवारों को चेताबनी दी जाती है कि वे धपने ब्रावेदन पस्न सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित मुदित प्रपन्न में हो प्रस्तुत करें। सम्मिलित सीमित प्रतियोगिता परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित ब्रावेदन प्रपन्नों से इतर प्रपन्नों परुपस्तुत ब्रावेदन पत्नों परिवचार नही किया आ एगा।

5. शरा हुआ आवेदन पश्च आवश्यक प्रलेखों के साथ सिंघक, संव लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास
15 सितम्बर, 1980 (15 सितम्बर, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप. असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजीरम, मिणपुर, नागालैण्ड, सिपुरा, मिकिम और जम्मू तथा कण्मीर राज्य के लहाक छिवीजन में रहने वाले उम्मीदवार 29 सिसम्बर, 1980 तक या उससे पूर्व डाक बारा भेज दे या काउंटर पर स्वयं जमा करादे। निर्मारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

बिदेशों में, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेधालय, अर्वणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, लिपुरा, सिक्किम और जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 15 सितम्बर, 1980 में पहने की किसी तारीख से बिदेशों में, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समृह, लक्षत्वीप, असम, मेधालय,

स्रक्णाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नानलेंग्ड, क्षिपुरा, सिकिम और जम्मू तथा कपमीर राज्य के लहाल डिवीजन में, रह रहा था ।

6. परीक्षा में प्रयेण चाहने वाले अम्मीदशारो को भरे ए प्रावेदन पत्न के माथ आयोग को र० 28.00 (अनुसूचित जातियाँ खीर अनुसूचित जनजातियाँ के मामले में ग० 7.00) का मुल्क भेजना होगा
जो कि मचित्र संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली के प्रधान आक्षर पर
देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्थर या मचित्र, संघ लोक सेवा अयोग
को नई दिल्ली स्थित स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य माखा पर देय
रटेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी माखा से जारी किए गए रेखांकित
बैंक ट्राफ्ट के रूप सेंहो ।

विदेश में रदने नाले उम्मीदवार को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदून या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051—लोक सेवा प्रायोग परीक्षा गुल्क" के लेखा भीर्ष में जमा हो जात श्रीर श्रायदनपद्ध के साथ उसकी रसीद क्षगाकर भेजनी चाहिए ।

जिन आवेदन पक्षों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी अन्हें कदम अस्वी-कार कर दिया जाएगा ।

- 7. यदि कोई उम्मीदवार, सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1979 में बैठा हो भीर दग परीक्षा में पर्यण पाने के लिए भावेदन करना चाहता हो तो उसे 1979 की परीक्षा के परिणामों की प्रतिक्षा किए बिना ही क्याना ब्रावेदन पत्न अवण्य मेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि 1979 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर उसका नाम चयन मुनी में सम्मिलत करने हेतु अनुणीगत कर दिया जाता है तो उसके भनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी भीर उसकी मुल्क जौटा विया जाएगा । अगतें कि उम्मीदवारी रह कराने भीर णुरुक को धापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1979 की परीक्षा के श्रान्तम परिणामों भी घोषणा के एक मास के श्रान्दर प्रस्तृत कर दिया जाए।
- 8: जिस उम्मीदशर ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे धायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो हो उसे क 15.00 (अनुसूचित जातियों ग्रीर धनुसूचित जन जातियों के मामले में ए० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्यक्त उपबन्धित व्यवस्थाको छोड़ कर धन्य किसी भी स्थिति में धायोग को भूगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा धौर न ही शुक्क को किसी धन्य परीक्षा या चयन के लिए धारिक्षित रखाजा सकेगा।

- 9. उम्मीदवार को अपना आवेदन पत्र प्रस्तुन कर देने के बाद उम्मीद-वारी वापस लेने से सम्बद्ध उसके किसी भी अनुरोध की किसी भी परि-मियान में स्वीकार नहीं किया जाएगा ।
- 10. नियमानली के परिणिष्ट I में उहिलाखित परीक्षा की योजना में बताए गए सामान्य शक्ष्मयन के प्रश्त पत्न में वस्तुपरक प्रकार के प्रथन होंगे। वस्तुपरक परीक्षण के विवरण और नमृते के प्रश्तों के लिए अनुबन्ध II पर "उम्मीदवारों के मूखनार्थ विवरणिका" का सन्दर्भ दिया जाए।

धार० एस० घ्रहसुवालिया उप सचित्र संघ लोक सेवा धायोग

# ग्रनुबन्ध-I उम्मीदवारों को ग्रनदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे श्रावेदन प्रपन्न भरने में पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख ने कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी है या नहीं । निर्धारित णती में छूट नहीं दी जा सकती है ।

श्रावेदन पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिम के पैरा 1 में विए गए केन्द्रों में रो किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, श्रान्तम रूप से खुन लेना खाहिए । सामान्यतः खुने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी श्रनुरोध पर विचार निहीं किया जाएगा ।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विदेश म्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तो उमे अपनी पसन्द के त्रमान्मार दो अत्य म रही मिशन ( घह स्वयं जिस देश में हैं/ उससे भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी बैकित्पक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए, । उम्मीदवार की, आयीग यदि चाहें तो, उसके द्वारा उस्लिखित तीन । मशनों में से किसी एक में परीक्षा में बैठने के लिए कह सकता है।

2. उम्मीववारों को भाषेदन प्रपत्न तथा पावती कार्ड भ्रपने हाथ से ही भरते चाहिए। प्रधूरा या गलन भरा हुआ आयेदन पत्र, सम्भव है, अस्त्रीकार कर विया जाएं।

उम्मीदवार को अपना आवेदन पत सम्बद्ध विभाग या कार्यात्य के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो संगत प्रविष्टियों का सत्यापन करके झावेदन पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज वेगा।

- उम्मीदवार को प्रपने ध्रावेदन पत्न के साथ निम्नलिखित प्रमाण पत्न भ्रवश्य भेजने चाहिए:—
  - (i) निर्धारित णुरुक के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या ठैक ड्राफ्ट या भारतीय मिशन की रसीव (देखिए नोटिस का पैरा 6)।
  - (ii) उम्मीदनार के हाल ही के पासपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० भी०) के फोटो की दो एक जैमी प्रतियां जो कि एक ग्रावेदन पत्न पर ग्रीर दूमरी उपस्थिति पत्नक में निर्धारित स्थान पर जिपकाई गई हो ।
  - (iii) जहां लागू हो बहां भागु में छूट के दाने के समर्थन में प्रमाण पत्र की श्रक्षिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा ४) ।
  - (iv) लगभग 11.5 सें० मी०×27.5 सें० मी० श्राकार के बिन टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर श्रापका पता लिखा हो।

नोट: - उम्मीदवारों को प्रपने प्रावेदन पक्षों के साथ उपश्वेत मद (iii)
पर उस्लिखित प्रमाण पहों की केवल प्रतियां ही प्रम्तुन करनी हैं
जो सरकार के किसी राज पत्रित प्रधिकारी हारा प्रभिप्रमाणित
हो प्रथवा स्वयं उम्मीदवारों हारा सही प्रमाणित हो । जो उम्मीदवार
लिखित परीक्षा के परिणामों के प्राधार पर यथास्थिति सेवारिकार्ड के मूल्यांकन प्रथवा प्राण्मितिक परीक्षा के लिए प्रहेता प्राप्त कर सेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के सुरत्त बाद उपर्युक्त प्रमाण पत्नों की मृख प्रतियां प्रस्तुन करनी होगी ।
परिणामों के मई, 1981 के महीने में घोषित किए जाने की सम्भावना है । उम्मीद्वारों को इन प्रमाण पत्नों को तैयार रखना चाहिए प्रौर लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के सुरत्त बाद प्रयोग को भेज देन! चाहिए । जो उम्मीदवार प्रयोधित मूल प्रमाण पन्न मांगे जाने पर नहीं भेजेंग उनकी उम्मीदवारों का कोई दावा मही होगा ।

- मद (i) ग्रीर (ii) में डिल्क्सिक्त प्रलेखों के विवरण नीचे दए गए हैं ग्रीर मद (iii) के विवरण पैरा 4 में दिए गए हैं।
- (i) (क) निर्धारित णुस्क के लिए रेखाकिन किए हुए भारतीय पोस्टल भाईर:--

प्रत्येक पोस्टल भ्राईर श्रनिकार्यनः रेखांकित किया जाए, उस पर 'सचित्र, संघ लोक सेवा धायोग, को नई दिल्ली के प्रधान डाकथर पर देय' लिखा जाना चाहिए ।

किसी प्रत्य डाकघर पर देय पोस्टल आईर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे । विकासिय या फटे-कटे पोस्टल प्रार्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

सभी पोस्टल ब्राईंगें पर जानी करने वाले पोस्ट मास्टर के हिस्ताक्षर श्रीर जारी करने वाले डाकधर की स्पष्ट महर होनी चाहिए ।

जम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आईर न तो रेखांकित किए गए हों धौर न मचिव, संघ लोक सेवा आयोग की नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है ।

## (ख) निर्धारित ण्ला के लिए रेखांकित बैंक इाफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टट बैंक आक इण्डिया की किसी णाका से निया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेता आयोग को स्टेट बैंक आक इण्डिया की सृक्ष्य णाखा, नई दिल्ली में देय होना चाहिए नथा विधियन् रेखांकित होना चाहिए ।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक कृपस्ट किसी भी हालत में स्थीकार नहीं किए जाएंगे। विकपित या कटे फटे कृपस्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

- नोट:— जो उम्मीदवार आवेदन पत्न भेजते समय विदेश में रह रहे हो वे निर्धारित णूल्क की राणि (ए० 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ए० 7.00 के बराबर) यथास्थित उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवायें और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "051—लोक सेवा आयोग परीक्षा णूल्क" में जमा कर हे । उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन पत्र के साथ भेजें।
- (ii) फोटो की दो प्रतियां :— उम्मीदवार को अपमे हाल हो के पामपोर्ट झाकार (लगभग 5 सें० मी० 7 गें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां प्रविष्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति झावेदन-पत्न के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए। और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक पर निर्दिष्ट स्थान में चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के उपर उम्मीदवार को स्याही से हरनाक्षर करने चाहिए।

घ्यान दें---जम्मीदवारों को चेतावनी ही जाती है कि यदि धावेदन पत्न के भाथ ऊपरपेरा 3 (i) धौर (ii) में उल्लिम्स प्रमाण पत्न संलब्ज न हो तो धावेदन पत्न धम्बीकार किया जा सकता है धौर इस ध्रम्बीकृत के बिरुद्ध कोई धापील नहीं मुनी जाएगी।

- 4. (i) नियम 3 (ख) के प्रत्नौंत प्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिलिप् पल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिए गए प्रसाण पत्र की एक अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर कैंच के साध्यम में शिक्षा प्राप्त की है।
- (ii) नियम 3 (ग) (ii) या 3 (ग) (iii) के श्रन्तर्गत निर्धारित श्रायु सीमा में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नीलिखन प्राधिकारियों में से किसी एक में लिये गए प्रमाण पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित

प्रतिलिप यह दिखालाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि अह भूमपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रंब कंगला देश) से धाया हुया वास्तविक विस्थापिक व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की धविधि के दौरान प्रवजन कर भारत बाया है:--

- (1) त्ण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों ग्रथवा निभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) सम्बद्ध जिलों में णरणार्थी गुनर्वाम कार्य के प्रभारी द्यतिरिक्त जिला मजिस्टेट।
- (4) प्राप्ते ही कार्यभार के प्रधीन सम्बद्ध सब-डिबीजन का संब-डिबीजनल प्रफसर।
- (5) उप भरणार्थी पुनर्वास ग्रायृक्त, पश्चिम अंगाल /निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।
- (iii) नियम 3 (ग) (iv) या 3(ग) (v) के अन्तर्गत निधारित आयू में छूट का उपना करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावित या प्रत्यावित होते वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च धायुक्त के कार्यालय से लिये गरे इस आगय के प्रमाण पत्न की एक धिप्रप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो ध्वत्वर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीत 1 नवस्वर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है या धाने वाला है।
- (iv) नियम 3(ग) (vi) के धन्तर्गत धायु सीमा में बूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संमुक्त गणराज्य टनजानिया से झाये हुए उम्मीदवार की या जान्विया, मलाबी, जैरे भीर हथिकीचिया से प्रत्यक्तिन मुननः भारतीय को उम क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से जहां वह इस ममय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण पक्ष की एक धिभिन्नमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह धास्तव में उगर्जुकन देशों से झाया है।
- (v) नियम 3(ग)(vii) या 3(ग) (viii) के ब्रन्तगैन निर्धाणिक आयु सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा में प्रत्यविन्ति मूलनः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूनावास, रंगून हारा दिए गये पहचान प्रमाण पन्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिए प्रस्तुन करें भी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को यो उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निकासी है, उथके जिला मजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पन्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिए प्रस्तुत करेंनी चाहिए वह बर्मा से आया हुआ यास्मविक प्रत्याविन्ति व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत प्रया है।
- (vi) नियम 3(ग)(ix) और 3(ग)(x) के मन्तर्गत भ्रायु सीमा में छूट आहुने वाले ऐसे उम्मीदबार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलाम हुमा है, महानिदेशक, पृनर्वास, रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्भारित फार्म पर लिये गये प्रमाण पत्न की एक भ्रभिप्रमाणित/प्रमाणिन प्रतिक्षिप यह विखलाने के लिए प्रस्तुत करनीं चाहिए कि वह रक्षा मेवाभों में कार्य करते हुए विदेशी शत्नु देश के साथ संघर्ष में भ्रथवा भ्रमातिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुमा भौर परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुमा।

	उम्म	विवा	र द्वार	त प्रस्यु	न कि	ये उ	गा ने	वान	प्रम	ण	पस्र	का	कार	t	
	प्रमा	णिस	किया	जाना	है कि	सृति	ट								
	<b>र्वक</b>	मं <b>०</b> ,													
में	कार्ये	क रह	हुए	विदेशी	गन्	वेश	के	साथ	संघर्ष	में	<b>*</b> स	प्राति	ıer	धेस	में

कीजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगना के परिणाम स्यख्य निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर ..... पवनाम ..... तारीख .....

\*जो लागून हो उसे क्रुप्या काट दें।

(vii) नियम 3(ग) (xi) या 3(ग) (xii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा मुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदंशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय में नीचे निर्धारिक्ष फार्म पर लिये गये प्रमाण-पन्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलांने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा मुरक्षा दल में कार्य करने हुए 1971 के भारत पाक संघर्ष के वैरात विकलांग हुए और परिणाम स्वक्त्य निर्मुक्त हुआ। उम्मीदवार द्वारा प्रस्तृत कर जोने बाला प्रमाण-पल का फार्म

प्रमाणित किया आता है कि यूनिट के रेंक नं० श्री ..... सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत पाक प्रकुषा सघर्य के यौरान विकलांग कुए ग्रीर उप विकलागता के परिणाम स्थम्प निर्मुक्त हुए।

 उम्मीक्वारों को चेतावनी ती जाती है कि ये बावेदन-पन्न भरते समय कोई झुठा ब्यौरा न दें बायवा किसी महत्वपूर्ण सूचताको न छिपाएं।

उम्मीक्वारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे धपने धारा प्रस्तुत किए गये किसी प्रलेख भ्रथना उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिनर्शन करे धौर न कोई केरक्वल करें भीर न फेर बदल किये गये झुठे प्रमाण-पन्न प्रस्तुत करें। यदि एँमे दी या भ्रधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अणुद्धि भ्रथना विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

- 6. ग्रावंदन पत्न देरी से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के क्ला में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि ग्रावेदन-प्रपक्ष ही ध्रमुक तारीख को भेजा गया था। ग्रावेदन-प्रपक्ष का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपन्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पाझ हो गया है।
- 7. यदि परीक्षा से सम्बंद प्रावेदन-पश्नों के पहुंच जान की प्राधिती सारीख में एक महीने के भीतर उम्मीदवार की प्रपत्ने भावेदन पत्न की पात्रसी (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए श्रायोग से संस्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए।
- 8. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक /उम्मीदवार का उसके प्रावेदन-पन्न के परिणाम की सूचना यथाणील दे दी जायेगी। किन्तुयह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कम सूचित किया जायेगा यदि परीक्षा के णुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने धावेदन-पन्न के परिणाम के बारे में संघलोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे प्रायोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में निचार किये जाने के दाबे से वंचित हो जायेगा।
- 9. केन्द्रीय मिवनालय सेवा मनुभाग मधिकारी ग्रेट सीमिन विभागीय प्रनियोगिना परीक्षा 1976 भीर मध्मिलिन गीमिन विभागीय प्रतियोगिना परीक्षा 1976, 1977 गीर 1978 से पूर्व पाव वर्षों के दौरान में ली गई उक्त परी-

काश्रों के नियमी और प्रण्न पत्नों में सम्बद्ध पुस्तिकाश्रों की बिकी प्रकाशन नियंक्रक, मिविल लाइन्स, विल्ती-110051 के द्वारा होती है और उन्हें वहां में मेन प्रार्थर द्वारा मीधे अथवा नकद मुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवाली मिनेमा के सामने, एम्पीरिया बिल्डिंग, 'सी' ब्लाक, बाबा खड़गिसह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन णाखा का बिकी काउण्टर, उद्योग अवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गयनमेट श्राफ इंडिया बुक डिपो, 8 कें० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी केंयल नकद पैसा देकर प्राप्त किया जा सकता है। वे पुरितकाण विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकागन एजेटों से भी प्राप्त की जा सकती है।

10. परीक्षा में मिम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग में कोई यात्रा भन्ना नहीं मिलेगा।

11. धाबेदन-पत्न से सम्बद्ध पत्न व्यवहार: --धाबेदन पन्न से सम्बद्ध सभी पत्न ध्रादि मचिय, संघ लोक सेया ध्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली110011, को भेने जाएं तथा उनमें नीचे लिखे ब्यौरा ध्रनिवार्य रूप से दिया जाए:---

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना ग्रीर वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा अन्म तिथि, यदि रोल नग्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीवधार का नाम (पुरा तथा बड़े फ्रक्सरों में)
- (5) म्रावेदन-प्व में दिया गया पन्न-घ्यवहार का पता।

# ध्यान दें:--(i) जिन पत्नों झादि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभवतः उन. पर ध्यान नहीं विया जाएगा।

(ii) परीक्षा समाप्त होते के बाव यदि उम्मीद्यार से कोई प्रमीस्वार प्राप्त होती है ग्रीर उसमें उनका पूरा नाम ग्रीर श्रमुक्रमांक नहीं लिखा है, तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा ग्रीर कोई कारवाई नहीं की जाएगी।

12 पते में परिवर्तन: -- उम्मीद्वार को ६म बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके ब्रावेदन पत्न में उहिल्सिवन पते पर भेजे गए पक्ष ब्रादि, ब्रावश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर ब्रायोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 11 में उल्लिखित व्यीरे के माथ यथा गांछ दी जानी चाहिए। यद्याप ब्रायोग ऐसे परिवर्तनो पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किर भी ६म विषय में वह कोई जिम्में दारी स्थीकार नहीं कर सकता।

## म्रनु**ब**न्ध-11

#### संघ लोक सेवा श्रायाग

### उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

## क. वस्तुपरक परीक्षण

ग्राप जिस परीक्षा में बैठने वाल है, उसको "वस्तूपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में ग्रापको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रका (जिसको भ्रागे प्रकांक कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको भ्रागे प्रस्तुतर कहा जाएगा) ग्रापको चून लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य धापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जान-कारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण ग्रापको कोई हानि न हो।

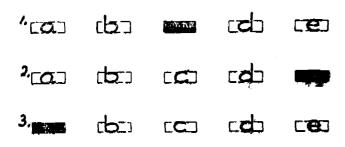
### ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रसन-पत्न "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 . . . . के कम से प्रण्नांक होंगे। हर प्रधनांश के नीचे 2, b, c, . . कम में संभावित प्रत्युत्तर तिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रधन के लिए एक सही या यवि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाय करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रधनांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रधनांश के लिए आपको एक ही प्रस्युत्तर का चुनाय करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

#### ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए श्रापको श्रमण से एक सर पक्षक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। श्रापको श्रपने उत्तर इस उत्तर पक्षक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर श्रम्य किसी भी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a,b,c,d,e.... के कम में प्रत्युक्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांण को पढ़ लेने भीर यह निर्णय कर लेने के बाद कि कौन सा प्रत्युक्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रश्नुत्तर के प्रक्षर को दर्शाने चाले प्रायत को पेसिल से काला बनाकर उसे श्रांकत कर देना है, जैसा कि संलग्न उक्तर पत्नक के नमूने पर किन्नामा गया है। उत्तर पत्नक के भायत को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



इसलिए यह जरूरी हैं (1) कि प्रकाशों के उत्तरों के लिए केवल बच्छी किस्म की एच० बी० पसिल (पेंसिलें) ही लाएं भ्रौर उन्हीं का प्रयोग करें।

- 2. भ्रगर श्रापने गलत निणान लगाया, है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निणान लगा वें। इसके लिए भ्राप भ्रपने साथ एक रखड़ भी लाएं।
- उत्तर पत्रक का प्रयोग करते रामय कोई ऐसी ध्रसायधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ या सलवट ध्रादि पड़ जाएं झौर वह टेहा हो जाए।

## घ गुरु महत्वपूर्ण नियम

- म्रापको परीक्षा धारंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा भ्रौर पहुंचते ही श्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश महीं दिया जाएगा।
- परीक्षा णुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पद्धक पर्यवेक्षक को सांप दे। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर

ले जाने की श्रानुसित नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।

- 5. उत्तर पत्रक पर नियन स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, भ्रपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की कम संख्या स्थाही से साफ-साफ लिखें। उत्तरपत्रक पर श्राप कहीं भी भ्रपना नाम न लिखे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में टिए गए सभी श्रापुदेश ध्रापको गावधानी से पढ़ने हैं। इसिलए संभव है कि इन अनुदेशों का सायधानी से पालन न करने से ध्रापके नम्बर कम हो जाएं। ध्रगर उत्तर पढ़क पर कोई प्राथिष्ट संदिग्ध है, तो उस प्रण्नाश के लिए ध्रापको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करे। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को ध्रारंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेश का तत्काल पालन करे।
- 7. घाप घपना प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लाएं। घापको धपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रखड़ एक पेंसिल शापनर और नीली या काली स्थाही वाली कलम भी लानी होगी। धापको मलाह दी जाती है कि धाप प्रपंत साथ एक क्लिपबोर्ड या कार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड लाएं जिस पर कुछ भी न लिखा हो। धापको परीक्षा भवन में कोई कच्चा काग्ज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या घारेपण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी यदि धाप मांगगे तो कच्चे काम के लिए धापको एक धलग कागज दिया जाएना। धाप कच्चा काम मृद करने के पहले उग पर परीक्षा का नाम अपना रोल नम्बर और दिनांक लिखें धौर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने पत्नक के साथ पर्यवेदाक को वापस कर दें।

## विशेष मनुदेश

जब भ्राप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर कैठ जाते हैं तब निरीक्षक से भ्रापको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूजना भ्रपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक भ्रापको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जिसके मिलते ही सुरन्त भ्राप देख लें कि उस पर पुस्तिका की सं० लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबद्ध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की कम सं० लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका को खोलने को न कहें, जब तक भ्राप उसे न तोई।

## च. कुछ उपयोगी भुझाध

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अगेक्षा मुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, दक्षता से, उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जरूदी आगे यह सकते हैं, बकें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी अपनो का उत्तर नहीं दे पात हों तो चिन्ता न करें। आप को जो अपन अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। इसरे अपनों की और बकें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के श्रंक समान होगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। श्रापके द्वारा श्रंकित गही प्रस्मुत्तरों की संख्या के श्राधार पर श्रापको श्रंक दिए जाएंगें। गलत उत्तरों के लिए श्रंक नहीं काटे जायेगे।

## छः परीक्षण का समाप<u>न</u>

जैसे ही पर्यवेक्षक धापको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बेंडे रहें जब तक निरीक्षक धापके यहां धाकर धापसे सभी धावण्यक सामग्री न ले जाएं और धापको "हाल" छोड़ने की अनुमति ले जाने न दें। आपको परीक्षण-पुन्तिका कच्चे कार्य के लिए कागज और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की अनुमति नहीं है।

### ममूने के प्रक्त

- भौयं वंश के पत्तन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरवायी नहीं है?
  - (a) प्रशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजीर थे।
  - (b) श्रशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुन्ना।
  - (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
  - (d) ग्रशोकोत्तर युग में ग्राधिक रिक्तता थी।
  - 2. ससवीय स्वरूप की सरकार में
    - (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरवासी है।
    - (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
    - (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
    - (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
    - (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
  - 3. पाठणाला के छात्र के लिए पाठ्येत्तर कार्यं कलाप का मुख्य प्रयोजन
    - (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
    - (b) अनुशासन की समस्याधों की रोकथाम है।

- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।
- 4. सूर्य के सजसे निकट ग्रह है
  - (a) 項本
  - (b) मंगल
  - (c) बृहस्पनि
  - (d) ৰুগ্ন
- 5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?
  - (a) पेड़ पीधे जितने अधिक होते हैं, मिटी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाद होती है।
  - (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, निदयां उतनी ही गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती हैं।
  - (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, निदयां उतनी ही कम गाद ने भरी होती हैं जिसमे बाब रोकी जानी है।
  - (त) पेड पौधे जितने कम होते हैं, जननी ही धीमी गर्ति से वर्फ पिषल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 11th June 1980

No. A-32011/1/79-Admn.I.—The President has been pleased to appoint Shri B. B. Chhibber, Selection Grade P.A., cadre of Ministry of Energy and Irrigation (Department of Power) as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) cadre of U.P.S.C. w.e.f. 31-5-80 (FN) until further orders.

#### The 12th June 1980

No. A.32014/1/80-Admn.f.—In partial modification of this office Notification of even number dated 12th May, 1980 Shri K. S. Bhutani, a permanent P.A. (Gd. C of CSSS), cadre of UPSC who was promoted to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) on ad hoc basis upto 25-6-80 stands reverted to the lower post of P.A. (Gd. C of CSSS) w.e.f. 31-5-80 (F.N.).

Further, Shri Bhutani is promoted to officiate in the Selection Grade for Grade C Stenographer on purely provisional temporary and ad hoc basis w.e.f. 31-5-80 (FN) to 31-7-80 (AN) vice Shri H. C. Katoch officiating as Sr. P.A. on ad hoc basis.

#### The 13th June 1980

No. A. 32013/3/80-Admn. I—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on adhoc basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier.

S. Name No.	Period
S/Shri	
1. P. C. Mathur Section Officer	1-3-80 to 23-4-80 & three months w.o.f. 25-4-80
2. T. M. Kokel (Gd. A of CSSS) Officiating as Special Assistant to Chairman (ex-cadre)	1-3-80 to 25-3-80
3. S. Srinivasan (Section Officer officiating as Desk Officer	1-3-80 to 30-4-80 & 3 months w.e.f. 2-5-80
<ol> <li>D. P. Roy (Section Officer) officiating as Desk Officer</li> </ol>	1-3-80 to 15-4-80 & 16-4-80 to 9-5-80
5. M. S. Chhabra (Section Officer) officiting as Senior Analyst (ex-cadre)	3 months from 1-4-80

#### The 20th June 1980

No. P/1807-Admn.I.—The services of Shri M. S. Thanvi, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) on deputation as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, who has been granted leave upto 30-6-1980, are replaced at the disposal of the Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance w.e.f. 1-7-1980 (FN).

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
Union Public Service Commission

## New Dolhi-110011, The 12th June 1980

No. A-11016/1/76-Adm. III.—The President is pleased to appoint the following Section Officers/S.O. (Spl) of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officers for

the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier, in the office of Union Public Service Commission.

SI. Name No.	Period	Branch to which posted
1. Sh. H. M. Biswas	30-6-80 to 31-8-80	Recruitment Rules
2. Sh. R. Sahai	10-6-80 to 31-8-80	Advisers' Section

2. The above officers shall draw Special Pay — Rs. 75/-per month in terms of D:O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(1) dated 11-12-75.

S. BALAGHANDRAN Under Secy-Incharge of Administration Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the July 1980

No. O.II-1444/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) litekharunnisa Begum as Junior Medical Officer in the CRPF on ad loc basis with effect from the forenoon of 5-6-80 for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

No. O.II-1455/79-Estt.—The Director General CRPF. is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as Junior Medical Officer (GDO; Grade-II) in the CRPF on ad hoc basis with effect from 9-6-80 (F.N.) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 3rd July 1980

No. O.II.322/69-ESTT.—The President is pleased to relieve Shri M. B. Beg, Assistant Commandant of 36 Battalion, CRPF w.e.f. the afternoon of 30-6-80 on expiry of one month's notice under rule 5(i) of the CCS (TS) Rules, 1965.

#### The 7th July 1980

No. O.II-1448/79-Fistt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Jagdish Chandra Nistandra as Junior Medical Officer (GDO; Gd-II) on ad hoc basis with effect from 27-5-80 (F.N.) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

K. R. K. PRASAD Assistant Director (Adm.)

# OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 28th June 1980

No. E-16014(3)/15/73-PERS.—On repatriation to his parent office, Shri R. Seshadri relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF, Group Hqrs., Madras with effect from the afternoon of 21st May, 1980.

- 2. On transfer from Trg. Reserve (SZ) at M.P.T. Madras, Shri N. Ram Das assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF, Group HQrs, CISF, Madras with effect from the same date.
- 3. This issues in supersession of Notification of even number dated 16-6-80.

No. E-38013(3)/17/79-PERS.—On transfer from Ranchi, Shri D. S. Badwal assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, HFCL Namrup w.c.f. the forenoon of 28th May 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE Inspector-General

### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 2nd July 1980

No. 11/1/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Vellodi, an officer belonging to the I.A.S. (Kerala cadre) as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kerala at Trivandrum, with effect from the forenoon of the 9th June, 1980, until further order.

2. The headquarters of Shri K. S. Vellodi will be at Trivandrum.

P. PADMANABHA Registrar General, India

### MINISTRY OF FINANCE

# (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik, the 3rd July 1980

No. 527/A.—The undersigned hereby appoints the following Inspectors Control (Class III non-Gazetted) India Security Press, Nasik Road as Deputy Control Officers (Class II Gazetted post) in India Security Press, in the revised scale of pay Rs. 650—30—740—35.—810—EB—35—880—40—1200 on an ad lioc basis with effect from 24-6-80 to 23-9-80 or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier against the two newly created posts vide GIMF. letter No. F.5/12/80 Cy dated 30-5-1980.

Shri A, S. Palkar.
 Shri G. Narayansamy.

N. RAMAMURTHY Sr. Dy. General Manager

#### SECURITY PAPER MILL

#### Hoshangabad, the 24th June 1980

No. E/1/3268.—In continuation of this office Notification No. E-1/1717 dated 26-5-79, the ad hoc appointment of Shri B. R. Barmaiya, Assistant Engineer (Elect) is hereby extended upto 30-6-1980 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

#### The 27th June 1980

No. PF.PD/27/3306.—In continuation of this office Notification No. PD-27/9630 dated 19-12-1979, Shri R. G. Kulthe, Foreman (M/Plant) is promoted as Asstt. Works Manager (MCMP) on regular basis with effect from 27-5-80. He will be on probation for a period of two years which

will include the periods during which he was appointed to the post on ad hoc basis.

S. R. PATHAK General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENTS OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENFRAL JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 23rd June 1980

No Admn-I/60(68)/80-81/1203-1205.—The Accountant General Jammu & Kashmir has promoted Shri J. L. Bhat, a permanent Section Officer of this office as Accounts Officer in an officiating capacity with effect from the forenoon of 13th June, 1980, till further orders.

H. P. DAS Senior Deputy Accountant General (A&E)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MAHARASHTRA

Bombay-400 020, the 27th June 1980

No. Admn.1/Genl/31-vol.III/Cl(1)/3.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri S. N. Potty, a member of the subordinate Accounts service to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 12th Iune 1980 F.N. until further orders.

S. R. MUKHERJEE Sr. Dy. Accountant General/M

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110 022, the 28th June 1980

No. 18294/AN-I.—On extaining the age of 58 years, Shri Om Prakash, ACDA, will be transferred to the Pension Fstablishment w.e.f. 31-12-80 (AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department w.e.f. 31-12-1980.

#### The 2nd July, 1980

No. 40011(1)/80/AN-II—(1) The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the Pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

SI. No.	Name with Roster N	lo.			Grade	Date from which transferred to Pension Estt.	Organisation
1	2	_			3	4	5
	S/Shri	<del></del>	-				
	S. Sundaram-II . (P/82)	•	•	-	. Pt. Accounts Officer	31-1-80	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune.
	A. K. Thoman . (P/344)	٠	٠		. Do.	31-1-80	Do.
	A. S. Deshpande . (O/375)		•	•	. Officiating Accounts Officer	31-1-80	Do.
	M. R. Rajwadey (Q/130)	•	٠	٠	. Do.	31-1-80	Controller of Accounts (Factories), Calcutta.
	K, K. Roy Chowdhury (P/474)			•	. Pt. Accounts Officer	31-1-80	Do.
	R. P. Basu (P/20)	•	•	•	. Do.	31-1-80	Do.
	Kali Prasanna Sen (O/160)		•	٠	. Officiating Accounts Officer	31-1-80	Do.
	R. S. Rana (O/NYA)		•	•	. Do.	31-1-80	Do,
	S. K. Guha . (P/115)		•	•	. Pt. Accounts Officer	31-1-80	Controller General of Defence Accounts. New Delhi.

1	2			3	4	5
S/Shr 10. K, P	Bose	,		. Pt. Accounts Officer	31-1-80	Controller of Defence Ac-
	16) . Khurana IYA)			. Officiating Accounts Officer	31-1-80	counts, Patna.  Controller of Defence Acccounts, Western Command,
	Arjun Wadkar ,	•		. Do.	31-1-80	Meerut. Controller of Defence Ac-
(O 1: 13. R. St (P/29	ubramanyam .			. Pt. Accounts Officer	31-1-80	counts (Officers) Pune. Do.
	. Jaglekar			. Officiating Accounts Officer	31-1-80	Do.
	k Chand Mahajan .		•	. Do.	31-1-80	Controller of Defence Accounts, Northern Command,
16. Anil (P/17	Kumar Biswas .			. Pt. Accounts Officer	31-1-80	Jammu.  Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
,	Prakash Mital ,			. Do.	31-1-30	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut,
18. S. Vt (P/93	idagiri			Do.	31-1-80 Voluntary retirement	Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meerut.
19. Inder (P/18	Nath Chadha . 4)	•	•	. Do.	31-12-79	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
20. Ram (P/56	a Nandan Parsad . 7)	•	•	. Do.	31-1-80	Do.
21. C. D (P/28	1)	•	•	. Do.	31-1-80	Do.
(P/182		•	•	. Do,	31-1-80	Do.
(P/50		•	•	Pt. Accounts Officer	29-2-80	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
(P/46		•	•	. Do.	29-2-80	Do.
(P/18	•	:		. Do.	29-2-80	Do.
26. S. R. (O/63	i)	•	•	Officiating Accounts Officer	29-2-80	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
(O/28	nyagarajan (8)	•	•	. Do.	29-2-80	Controller of Defence Accounts, Southern Command Pune.
8. P. N. (P/87	Ram Das .	-		Pt. Accounts Officer	29-2-80	Do.
9. V.S. (O/N				. Officiating Accounts Officer	29-2-80	Do.
30. Rajin (P/50	der Singh Ahluwalia 6)	Ť		. Pt. Accounts Officer	29-2-80	Controller of Defence Ac- counts (Air Force) Dehradun
31. L. N. (P/37			•	. Do.	29-2-80	Controller of Defence Accounts (Officers) Pune-1.
(O/26	•	,		. Officiating Accounts Officer	29-2-80	Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meerut.
(P/48	•	•	•	Pt. Accounts Officer	29-2-80	Controller of Defence Accounts (URs) South Madras.
34. C. P. (P/12	0)	•	•	, Do.	29-2-80	Do.
(O/38		•		Officiating Accounts Officer	29-2-80	Do,
O/7 8	•	•	•	. Do ·	29-2-80	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
(P/60		•	•	. Pt. Accounts Officer	29-2-80	Controller of Account (Factories) Calcutta.
(P/80		٠	•	. Do.	29-2-80 31-3-80	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.
(P/10		•	•	, Do.	31-3-80	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun Do.
(P/201	•	•	•	. Do.	31-3-80	Do.
41. Kash (P/37 12. Mada	0)	•	•	Officiating Accounts Officer	31-3-80	Do.
(O/34		•	•	-	31-3-80	Do.
43. G, Va (P/11)	aradharajan 9)	•	•	. Pt. Accounts Officer	31-3 <b>-</b> 0V	D0,

1	2					3	4	5
	S/Shri							
44.	K. R. Krishnamurthy (P/51)					Pt. Accounts Officer	31-3-80	Controller of Defence Accounts (URs) South, Madras.
45.	T. V. Venkataramana I (P/138)	Rao		•		Do.	31-3-80	Do.
46.	Yoginder Pal Soni (P/219)	•	•	•		Do.	31-3-80	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune-1.
47.	B. G. Shirgurkar . (P/49)				٠	Do.	31-3-80	Controller of Defence Accounts (Officers) Pune-1,
48.	Madan Lal Seth (P/574)		-	-	•	Do.	31-3-80	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
49.	T. Dev Roy . (P/247)	•	•	•	٠	Do.	31-1-80	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
50,	R N. Dutta (O/136)					Officiating Accouts Officer	31-3-80	Controller of Defence Accounts, Central Command Meerut.
51.	M. S. Sachdeva . (P/572)					Pt. Accounts Officer	31-3-80	Do.
52.	Ram Prakash Anand (U/334)					Officiating Accounts Officer	30-4-80	Do.

The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officers.

SI. No.	Name with Roster No.	Grade	Date of death	Struck off strength of the Deptt.	Organisation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	ihri G. Suri 523)	. Pt. AO	14-12-79	15-12-79 (FN)	Controller of Defence Accounts Southern Command,
	Balasubramanian . /NYA)	, Offg- AO	6-1-80	7-1-80 (FN)	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras.

K. P. RAO Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

#### MINISTRY OF DEFENCE

# D.G.O.F. HQRS, CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 27th June 1980

No. 11/80/A/E-1(NG)—The D.G.O.F. is pleased to promote the following officer in Offg. capacity in an existing vacancy without effect on seniority in grade and on date shown against him:

Shri Jagdish Mitter
Sharda
Assit. Staff Officer,
(Ad-hoc)

Shri Jagdish Mitter
Assistant Staff
Officer
Officer

From 20-2-80 until further orders.

Shri Sharda will be on probation for two years from the date of his promotion.

D. P. CHAKRAVARTI A.D.G.O.F./Admin for Director General, Ordinance Factories.

#### MINISTRY OF LABOUR

# DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay, the 28th June 1980

No. 3/18/78-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint the undermentioned officers as Additional Inspector (Dock Safety) with effect from the date shown against their names 15—166GI/80

in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay in an officiating capacity, on regular basis until further orders.

Sl. No. Name of Officers Date of appointment

1. Shri ADHIR CH. KAR-17-12-79 (FN)

2. " K. NARASIMHAN—31-12-79 (FN)

3. " KR HARNOLE—01-05-80 (FN)

The 5th July 1980

No. 15/12/79-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint Shri K. Suryanarayanan as Research Officer (Industrial Psychology) in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institute Bombay, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th June, 1980, until further orders.

A. K. CHAKRABARTY
Director General

# MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 29th June 1980

No. A-32013/2/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 7th June, 1980 and until further orders Shri V. Krishnasamy Iyengar,

Deputy Director (Processing) as Director (Processing) in the Weavers Service Centre, Madras.

N. P. SESHADRI Jt. Development Commissioner for Handlooms.

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 23rd June 1980

No. A-1/1(1045).—Shri Ram Kishan, Assistant Director (Grade II) in the office of the DGS&D, New Delhi has been reverted to the non-gazetted post of Junior Progress Officer with effect from the forenoon of 19-5-80.

K. KISHORE
Dy. Dir. (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals.

# MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th June 1980

No. A-19011(281)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Y. N. Sontakke, Junior Technical Assistant (O.D.) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 28th May, 1980.

#### The 1st July 1980

No. A-19012(91)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri R. N. Koshta, Assistant Research Officer (O.D.) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 4-6-80.

No. A.19011(236)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri A. Nagaraja, Asstt. Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th May, 1980.

No. A-19012(111)/79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Mohan Ram, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an Officiating Capacity with effect from the forenoon of 26th May, 1980.

No. A.19012(114)/79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. Y. Kapale, Asstt. Research Officer (O.D.) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd June, 1980.

No. A.19011(283)/80-Fstt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri N. P. Haran, Junior Technical Assistant (OD) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the ofternoon of 28th May, 1980.

S. V. ALI Head of Office Indian Bureau of Mines

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 27th June 1980

No. A-32013/1/80-SV.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri J. P. Jain, Senior Administrative Officer, Doordarshan Kendra, Lucknow, to officiate in the post of Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi, from the forenoon of May 29, 1980 in an ad-hoc capacity vice Shri B. K. Mitter, Officiating

Inspector of Accounts, Directorate General, All India Radio, New Delhi, retired from Govt. service on 29-2-1980.

S. V. SESHADRI Dy. Dir. of Administration for Dire tor General

#### DIRECTORATE GENERAL: DOORDARSHAN

New Delhi, the 30th June 1980

No. A-19012/16/80-SII.—Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri S. D. Khanna, previously working as Head Clerk/Accountant, Station Director, All India Radio, New Delbi as Administrative Officer at Doordarshan Kendra, Jullundur in the scale of Rs. 650-960 with effect from 22-5-80 (FN), until further orders.

C. L. ARYA Dy. Dir. of Admn. for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

No. A-1912/4/79-Est.I.—On the recommendation of the UPSC, Chief Producer, Films Division, Bombay hereby appoints Shri R. R. Swamy to officiate as In-Between Animator in the Films Division, Bombay w.c.f. forenoon of the 9th June, 1980, until further orders.

N. N. SHARMA Acting Adm. Officer for Chief Producer

# OFFICE OF THE MEDICAL SUPERINTENDENT SAFDARJANG HOSPITAL

New Delhi, the 28th March 1980

No. 17.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Chhatar Pal, L.D.C. of this hospital that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on him.

(1) Sd. ILLEGIBLE Medical Superintendent.

# MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF FOOD)

NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 16th June 1980

No. Estt. 10(4)/65.—Shri A. K. Gupta, Senior Technical Assistant at the National Sugar Institute, Kanpur is appointed to officiate as Junior Technical Officer (650—1200) in the grade of Junior Technical Officer (ST)/Manufacturing Chemist (JTO) on ad hoc basis with effect from the forenoon of 19th May, 1980 till further orders.

N. A. RAMAIAH Director

## MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

#### DIRFCTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 1st June 1980

No. A. 19025/37/79-A-III.—Consequent on his selection for appoinment to the post of Assistant Director (S&R) in the Department of Food, Shri K. S. Dongre, Assistant Marketing Officer, relinquished charge of his duties in this Directorate at Unjha with effect from the afternoon of 7th June 1980,

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt, of India

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bombay-400 001, the 27th June 1980

No. DPS/23/6/77/Est./9855.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shrl M. M. Nantiyal temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from November 13, 1978 (FN) to December 14, 1978 (AN) vice Shri V. K. Bokil, Asstt. Stores Officer appointed as Stores Officer.

C. V. GOPALAKRISHNAN Assistant Personnel Officer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 28th June 1980

No. AMD-1/23/80-Adm.—In supersession of this Office Notification of even number dated June 19, 1980, the Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Kiran Kumar Achar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the afternoon of May 6, 1980 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

#### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 1st July 1980

Ref. 05012/R/4/OP/2884.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Parathamala Philipose Cherian, a temporary Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Tuticorin) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project in a temporary capacity, on ad hoc basis, w.e.f. 5-4-1980 (FN) to 5-5-1980 (AN) vice Shri G. Padmanabhan, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer.

#### The 4th July 1980

Ref. 05000/R/1/OP/2967.—Officer-on-Special Duty, Henvy Water Projects, appoints Shri Pandarathil Padmanabhan Nambiar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Projects (Central Office), to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from May 19, 1980 (FN) to June 21, 1980 (AN) vice Smt. M. M. Karnik, Assistant Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts Officer II.

Ref. 05000/R/1/OP/2968.—Officer-on-Sperial Duty, Heavy Water Projects, appoints Smt. Manik Mukund Karnik, a temporary Assistant Accounts Officer in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Accounts Officer II in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from May 19, 1980 (FN) to June 21, 1980 (AN) vice Shri V. K. Potdar, Accounts Officer II, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN Senior Administrative Officer

### DEPARTMENT OF SPACE

# INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 24th June 1980

No. SAC/EST/ISCES/1479/80.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri N. H. Parikh, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of June 24, 1980.

C. R. SHAH Admn. Officer-11 (Est.)

# VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE ESTABLISHMENT SECTION

Trivandrum-695022, the 30th June 1980

No. VSSC/EST/F/1(17).—Consequent on the revision of scale of pay of the Assistant Officers in the Administrative categories of the Indian Space Research Organisation from Rs. 550—25—750—EB—30—900 to Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 from 1st January, 1980, vide OM No. 2/2(19)/77-I, dated 13-12-1979 issued by the Joint Secretary DOS, Sri C. K. Rajagopal, Assistant Purchase Officer, VSSC is placed in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from 1st January, 1980.

P. A. KURIAN Admin. Officer-II (EST) for Controller, VSSC

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th June 1980

No. A.32013/1/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri L. R. Goyal, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Palam to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis with effect from 1-5-80 (FN) vice Shri O. P. Chabra, Technical Officer Aeronautical Communication Station, Palam granted earned leave for 45 days and to post him at the same station,

#### The 1st July 1980

No. A. 32013/2/80.—The President has been pleased to transfer Shri V. Ramasubramanyam, Director of Communication (Planning) (ad-hoc) Civil Avlation Department to his substantive post of Director, Training & Licensing in the same department w.e.f. 24th May, 1980 (F.N.).

No. A.32013/2/80(i).—The President has been pleased to appoint Shri K. V. N. Murthy, Deputy Director of Communications, Civil Aviation Department, to the post of Director, Radio Construction & Development Units on an ad-hoc basis w.e.f. 23-5-1980, for a period of six month or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 32013/2/80(ii).—The President has been pleased to appoint Shri R. S. Goela, Deputy Director of Communication Civil Aviation Department to the post of Director of Communication (Planning) on an ad hoc basis for the period from 24-5-80 to 6-7-80.

V. V. JOHRI, Dy. Director of Administration

New Delhi, the 28th June 1980

No. A. 32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on an adhoc basis with effect from the date indicated against each and to post them at the station indicated against each :—

S. Name No.						Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1. Shri S. K. D	as .			•		Aeronautical Commn. Station, Calcutta	Aeronautical Comn. Station, Calcutta	2-5-80 (FN)
2. Shri P. Hari	•	٠	•	•	,	Aeronautical Comm. Station, Coimbatore	Aeronautical Comm. Station, Madras	17-5-80 (FN)
3. Shri C. John	ι,	•	•	-	•	Aeronautical Comm. Station, Madurai	C.A.T.C., Allahabad	12-5-80 (FN)

No. A. 32014/2/80-EC—Serial Number 1 of this Department Notification No. A. 32014/2/80-EC, dated 12-5-80 is substituted to read as under:—

S. Name No.	 Present station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge
1. Shri V. R. Chabra	 A.C S., Palam	A.C.S., Palam	9-4-80

R, N. DAS Assistant Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 1st July 1980

No. 1/125/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. G. Kanakachalam, Superviser, New Delhi as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 9-7-79 to 23-7-79, against short-term vacancy, on ad-hoc basis.

No. 1/168/80-EST.—Shri Telinder Singh Gambhir, temporary Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay, was permitted to resign his appointment with effect from the afternoon of the 5th June, 1980.

No. 1/254/80-EST.—Shri F. Paaliath, Deputy Traffic Manager, Madras Branch, retired from service, with effect from the afternoon of 31st January, 1980, on attaining the age of superannuation.

P. K. G. NAYAR Director (Admn.) for Director General

#### VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 5th July 1980

No. 16/362/80-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Padam Sain, Accounts Officer of the Office of Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun, as Accounts

Officer, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the afternoon of 3rd June, 1980.

R. N. MOHANTY, Kul Sachiv

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 1st July 1980

C. No. II(7)2-ET/79/4171—The following Officiating/Confirmed Group 'B' officers of this Collectorate have retired from service on superannuation with effect from the dates indicated against each:—

Sl. No.	Name	Designation	Date of super- annuation
S	/Shrì		
1. C	. C. Dass Gupta	Administrative Officer	31-7-79 (AN)
2. C	K Prasad	Do.	(—Do.—
3, P	. N. Das Sharma	. Superintendent	30-9-79 (AN)
4, St	udish Prasad.	. Superintendent	31-J0-79 (AN)
5. H	larish Chandra Pd.	Superintendent	30-11-79 (AN)
6. K	. D. Ghosh Hazra	Superintendent	31-12-79 (AN)
7. N	1d. Abuzar .	. Superintendent	31-1-80 (AN)
8. G	agandeo Singh	Superintendent	31-1-80 (AN)
9. G	. S. Chakraborty	. Superintendent	31-1-80 (AN)
10. A	. B. Bose .	. Superintendent	31-3-80 (AN)
11. D	. N. Verma .	. Superintendent	31-5-80 (AN)
12. Pr	rantosh Kr. Mitra	Superintendent	31-5-80 (AN)

R. K. THAWANI Collector Central Excise

#### Bombay, the 7th July 1980

No. 721/76-CX—Statement 1/1980-81.—In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (1) of Rule 232 A of the Central Excise (Seventh Amendment) Rules, 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses, and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by Court under Section 9 of the Central Excise & Salt Act, 1944, and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act, are as follows:—

S. No.	Name of the Person	Address	The provisions of the Act contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
holo L5-1	Vinubhai Budhabhai Patel, ling Central Excise Licence No. 1/73 of Jawahar, Dist. Thane, harashtra State.	L. 5 No. 1/73 at Post Jawahar, Dist: Thane Permanent address: At Post Zankaria, Taluka Anand, Dist. Kaire, Gujarat State.	The provisions of Sections 9(b), (bb), (bbb) & (c) of Central Excise & Salt Act, 1944.	The accused is convicted and awarded a sentence of fine of Rs. 2,000 to (Rs. Two thousand only) or in default, three months R.I.

V. K. GUPTA Collector of Central Excise

# DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 2nd July 1980

No. 21/80.—Shri M. M. Mathur lately posted as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit,

Customs and Central Excise at New Delhi, on transfer to the North Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Ghaziabad Vide Directorate F. No. 1041/41/79, dated 22-5-80 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 4-6-80 (Forenoon) Vice Shri S. H. Hasan promoted to Group 'A' post and transferred to Headquarters Office.

No. 22/80.—Shri Y. P. Panghar, lately posted as Assistant Collector Central Excise Aurangabad on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi Vide Department of Revenue Order No. 58/80 (F. No. A 22012/4/80-Ad, II (Pt. II) dated 9-5-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 16-6-80 (F.N.).

### The 4th July 1980

No. 24/80.—On his retirement on superanguation Shri S. N. Verma relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi on 30-6-1980 (Afternoon).

K, L. REKHI Director of Inspection

### MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 5th July 1980

No. 1-TR(1)/79.—The President is pleased to appoint Capt. P. C. Rai, as Nautical Officer on the Training Ship "Rajendra" on ad-hoc basis with effect from 1/5/1980 until further orders.

K. S. SIDHU Dy. Director General of Shipping

#### GODAVARI WATER DISPUTES TRIBUNAL

New Delhi-49, the 1st July 1980

No. 13(87)/75-GWDT.—Under order of the Godavari Water Disputes Tribunal, Sarvashri K. R. Mchndiratta and B. R. Palta relinquished charge as whole-time Assessors with effect from the afternoon of the 30th June, 1980.

By order of the Tribunal R. P. MARWAHA Secretary

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Singh Tractors Priate Limited

Jullundur City, the 30th June 1980

No. G/Stat/560/4284.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Singh Tractors Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissoled.

N. N. MAULIK Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ambica Film Exchange Private Limited

Ahmedabad, the 2nd July 1980

No. 303/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ambica Film Exchange Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE Registrar of Companies Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Supreme Steel Casting Private Limited

Gwalior, the 3rd July 1980

No. 1029/Y/2730.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Supreme Steel Casting Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Rupa Foams Manufacturing Company Private Limited

Gwalior, the 3rd July 1980

No. 1090/Y/2731.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rupa Foams Manufacturing Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh

#### INCOME TAX DEPARTMENT

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Cochin-682016, the 27th June 1980

#### (INCOME-TAX)

- C. No. 1(209)/GL/80-81.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-II, Ernakulam, hereby create a new ward in the Income-tax Office, Thiruvalla. The Income-tax Officer posted to this Ward will be known as Income-tax Officer, C-Ward, Thiruvalla.
- 2. This order shall come into force with effect from the forenoon of 1st July, 1980.

B. J. CHACKO
Commissioner of Income Tax
Kerala-II

Cochin-682016, the 30th June 1980

#### ORDER

SUBJECT—Estt—ITO Group B—Promotion and transfers—orders issue of— The following promotion and postings are hereby ordered:—

#### 1, PROMOTION

C. No. 2/Estt/80-81. —Shri T. Ravindran, Inspector of Income-tax, I.T. Office, Cir-II, Calicut is hereby appointed to officiate as Income-tax Officer, Group-B in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of 30th June 1980 or from the date he takes over charge, whichever is later, and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

2. The above appointment is made on a purely temporary and provisional basis and is liable to termination at any time without notice. The appointment is also subject to the result of Original Petitions No. 4023 of 1978 and 263 of 1980-M filed before the High Court of Kerala and Civil Writ Petition No. 25/1979 filed before the Delhi High Court.

#### **II. POSTINGS AND TRANSFERS:**

Sl. Name No.	From	То	Remarks
1 2	3	4	5
1. Shri P. J. Simon .	. ITO D-Ward, Cir-I, Calicut	T.R.O. Calicut	vice Shri K. K. Sukumaran retiring w.e.f. 30-6-80 A.N.
2. Shri T. Ravindran	. ITI (on promotion as ITO Gr. B)	I.T.O. D-Ward, Cir-I, Calleut.	vice Shri P. J. Simon.

<sup>3.</sup> If necessary Shri P. J. Simon may hand over the charge of ITO D-Ward to the ITO A-Ward/Senior most ITO in the Circle, as an interim measure.

M. S. UNNINAYAR Commissioner of Income-tax Kerala-I

### NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTIN ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th July 1980

Ref. No. Rej/JAC(Acq.)/746.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 110 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 16-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pukhraj 5/0 Mishrimal (Attorney holder) of Sunt. Sampat Kanwar, 10th Venkat Vidhya Street, Madras.

(Transferor)

(2) Shri S. Dhanraj s/o Champalal Shah c/o Champalal and Co., Champa Gali first floor Vithal Bari, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FIXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storied building upon plot No. 110 Bakhat Sagar Scheme, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur vide registration No. 1734 dated 16-10-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th July 1980

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/747.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Plot No. 110 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pukhraj s/o Mishrimal (Attorney holder) of Mahavir Chandra 10th Venket Vidhya Sfreet, Madras,

(Transferor)

(2) Shri S. Satishkumar s/o Champalal Shah C/o Champalal & Co., Champa Gali Ist floor, Vithal Bari, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storied building situated on plot No. 110 Bakhat Sagar Scheme, Judhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur vide registration No. 1735 dated 18-10-79

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jalpur, the 8th July 1980

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/748.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 23-D situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Kota on 23-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Kundanmal s/o Shri Ladharam Khatri, Rawat Bhatta c/o M/s, Bharat Kirana Store, Rawat Bhatta, Chittorgarh.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarain, Radhakishan and Rajender Kumar, Sons of Shri Jugaldas c/o M/s. Jugaldas Nihalchand, Rawat Bhatta, Chittorgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 23-D located at Alap Aiya Grah Nirman Yojna, Near Mandir Sri Sita Mata, Gumanpura, Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R. Kota vide No. 1367 dated 23-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-7-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th July 1980

Ref. No. GHL/6/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 11 kanals 12 marlas situated at Vill.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghuhlla in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath S/o Shri Daulat Ram Vill, Asamanpur Teh, Ghuhlla,

(Transferor)

(2) M/s. Garg Rice Mills, Dhand Road, Pehwa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestrid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same metaning as given in Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 kanals 12 marlas, situated at Village Asmanpur Teh. Ghuhlla and as more mentioned in the salc-deed registered at No. 2398 dated 16-1-1980 with the Sub-Registrar, Ghuhlla.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th July 1980

Ref. No. JDR/7/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Land measuring

9 kanals 2 marlas situated at Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) M/s Pirumal Charitable Trust Court Road, Jagadhari.

(Transferor)

- (2) 1. S/Sh. Dharampal, Harbans Led, C/o
  M/s Gurditta Bal Krishan Lal, Railway Road, C/o Jagadhari.
  - 2. Sh. Ajit Lal C/o Hari Narain Metal Ind. Jagadhari.

Tilakraj C/o Jagat Metal Works,

- Court Road, Jagadhari. Krishan Lai, C/o Krishan Lai, Janak Raj, 4. Krishan Lal, Court Road, Jagadhari.
- 5. Sawaran Kumar C/o
  Bilaspur, Teh. Jagadhari.
  6. Sat Pal C/o above. Aggarwal & Co. BKO,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 kanals 2 marlas situated at Iagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3074 dated 4-10-1979 with the Sub-Registrar. Jagadhari.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd July 1980

Ref. No. PNP/26/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3 bighas 6 biswas (3326 sq. yds) situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chander Kanta W/o Sh. Sultan Singh Shakti Service Station, G. T. Road, Panipat. (Transferor)

(2) M/s Ithad Motor Transport Co. Pvt. Ltd, Flat No. 7 Gokhle Market, Near New Courts, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforestrid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bighas 6 bishwas (3326 sq. yds.) situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3385 dated 9 11-1979 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 2-7-1980

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th July 1980

Ref. No. JDR/23/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. E-17, situated at Industrial Area, Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in February, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Basant Singh S/o Khajan Singh, Yamunanagar Teh, Jagadhari.

(Transferor)

(2) M/s Manco Engineering Corporation Yamunanagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being plot No. 17-E situated at Industrial Area Yamunanagar and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 5084 dated 8-2-1980 with the Sub Registrar, Jagadhhri.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 2-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th July 1980

Ref. No. PNP/39/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot on Khasra No. 1108 measuring 353.1/3 sq. yds situated (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Pushpa Rani,
  - Sh. Jatnder Kumar, Sh. Yogesh Kumar, Raj Kumer, Vijay Kumar sons of Sh. Har Narain through
  - 3. Sh. Har Narain S/o Laxmi Narain,
  - 4. S/Sh. Ganga Ram, Janki Nath, Se/o Tara Chood
  - S/Sh. Jagdish Kumar, Kidar Nath So/o Sh. Ganga Ram. Through Sh. Ganga Ram.
  - Shri Mangat Ram S/o Shri Lekha Ram R/o Panipat.

(Transferor)

(2) Smt. Angoori Devi W/o Sh. Kapoori Lal Gupta R/o 185-B, Block, New Mandi, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being plot measuring 353.1/3 sq. yds situated at Panipat and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 5878 dated 19-2-1980 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 158/80-81,—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 1-4-760/1-A situated at Musheerabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Iqbal Shareef W/o Sri Rahmatullah Shareef, H. No. 2-2-1108/3, Tilaknagar, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mir Hussain Ali S/o Sri Mir Lutfe Ali Khan, R/o Bakkarum, Musheerabad, Hyderabad-City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House M. No. 1-4-760/1-A at Musheerabad, Bakaram, Hyderabad, registered vide Document No. 5800/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range.
Hyderabdd.

Date: 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sri Lingala Jagan Mohan Rao, S/o Ram Gopal Rao, R/o Koratha Metpally-Tq, Kareemnagar-Dist. (Transferor)

(2) Sri Gontuka Laxmi Rajam S/o G, Garkaiah, R/o Koratla Metpally-Tq, Kareemnagar-Dist.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC. No. 159/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 196! (43 of 1961), (hereinnster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shops No. 1-2-43 to 46 Metpally-Kareemnagar-District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Metpally on Oct 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shops Door No. 1-2-43, 44, 45, and 46 situated at Koratla, village Metpally-Tq, Kareemnagur-Dist. registered vide Doc. No. 1137/79 in the office of the Sub-Registrar Metpally.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-6-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC. No. 160/80-81,---Whereas, I, S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4-6-102 situated at Jagtial Town Jagtial

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagtial on Oct-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—166GI/80

(1) Sri Vooturi Purshotham S/o Buchi Malliah, R/o Wanjarwada, Jugtial, Kareemnagar-Dist.\_

(Transferor)

1. Sri Ennakula Shankariah, S/o Lingiah,
 2. Sri Ennakula Jaya, W/o Shankaraiah,
 R/o Allipur, (4-6-102,) Jugatial-Tq, Karcemnagart
 Dist. (Transferee)

Objections, if any, ot the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 4-6-102/ (New No. 4-7-89) at Clock tower in Jagtial-town Karcemnagar-Dist., registered vide Document No. 3338/79 in the office of the Sub-Registrar Jagtial.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 6-6-1980,

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref No. RAC. No. 161/80-81.—Whereas, J, S. GOVINDARAJAN,

being the competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 203 situated at Kala Mansion S. D. Road, Sec-bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad, on Oct-79 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 M/s. Uma Karan & Tejkaran, Represented by Sri Tej Karan, 8-2-547 Banjara Hills, Hyderabad.
 Sri Raja Ramkran, Dhararam Mansions Banjara Hills, Hyderabad.

\_\_\_\_\_

(Transferor)

(2) Mrs. Girija Chandra Mohan, W/o Sri P. K. Chandra Mohan. H. No. 10-1-599 East Nehru Nagar, Secunderabad, 26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 1st boor Block No. 1 (750 Sq. ft) Kala Mansion at S. D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2551/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 162/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Plot No. 1 situated at S. No. 157/5 Thokata-Villg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on Oct-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Kodali Kutumba Rao, H. No. 134/2, South Lalagudo Secunderabad.

 Sri Kodali Chakradhara Ramaseshaiah, R/o Nush Villa, Tennese State, U.S.A.,

 Sri Kodali Raja Rao, —do— No. 2 and 3 being represented by S. No. 1, (Transferor)

(2) The Sri Balaji Co-opertative Housing Society, I.td., H. No. 39—Sarojini Devi Road, Secunderabad. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 in survey No. 157/5 situated at Thokata-Village, Secunderabad, admeasuring 4.25 Acrs., registered vide Doc. No. 2546/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

5. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-6-1980.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 163/80-81.—Wherelas, I, S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Plot 2 situated at S. No. 157/5 Thokata Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Oct-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. S/Shri Kodali Kutumba Rao, H. No. 134/2, South Lallaguda Secunderabad,

2. K. Chakradhara Ramaseshaiah,

 K. Raja Rao, both at U.S.A., No. 2 and 3 being represented by Sri K. Kutumba Rao, (Transferor)

(2) Sri Balaji Co-operative Housing Society, Ltd., 39-Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Plot. No. 2 in S. No. 157/5 at Thokata, village Secunderabad, admeasuring 40 Gunta, registered vide Document No. 2548/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN.
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No R.A.C. 164/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

I and Plot 5 situated at Thokatta-Villg Secunderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad on Oct 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforethaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- 1. Snt. Kočuli Suseelamma, W/o late K. Venkataratnam, R/o Akkiredygudem. Villg. Nuzwid-Tq, Krshna-Dist.
  - K. Sivarama Prasad both being represented by Sti K. Kutumba Rao, H. No. 134/2 South-Lalaguda, Village, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Sri Balaji Co-operative Housing Society, Ltd., H. No.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

39-S. D. Road, Secunderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Plot No. 5 in Survey No. 157/5, at Thokatta Village, Secunderabad, admeasuring 1,1/2 Acrs. registered vide Document No. 2547/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) QF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC. No. 165/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 125 & 128,

situated at 1-1-711/C Bakaram, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. V. Usha Reddy, W/o V. Sukender Reddy, 1-1-711. C at Gandhinagar, Bakaram, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. Amita W/o N. Suresh Reddy, R/o Near Sports Club, Domalguda, Hyderabad. (Plot No. 125, 128 in M. No. 1-1-711/C at Gandhinagar, Bakaram, Hyderabad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Plot No. 125 and 128 in M. No. 1-1-711/C, Gandhinagar Bakaram, Hyderabad, registered vide Doc. No. 6292/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 166/80-81,—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5, situated at Gaganmehal, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Oct. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1, Shri Satyavarath Arya, 2, Vijay Kumbr Arya, both at 1-10 Shiyajinagar, BHIR-431122.

(Transferor)

(2) Sri Y. Sanjeev Reddy, 3-6-469/1 Hardikar Bagh, Himayatnagar, Hyderabad-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of plot No. 5 situated at Gaganmahal—Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 6251/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-6-1980

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Rcf. No. RAC No. 167/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B-I/F8, situated by Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Indulal J. Parekh, S/o Shri Jayantilal,
 Smt. Bhanumati I. Parekh W/o Shri Indulal
 J. Parekh, R/o 4-1-581 A-6 Troop Buzar,
 Hyderabad,

(Transferor)

(2) Shri Durgadas S/o Shri Thakurdas, 4-1-436/C/A Hira Bill Bldg., King Kothi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B1/F8 forming part of M. No. 5-8-512 to 517 C Fourth floor at Chirag Ali Lane, Hyderabad, registered vide Document No. 5885/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad,

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-6-1980.

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 168/80-81.-Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5-9-22/42/9, situated at 3rd floor Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri V. Rajeshwar Rao, 8-2-350/5A, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri T. Rangaiah Chowdary, 5-9-22/42/9 at 3rd floor of Adarshnagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat on the 3rd floor of 5-9-22/42/9 at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 6265/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 169/80-81,—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-938/R-6 to R20 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Oct 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Krishna Construction Co., 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. G. Venkat Rao, 16-2-705/8/2 Akbar Bagh, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Hall in premises No. 4-938/R-6 to R-20 at Tilak Road, Hyderahad registered vide Document No. 5956 79 in the office of the loint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Ashalata W/o Laxhminarayan, H. No. 289-Lad Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sultan Jahan Begum, Alias Sultana, H. No. 5-9-161/B Chapal Road, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 170/80-81.—Whereas, 1, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to belief that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-9-29/A situated at Basheerbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as uforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double storeyed Building M. No. 5-9-29/A at Basheer Bagh, Hyderabad, registered vide Document No. 6340/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date · 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 171/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-4-579/3/2, situated at Barakatpura, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri B. V. Suresh, 5-8-52 Nampally Station Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Eshwar Chand Bahati, H. No. 3-3-744 at Esamia Bazar, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immowable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House M. No. 3-4-759/3/2 at Burkatpura, Hyderabad registered vide Document No. 6164/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-6-1980.

#### (1) Sri R. Jaganath Reddy, R/o Komavaram-Tq, Medak-Dist.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Sri D. Bashiah, 5-2-778 at Risala Abdulla Hyderabad. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Hyderabad, the 6th June 1980

publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 172/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

3-6-148/1 situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule appear

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Oct-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot in M. No. 3-6-148/1 at Himayatngar, Hyderabad, registered vide Document No. 6660/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta.s.,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6 6 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 173/80-81,—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 167 situated at Tilak Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. D. M. Kamala Baiamm, H. No. 2-2-1164/15/2 Tilaknagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Suguna Das, 11-6-174-Public Garden Road, Nampally, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 of the plot No. 16 on Survey No. 428, 429 at Tilak Nagar, Amberpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 6703/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-6-1980.

Seal ;

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 174/80-81.—Whereas, J, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.

5-9-299 situated at Gunfoundry, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Velji Bhar, 44 Zubu Cross land, Andheli, West-Bombay.
  - (Transferor)
- (2) Swastik Enterprises, 5-9-299-Gunfoundry Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 2509 Sq. Mets. in M. No. 5-9-299 at Gunfoundry, Hyderabad, registered vide Document No. 6492/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-6-1980,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th June 1980

No. A.F. No. 1049.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 58-6-5 situated at Santhapeta, Ongole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Ongole on October, '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kanchumarthi Sethakoti Meenakshamma, W/o Narashmharao, Lingampalli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) (i) S/Shri Katuri Venkata Narayana Babu, (ii) Katuri Narayana Pratap, S/o Narayanaswamy, Katemvaripanam, Podili Tq.

(Transferce)

Objections, if any, of the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2935 dated October, '79 registered before the S.R.O. Ongole.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-6-80.

(1) Shri Kolluri Venkataratnam, S/o Narasimhan, Guntur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th June 1980

No. A.F. No. 1050.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-14-98 situated at Pattaphipuram Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on October '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Vemulapalli Ramanamma W/o Seetharamaiah. PENUMUDI, Repalle Tq. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 5630/79 dated October, '79 registered before the S.R.O. Guntur.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: 19—166GI/80

Date: 12-6-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th June 1980

No. A.F. No. 1051.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. . . situated at Karrivaristreet, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kakinada on October '79

with the object of :-

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pimisetti Raghava Rao, S/o Tatabbai, Karrivari Street, Kondayyapalem, Kakinada.

  (Transferor)
- (2) Shri Golagabattula Viswanadha Nehru, S/o Veeraghavulu, Kamaladevi Street, Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 7604 dated October, '79 registered before the S.R.O.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-6-80.

(1) Shri Kadiyala Suryaprakasamma, Penumanchili.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Konepalli Muralikrishna, Kodamanchill, Nara-sapur Tq. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 12th June 1980

No. A.F. No. 1052.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.——situated at Kodamanchili Narasapur Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Achanta on October '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dateof publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1448 dated October '79 registered before the S.R.O. ACHANTA.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-80.

- (1) Smt. Vaddi Venkata Ratnam, W/o Ramarao, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Annu Bala Rami Reddy, S/o Ramana Reddy, D. No. 11-6-3, Narasaraopet, Guntur District.

  (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th June 1980

No. A.F. No. 1053.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-6-3 situated at Narasaraopet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasaraopet on October, '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4872/79 dated October '79 registered before the S.R.O. Narasaraopet.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-6-80.

FORM ITNS----

(1) The Vizag Timber Yard-Represented by Parter Shri A. Shankara Rao, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th June 1980

Ref. No 1054.—Whereas, J, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10-4-20 situated at Waltair Ward, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Visakhapatnam on October '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) M/s. Dhannajaya Hotels Pvt. Ltd., Rep. by Managing Director: Sii Ramalinga Raju, 5-9-12, Saifabad, Secretariat Road, Hyderabad-500004. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule of the property is as per the Registered Document No. 7816/79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam During the Fortnight ended 15-10-79.

> S. GOVINDARAJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-6-80.

(1) M/s Bommidala Purnaiah, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Hommidala Bros Ltd, Guntur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 12th June 1980

A.F. No. 1055.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. S. No. 616/A2 situated at Medarametla village Prakasam district.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Addanki on October' 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

occrsons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2262/79 dated October, 1979 registered before the S.R.O. Addanki,

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-6-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 175/80-81.—Whereas, I, S, GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land S. No. 44/1 situated at Miyapur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri K. Gyaneswar Rao,

Sri M, V. Subba Rao,
 Sri K. Seetiah Gupta,

5. B. Raghuverriah,
6. B. Ramachander Rao,
7. B. Gnaneswara Rao, being G.P.A. B. Ramchander Rao,

8. M/s Lakshmi Enterprises,

Represented by its 9. M/s Matrusri Enterprises, Managing Director Sri M. Suryanarayana Rao, R/o Barkatpura, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Matrusri Co-operative House Building Society, Ltd. T.B.C. No. 194-D-104, Ist?floor Matrusri Apartments, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within to period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land bearing M. No. 44/1 to the extent of 130 Acrs. situated at Miyaanpur Village, Hyderabad-West-Tq, registered vide Document No. 2530/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-.ax, Acquisition Range, H./derabad.

Date: 13-6-1980.

Scal:

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 176/80-81.—Whereas, I, S, GOVINDARAJAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 1830 sq. yds. situated at Old Malakpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:—

 D<sub>T</sub>. H. Syed Ali, S/o late Janab Syed Hussain, International Cancer Centre, Heyyabor, Tamilnadu.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Khatija, W/o Dr. A. M. Hisar Syed, No. 7987, Hollywoodway, "Sun Valley", California, 91352, U.S.A.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that land with compound wall and a servant room admeasuring 1830 sq. yds. situated at Old Malakpet, (Chenchalguda) Hyderabad, registered vide Document No. 5925/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-6-1980.

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 177/80-81.--Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 6 situated at Shamshabad, Rangareddy-Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-West on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---20-166GI/80

(1) Smt. Hussaini Begum, W/o late Mohd Khasim Saheb, H. No. 17-7-665, Dabeerupura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) S/Sri 1. Bhavabuti Bhai Nani, Bhai Patel,

Bhupendrabhai Manibhai Patel,

3. Smt. Pushpaben Mahenderbhai Patel,

 Suryakant Gordhanbhai Patel,
 Raojibhai Tolshibhai Patel, all residing at H. No. 1-34 Shamshabad, Hyderabad-Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land in survey No. 6 admeasuring 14 Acres 28 Guntas, situated at Shamshabad, Rangareddy-Dist, registered vide Document No. 2332/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-6-1980.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Rcf. No. RAC. No. 178/80-81—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exeeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 10/1 situated at Seetharampur-Village Bowenpally,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on October 1979,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the uprposes of the Indian Lncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri B. Vijayender Reddy, R/o Bowenpally, Contonment Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Padmashali Cooperative House Building Society, Ltd., H. No. 1-4-27/71 at Bholakpur, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 7260 Sq. Yds in survey No. 10/1 situated at Seetharampur-Village, Bowenpally, Secunderabad, registered vide Document No. 2495/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 179/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land S. No. 10/1 situated at Scetharampur-Village Bowenpally,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri B. Vijayender Reddy, S/o late Dr. B. Pulla Reddy, R/o Bowenpally, Contonmen., Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Padmashali Co-operative House Bullding Society, Ltd. 1-4-27/71 Bholakpur, Secunderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land in survey No. 10/1 situated at Scetharampur-Village Secunderabad, registered vide Doc. No. 2394/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980 Ref. No. RAC. No. 180/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 10/1 situated at Seetharampur Village Bowempally, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the Office of the Registering Officer

at Secunderabad on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri B. Vijayender Reddy, S/o Dr. B. Pulla-Reddy, R/o Bowenpally-Contonment, Secunderabad.

  (Transferor)
- (2) M/s The Padmashali Cooperative House Building Society, Ltd., 1-4-27/71 at Bholakpur, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agriculture land 7260 Sq. Yds. in Seethrampur-Village survey No. 10/1, Bowenpally, Contonment, Secunderabad, registered vide Document No. 2486/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-6-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISI'I ION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 181/80-81.—Whereus I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 101/3 situated at Miyapur-Village Hydera-bad-West.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. Narayan Rao, S/o late Nagaiah, and others C/o Ravindra Hotel, at Troop Bazar, Hyderabad.

  (Transferor)
- (2) Sri A. V. V. K. Prasad Rao, S/o R. Rama Rao, R/o Pasivedla, Village, Kouvur-Tq, West-Godawari. Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in survey No. 101/3 situated at Miyanpur-Village, West-Tq, Rangareddy-Dist., registered vide Document No 5828/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONNER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 182/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5-75 situated at Chaitanpapuri, Kothapet, Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conce liment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri V. Shyamala Rao, H. No. 3-6-750 at Himayatngar Hyderabad. (Transferor)
- (2) M/s Gayatri Electronics, Represented by Proprietor, Sri T. Chandramowli, H. No. 414, Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building No. 5-75 situated at Chaitanyapuri, Kothapet, Village Hyderabad-East, registered vide Document No. 9973/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-6-1980.

Scal:

(1) Sri Om Prakash Sarada, 21-3-146, Tagarika Naka, Hyderabad.

(Transferor)

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. K. Dropati Bai, W/o Sri Ramswaroop, 14-2-398/8 Razzakpura, Goshamahal, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 183/80-81.—Whereas 1, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-5-57/10 situated at Kattalmandi, Goshamahal, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 5-5-57/10, at Kattalmandi, Goshamnhal, Hyderabad, registered vide Document No. 6178/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

11. No. 52/1 at Lullanagar, Pune-1. (Transferor)(2) 1. Herbert Sampson Samuel,

(1) Lt. Col. Niranjan Singh, S/o S. Hazara Singh,

Herbert Sampson Samuel,
 Edma Samuel,
 both at H. No. 91-Lallaguda, Secunderabad.
 (Transferee

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 184/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-151, situated at Kapera, Medchal-Tq,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Medch laon October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

House No. B-151 (G.P.No. 5-63) plot No. B-151, area 573 Sq. Yds. survey No. 601, at Kapra, Village, Medchal-Tq., Rangareddy-Distt., registered vide Document No. 2185/79 in the office of the Sub-Registrar Medchal.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1980.

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Nagendra Nath Chattapadhaya.

(Transferor)

(2) Shri Dulal Ch. Roy & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1980

Ref. No. AC-7/R-11/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23, situated at Acharya Prafullaya Ch. Avenue, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—166GI/80

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 2 K. with building situated at 23, Acharya Prafulla Chandra Avenue under P.S. Dum Dum. More particularly described in deed No. 1095.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 12-5-1980

(1) Sri Nirmal Chandra Dutta, 40A, Karaya Road, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. ASAPCA (India) Pvt. Ltd., 97/3, Naskarpara Road, Ghusuri, Dt. Howrah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 21st May 1980

Ref. No. AC-15/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, I, V, S, JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 40, situated at P. S. Jhargram Dt, Midnapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jhargram on 30-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and percel of land measuring 6-Bighas, 11-Cottals land with building situated at Plot No. 40, Mouza Khash jungle No. 249, P.S. Jhargram, Dt. Midnapur, more particularly as per deed No. 5607 of 1979.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-IV, Calcutta

Date : 21-5-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-IV, CΛLCUTTA

Calcutta, the 21st May 1980

Ref. No. Ac-16/R-IV/Cal/80-81.— Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

97. situated at Bejoy Krishna Street, Uttarpara (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:—

(1) Sri Indu Bhusan Banerjee, 36/3, Jatin Das Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) S/Shri Swapan Kumar Bancrjee, Samir Kumar Bancrjee and Anjan Kumar Bancrjee, All of 98. Bejoy Krishna Street, Uttarpara. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11-Cottahs with building situated at 97, Bejoy Krishna Street, Uttarpara, Dt. Hooghly, more particularly as per deed No. 5417 of 1979.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquistion Range-IV, Calcutta

Date: 21-5-1980

(1) Shri Madan Mohan Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Sumit Kumar Daw (Minor).

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1980

Ref. No. 698/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, 1, 1. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2, situated at Synngogue Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in land of area 4 cottahs 7 chittacks 15 sq. ft, together with structures thereon situated at 2, Synagogule Street, Calcutta.

J. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Iuspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-III, Calcutta

Date: 26-5-1980

(1) Shri Madan Mohan Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anjan Kumar Daw.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1980

Ref. No. 699/Acq.R-IJI/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 2, situated at Synagogue Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in land of area 4 cottahs 7 chittacks 15 sq. ft. together with structures thereon situated at 2, Synagogue Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-III, Calcutta

Date: 26-5-1980

(1) Shri Madan Mohan Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shyamal Kumar Daw.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1980

Ref. No. 700/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2, situated at Synagogue Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-10-1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in land of area 4 cottahs 7 chittacks 15 sq. ft. together with structures thereon situated at 2, Synagogue Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 26-5-1980

(1) Shri Madan Mohan Dutta.

(Transferor) (Transferee)

(2) Shri Sanjoy Kumar Daw.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-II,

# CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1980

Ref. No. 701/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2, situated at Synagogue Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in land of area 4 cottahs 7 chittacks 15 sq. ft. together with structures thereon situated at 2, Synagogue Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 26-5-1980

(1) Sri Krishna Chandra Scal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Sri Ashim Kr. Basu & Others.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 6th June 1980

Ref. No. Ac-8/R-II/Cal/80-81.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

154, situated at Bangur Avenue

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 12-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 3Ks. 8Chs. 31sft. situated at premises No. P-154, Bangur Avenue, Block "A", Calcutta-55, under P. S. Lake Town, more particularly described in Deed No. 5516.

> 1. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta

Seal:

Date: 6-6-1980

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Dibakar Mitra.

(Transferor)

(2) Smt. Anjali Nag.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 6th June 1980

Ref. No. Ac-9/R-II/Cal/80/81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

221/6/252 situated at Banamali Naskar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-10-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

22-166GJ/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 51.s. 13Chs. 15sft. situated at 221/6/252 Banamali Naskar Rd. under P.S. Behala. More particularly described in Deed No. 5495.

J. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 6-6-1980

(1) Sri Chittaranjan Goswami.

(Transferor)

(2) Sri Kanai Lal Kundu & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th June 1980

Ref. No. Ac-10/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

21, situated at Adhar Chandra Das Lane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 15-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 2108.59-sq. ft. situated at 21, Adhar Chandra Das Lane, Calcutta under P.S. Ultadanga. More particularly described in deed No. 5406.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 10-6-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th June 1980

Ref. Ac-17/R-JV/Cal/80-81.—Whereas, I, I, V, S, JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 215, situated at Anchal Rood, Jalpaiguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalpaiguri on 15-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Janki Debi,
 W/o Motilal Gupta,
 Siliguri Alupatti,
 P.S. Siliguri, Dt. Darjeeling.

(Transferor)

(2) Sri Deo Chand Bhansali C/o M/s Friends Timber Department, Sevoke Road, Siliguri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 33 decs. situated at Mouza Debgram Dt. Jalpaiguri, more particularly as per deed No. 2964 of 1979.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 10-6-1980

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th June 1980

Ref. No. Ac-18/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 215, situated at Anchal Road, Jalpaiguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalpaiguri on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Radhika Devi W/o Shyam Sunder Gupta, Alupatti, P.S. Siliguri, Dt. Darjeeling.

(Transferor)

(2) Sri Deochand Bhansali, C/o, Friends Timber Deptt., Sevoke Road, Siliguri.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 33 dees, situated at Mouza Debgram, Dt. Jolpaiguri, more particularly as per deed No. 2963 of 1979.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 10-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th June 1980

Ref. No. Ac-19/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, J. I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 5, situated at P.S. Jhargrom, Dt. Midnapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhargram on 18-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nirmala Devi, W/o, Ram Krishna Bandopadhaya Vill. Parulia, P.S. Debrajpur, Dt. Birbhum.

(Transferor)

(2) Sri Amaresh Ch. Bhattacharjee, Nutendihi, Jhargram, Dt. Midnapur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and patcel of land measuring 20-dec. with building situated at P.S. Jhargram, Mouza Nutandihi, Dt. Midnapur, more particularly as per deed No. 5577 of 1979.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 10-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th June 1980

Ref. No. 507/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 518 B situated at Jodhpur Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alipore on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Sukhamoy Chakraborty.

(Transferor)

(2) Smt. Minakshi Chanda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that two storeyed building containing a land area of 2 tottehs 24 chattacks situated at 518 B. Jodhpur Park, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 16-6-1980,

Scul:

(1) M/s. Aikyanir Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Dheritri Devi.

(Transferec)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th June 1980

Ref. No. 710/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 situated at Beltala Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided one-fourth share in the recast land admeasuring 3 cottahs 1 chittack 39 sq. ft, being portion of premises No. 4, Beltala Road, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 26-6-1980.

(1) M/s, Aikyanir Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Runa Chatterjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 26th June 1980

Ref. No. 709 Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 situated at Beltala Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided one-fourth share in the recast land admeasuring 3 cottahs 1 chittack 39 sq. ft. being portion of premises No. 4, Beltala Road, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 26-6-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th June 1980

Ref. No. 708/Acq. R-III/80-81/Cul.—Whereas. I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4 situated at Beltala Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 16-10-1979

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23--166G1/80

- (1) M/s. Aikyanir Co-operative Housing Society Ltd.

  (Transferor)
- (2) Smt. Ratna Benerjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided one-fourth share in the recast land admeasuring 3 cottahs 1 chittack 39 sq. ft. being portion of premises No. 4, Beltala Road, Calcutta,

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 26-6-1980,

Seal;

(1) M/s. Alkyanir Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Ranjana Chatterjee.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th June 1980

Ref. No. 707/Acq. R-III/80-81/Cal.---Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

4 situated at Beltala Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 16-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this coefficient in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the idate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used chartin as are defined in Chapter XXX of the eals Act, shall "have the same meaning us given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided one-fourth share in the recast land admeasuring 3 cottans 1 chittack 39 sq. ft. being portion of premises No. 4, Beltala Road, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 26-6-1980,

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961; (45 OF 1961)

### GOVERNMENT, OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th May 1989

No. AR-II/2891-19/Nov.79.—Whereas, I, A. H. Tejale, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old S. No. 177 (pt.), Plot No. 13 Daulat Nagar, Borivili situated at Eksar Village

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 26-11-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Maganlal Sunderji

(Transferor)

(2) Shri Jayaben Waghji Shah

(Transferce)

(3) Names of Tenants

1. Maneklal Eshwarlal Shah

Jayantilal Kocharabhai

3. Rajendra Kumar Kesarimal Salgya

4. Premilaben Jayantilal 5. Amritlal Dhanjibhai

Vijayaben Gaurishankar Vinay Jaindas Vera

8. Pravinohandra Nandlal Parekh

9. Chandravadan Hiralal Dholakia 10. Eiralal Baichand Dholakia

11. Champaklal Chhotalal Kapadia

12. Shantilal Abashankar Pandya

13. Himmatlal Chonilal Shah

Kanakrai Chootalal Gopani
 Ramaben Mastfatlal

16. Garage-Jayantilal Kacharabhai.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-937/79 and registered with the sub-registrar, Bombay as on 26-11-1979.

> A, H. TEJALE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date 15-5-1980

Sccl :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th June 1980

Ref. No. AR-I/4288-6/Nov.79.--Whereas, 1, P. L. ROONGTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New Survey No. 984, C. S. No. 112(Pt.) situated at Fort

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 19-11-1979 Document No. Bom./180/73 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/:r
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- Shri Jehangir B. Jeejeabhay Jehangir Homai Jeejabhoy
- (2) M/s. Abbay Builders Pvt, Ltd.

(Transferor). (Transferee)

- (3) I. Shri S. D'Souza (Mahendra-Cleaners)
  - 2. Shri Narayan R. Rane
  - Shri Hassan Hussein

  - 4. Vijay Trading & Mfg. Co.
    5. Shri Asparadia T, Iranl
    6. Shri Fardoon N. Murshall
    7. Allied Offices Services Institute

  - 8. Shri Y. C. Dadhawala

(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 180/73 and registered on 19-11-1979 with the sub-registrar,

P. L. ROONGTA Competent Authority, Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Bombay

Date: 28-6-1980

Form I.T.N.S .--

1. Navin Kasturilal Sahani Smt, Scema Navin Sahani

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) 1. Shri Mohamed Yakub Rajmohamed Shipra

#### 2. Moosa Gulam Rasul Abdula Ebrahim.

(Transferces)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 30th June 1980

Ref. No. AR-I/AP.319/80-81.—Whereas, I, P. L. ROONGTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and bearing

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 25, 27, Bora Cross Lane, C.S. No. 206 situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 19-11-1977 Document No. 826/77 (Bombay)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 826/77 Born, and registered on 19-11-1977 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. L. ROONGTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range I, Bombay

Date: 30-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE [

Bombay, the 30th June 1980

Ref. No. AR-I/AP 317/80-81.--Whereas, I, P. L. ROONGTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 477/6 situated at Sion

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 19-11-1979

\*Document No. 858/71(Bom)

for an apparent consideration which is

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. C. Lala

(Transferor)

- (2) The Premkutir Cooperative Housing Society Limited.

  (Transferee)
- (3) Members
  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 858/71 (Bom) and registered on 19-11-1979 with the Subregistrar, Bombay.

P. L. ROONGTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range I, Bombay.

Date: 30-6-80.

#### (1) Adi J. Katgara, Nariman J. Katgara

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M/s. K. F. Enterprise

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE 1

Bombay, the 1st July 1980

Ref. No. AR-J/4310-27/Nov.79.—Whereas, I, P. L. ROONGTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 22, 23, 36 to 39 situated at Colaba Document No. 2838/72/Bom

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration at Bombay on 28-11-1979\*

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(3) Mr. Manek V. Hodiwala, Eruch B. Hadiwala, Mis. Mota Framroze Hodiwala, Mrs. Daisy P. Shroff. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2838/72/Bom and registered on 28-11-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquistion Range I, Bombay.

Dute: 1-7-1980

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1980

Ref. No. AR-11/2916-7/Dec.79.—Whereas, I, A, H. TEJALE.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 477, H. No. 2, C.T.S. No. 414, Plot No. 3 situated at Malad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Jhaveri Construction Co.

(Transferor)

(2) Rekha Niketan Co-op, Hsg. Sdc. Ltd.

(Transferee)

(3) Members of the Rekha Niketan Co-op, Hsg. Soc. Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as menitoned in the registered deed No. S-2487/78 and registered with the Sub-registrar at Bombay on 17-12-1979.

A. N. TEJALE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-7-1980

FORM ITNS----

(1) Kanwar Raj Kakar, Smt. Saroj Kakar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Ramchandia V. Beheray
 2. Prakash R. Beheray
 3. Sharad V. Beheray

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1980

Ref. No. AR-III/AP. 348/80.—Whereas I, P. L. ROONGTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 84(MIDC)

situated at Kondivitta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Bombay on 6-12-1979, Document No. S-877/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons. namely :---24-166GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-877/79/Bom and registered on 6-12-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. L. ROONGTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-7-1980

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th May 1980

GIR No. O-14/Acq.—Whereas I, Ref. No. BISEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Half part of House No. 477 including land, situated at Mohalib, New Mumfordganj, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 12-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesnid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incor a-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Damodar Lal Gupta.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Jaiswal. S/Shri

I. B. K. Singh

(4) Seller.

Rudra Piutap Singh
 S. P. Pandey

5. F. Fandey
4. Girjapati Shukla
5. Dinesh Mani Tripathy
6. Shesh Mani Tripathy
7. R. N. Tripathy

(Transferee)

(3) Above seller and tenants.

[Person in occupation of the property]

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested i nthe said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half part of House No. 477 including land, area 222.76 sq. mtrs. situated at Mohalla-New Mumfordganj, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the Form 37G no. 5356 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 12-12-1979.

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 17-5-1980

(1) Smt. Kartar Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

#### (2) Shri Hari Prasad.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th May 1980

Ref. No. GJR No. H-33/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Lease-hold plot No. 2, area 7300 sq. ft., situated at Moti Jheel, Aish Bagh Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 4-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One lease-hold plot of land measuring 7300 sq. ft. situated at Moti Iheel, Aish Bagh Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6900 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 4-12-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-5-1980

#### FORM ITNS ---

POTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th May 1980

Ref. No. G.I.R. P-79/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Multi-storeyed pucca house including land situated at Mohalla Matbarganj, Azamgarh

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Azamgarh on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Hira Khatik
  - 2. Jawahir Khatik
  - 3. Smt. Budhni.

(Transferors)

- (2) 1. Pankaj Shrivastava2. Dhiraj Shrivastava
  - 3. Suraj Shrivastava.

(Transferces)

- (3) Above seller and tenants.
  - 1. Shri Bansgopul Lal Verma
  - 2. Shri Tej Bahadur Singh,

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A multi-storeyed pucca house including land, area 2660 sq. ft. situate at Mohalla Motbarganj, Azamgarh, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 3443 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Azamgarh, on 22-11-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I,

#### H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Rcf. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/617,---Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4/5 situated at Kalkaji New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sardar Bikram Singh Gulerya 4/5, Kalkaji Extn. New Delhi-19.

(Transferor)

(2) D1. Kamlesh Kumari Gupta W/o Sh. A. Kumar D/64(A) Huaz Khas New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 4/5, Kalkaji New Delhi-19.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-l, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/627.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-321, situated at Greater Kailash II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arun Kumar, 4818, Mathur Lane, 24, Darya Ganj, New Delhi-110 002.

(Transferor)

(2) Shri Gurdip Singh, A-30-D, D.D.A. Flats, Munirka New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No S-321, measuring 300 sq. yds. situated in Greater Kailash II New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110902

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/11-79/1225.---Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-27 situated at Jhilmil Tahirpur Indl. Estate, G.T. Road, Shahdara, Delhi-32,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Taneja Engineering Works B-27, Jhilmil Tahirpur Industrial Estate, G. T. Road, Shahdara Delhi-32 through in prop. S. Jaswanti Singh. (Transferor)
- (2) Shri Madho Pershad, Mr. Kishan Fershad and Shri Sudesh Pershad sons of Shri Sheo Pershad, 356, Naya Bans, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Factory building No. B-27, Jhilmil Tahirpur Industrial Estate, G. T. Road Shahdara Delhi-32, having an area of 1260 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, H-BI.OCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

> > New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/1657.---Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. M-3, situated at Hauz Khas Enclave New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Satish Bhatnagar, Smt. Asha Cairo and Miss Saroj Bhatnagar son and daughters of Late Sh. Bhagwan Sarup Ro M-3, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferors)

(2) M/s Amrit E.tates P. Ltd. A-3, Kailash Nagar, Kailash Colony New Delhi through Director Sh. Balbir Singh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storey house No. M-3, measuring 100 sq. yds. situated at Hauz Khas Enclave New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

> > New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/719.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-192, situated at Greater Kailash Part II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
25—166GI/80

- (1) Shri Bal Ram Yadav, Shri Rajesh Yadav, both r/o 13/2, Shakti Nagar Delhi.
  (Transferor)
- (2) M/s Delite Builders, A-2/140, Safdarjang Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. S-192, Greater Kailash Part II New Delhi measuring 300 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980.

Seal;

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/664.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Agrl. land 16 bigha 16 biswas situated at with Farm House in village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979,

for an apparent consideration which

It is than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Her Highness Rajmata Krishna Kumari Wd/o late Highness Maharaja Shri Ranwant Singh of Jodhpur through her attorney Chandresh Kumarl W/o Tikka Aditya Deochand Katoch, S-43, Greater Kailash-I. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Alfa Impex P. Ltd. B-92, Himalaya House, 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Agricultural land area 16 bigha 16 biswas Khasra Nos. 469(4-16), 470(4-16) 468/1(2-8), 409(4-16) alongwith Farm House situated in village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date ; 23-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/11-79/683.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 9 situated at DLF Commercial Complex, Greater Kailash II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred unde rthe Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Satya Paul & Bros., G-12, South Extension I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Design Partnership, 129, Sunder Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 9, DLF Commercial Complex Greater Kailash II, New Delhi measuring 579.82 sq. ft.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (2) M/s Bharat Petrolcum Corporation Ltd., 28, Kas-

Road, Calcutta.

(Transferor)

tturba Gandhi Marg, New Delhi.

(1) Smt. Mauorma Mehta W/o A. B. Mehta, 61 Scagull, Carmaichel Road Bombay & Mrs. Dolly Misia W/o S. K. Misra, 19, Ballygunge, Circular

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I.

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE **NEW DELHI-110002** 

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/11-79/666,—Whereas, J, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M/28, situated at Greater Kailash I New Delhi (and more fully described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-11-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing M.C.D. No. 28 Block-M constructed upon freehold plot of land measuring 500 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash l New Delhi bounded as under :-

East Plot No. M-30, West: Plot No. M-26. South: Service Lane. North: Road.

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELIII-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/J1-79/690.—Whereas I,

R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S-411 situated at Greater Kailash II New Delhi,

(and more fully described in the Schedule appexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Harbans Lal Kwatra S/o Sh. Sant Ram, M-166, Greater Kailash II New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh S/o Nihal Singh C/o M/s Virmani & Associates, E-I, Connaught Place, New Delhi.

(Trans erec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 411 in S Block measuring 300' q. yds. in the residential colony known as Greater Kailash II situated at village Bahapur New Delhi bounded as under:

East: Road.
West: Service Lanc.
North: Plot No. S-409.
South: Plot No. S-413.

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq.-1/SRIII/11-79/691.—Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-196, Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-11-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Amarjit Singh Sandhu S/o Shri Chanan Singh through his attorney Shri Hardayal Singh S/o Shri Chanan Singh R/o No. 2, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Arvind Luther S/o Lt. Col. T. N. Luther R/o C-196, Greater Kailash J, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building built on plot of land measuring 300 sq. yds. (250.83 sq. mts.) bearing Number 196 in Block No. "C" located in the residential colony of Greater Kailash Part I New Delhi bounded as under:—

East : Road.

West: Service Lane North: House No. C-198. South: Plot No. C-194.

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

> > New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRIII/11-79/685.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. B-168, situated at East of Kailash (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-11-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) Shri Kundan Mehta, B-168, East of Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. AGN Kurade, Mrs. Suman Kurade, Master Sangam Kurade, Master Sagar Kurade R/o 168-B, East of Kailash, New Delhi. (Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. B-168, East of Kailash, New Delhi measuring  $400 \, \text{sq.}$  yds.

R. B. L. AGGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980.

[PART III—SEC. 1

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/645.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-484 situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bimla Sood W/o C. P. Sood 7/17, Roop Nagar Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Harminder Singh S/o S. Sohan Singh C/o Pal Associates, G-48, Green Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. E-484, Greater Kailash II New Delhi measuring 459 sq. metres.

R. B. L. AGGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISHTON RANGET.
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. FSTATE
NEW DETHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/622.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAI.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-260 situated at Greater Kadash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on November 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—166GI/80

 Mohammad Yusaf Tramboo, Mohammad Iqbal & Smt. Posha Begum all R/o 6 Rajbagh, Srinagar, Kushmir.

(Transferors)

(2) Shri Bishamber Nath Kochhar and Smt. Edna Kochhar R/o E-104 Masjid Moth, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Plot No. B-260, situated in Greater Knilash I, New Delhi measuring 260.22 sq. mts.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/639.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-28, situated at Greater Kailash II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harbans Kaur Puri W/o S. Lakhinder Singh Puri, C-139, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- Shri Rajinder Nath Kalia, 2529, Chamanwara, Tilak Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two and half storey building built on freehold plot of land measuring 250 sq. yds. bearing No. E-28, Greater Kailash Part II New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/662.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land mg. 3 bigha situated at village Sultanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dalbir Singh S/o S. Charan Singh, R/o National Pultry Farm, Vill. Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.
- (2) Mrs. Salochna Devi W/o Ram Narain & Mrs. Salojna Devi W/o Banarsi Ram 4501/14 Gali, Bhagat Singh Saheed, Paharganj, New Delhi-55.

  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 3-bighas Khasra No. 238/2 (2 bigha) 238/3/1 (6 biswas), 238/3/3 (7 bighas), 238/3/2 (7 biswas) Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 23-6-1980

 Dr. Dashrath Ojha S/o Pt. Ram Dass Ojha R/o 2-Ram Kishore Road, Civil Lines Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) International Society for Krishna Consciousness, Feroz Gandhi Road, Lajpat Nagar III, New Delhi, (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SRIII/11-79/625.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-119, situated at Greater Kailash I New Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 13-11-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property M-119, Greater Kailash I New Delhi built on a plot of land measuring 516 sq. yds, bounded as under :--East—Road 30 ft.
West—Property No. M-117

North-Service Lane

South-Road 30 ft.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

New Dolhi, the 10th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-79/5964.—Whereas, I, Mis. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 51 situated at Rajpur Road, Civil Lines Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on November 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kailash Wati, Sh. Gokal Chand Khanna, Rejan Chand Khanna, Pradcep Kumar Khanna, Ashok Kumar Khanna all R o 17, Alipur Road, Civil Lines Delhi.
- (Transferor)
  (2) Shri Om Prakash, Maya Devi, Subhash Chander,
  Smt. Kiran Kumari, Smt. Asha Rani,
  Smt. Ram Chameli R/o 42, Tagore Park,
  Model Town, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bunglow No. 51 Rajpur Road, Civil Lines Delhi measuring 4133.33 sq. meters.

Mrs. S. K. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 10-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD.

Ahmedabad, the 6th March 1980

Ref. No. P.R. No. 894 Acq. 23-II/14-7/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 78, Sheet No. 130 situated at Patan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patan on 7-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Thakore Chaturji Nathaji; Abuwalanu Dehlu, Near V. K. Bhula High School, Station Roed, Patan.

(Transferor)

 President: Devpurinagar Coop. Housing Society. Patan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property being open land admeasuring 3 Acres and 21 gunthas situated at S. No. 78, Patan and fully described as per sale deed No. 2573 registered in the office of Sub-Registrar, Patan on 7-11-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6th March, 1980,

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OFINCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD, PUNE-411 009.

Punc, the 30th June 1980

Ref. No. CA5/SR. Thane/Nov. '79.—Whereas, I A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Thane Tika No. 16, C.T.S. No. 50 situated at Naupada, Thanc

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thene on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Parsharam Damodar Vaidya, Talao Pali, Jambli Naka, Thane-1, Now residing at: 2001, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Jaganath Dhondu Jadhav, Dr. Ambedkar Chowk, Shivaji Path, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situated at Thane Tika No. 16, C.T.S. No. 50, Adm. 760-87 sq. mts. at Naupada, Thane.

(Property as described in the sale-deed No. 65, dt. Nov. 1979 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Aange, Pune.

Date: 30-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ANJIPARAMBIL BLDGS.

ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 14th July 1980

Ref. No. L.C. 416/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagmohandas VI/967, Boat Jetty Road. Cochin-2.

(Transferor)

(2) Shri K. V. Mathew Kattookkaran House, Banerji Road, Cochin,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

23.529 cents of land as per schedule attached to doc. No. 3608/79.

V. MOHANLAI.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 14-7-1980

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

# COMBINED LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1980

New Delhi, the 26th July 1980

No. F 9/8/79-EI(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for the Section Officers' Grade and Stenographers' Grade I/Grade B of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission commencing on 17th December, 1980 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, GANGTOK, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the M/O Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated 26th July, 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCE-MENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION. (see Annexure-I para 8).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below:—

Category I

Section Officers' Grade of the—\*
Central Secretariat Service.

Category II

Section Officers' Grade [Integrated Grade II & III) of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Branch "B"

-15 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes and 1 reserved for Scheduled Tribes)

Category III

Section Officers' Grade of the — 2\*\*
Railway Board Secretariat Service.

Category IV

Grade B of the Central Secre- —\* tariat Stenographers' Service

Category V

Grade I of the Stenographers' --\*
Sub-cadre of the Indian
Foreign Service Branch 'B'

Category VI

Grade 'B' of the Armed Forces —\* Headquarters Stenographers Service.

#### Category VIII

Section Officers' Grade of the 4 (Includes 1 vacancy reserved fo Intelligence Bureau Scheduled Tribes)

The above number is liable to alteration.

- \*Vacancies not intimated by Government.
- \*\*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed be the Government of India.
- 3. A candidate who is eligible for two Categories of Services (c.f. Rule 3) and wishes to compete for both, need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in the Annexure once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.
- N.B. Candidates must indicate clearly in their applications the Category/Categories for which they are competing. Candidates comneting for two Categories should specify in their applications the two Categories in the order of preference. No request for alteration in the order of preferences for the categories originally indicated in his application by a candidate competing for 2 Categories would be considered unless the request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, 27—1 66GI/80

Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The Prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Sccretary, Union Public Service Commission, Dholpur House. New Delhi-110011, by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Oflice. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

Note.—Candidates are warned that they must submittheir applications on the printed form prescribed for the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1980. Applications on forms other than the one prescribed for the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1980 will not be entertained.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by post or by personal delivery at the counter on or before the 15th September, 1980 (29th September, 1980 in the case of candidates residing abroad, in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J&K State, from a date prior to 15th September, 1980) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed

date will be considered.

A candidate residing abroad, in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J&K. State, may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad, in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J&K State, from a date prior to 15th September, 1980.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

#### APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS RE-QUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

- 7. If any candidate who took the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1979 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results of the 1979 Examination. If his name is recommended for inclusion in the Select List on the results of the 1979 Examination, his candidature for this Examination will be cancelled on request and the feo refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the commission's office within a month from the date of announcement of the final results of the 1979 Examination.
- 8. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee naid to the Commission will be entertained except as provided above, nor oan the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REOUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDA-TURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

10. The question paper on General Studies as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rule will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests, including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Amexure II.

R. S. AHLUWALIA, Dy. Secy. Union Public Service Commission.

#### ANNEXURE-

#### Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

- A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.
- 2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Head of Office concerned, who will verify the relevant entries and complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft or Indian Mission Receipt for the prescribed fee. (See para 6 of Notice)
  - (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cms x 7 cms approx.) photograph of the candidate one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
  - (iii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable. (See para 4, below).
  - (iv) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPY OF CERTIFICATE MENTIONED IN ITEM (iii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR EVALUATION OF RECORD OF SERVICE OR FOR SHORTHAND TEST, AS THE CASE MAY BE, ON THE RESULTS OF THE WRITTEN FXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE, MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1981. CANDIDATES SHOULD KEEP THIS CERTIFICATES IN READINFSS AND SUBMIT IT TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN FXAMINATION, THE CANDIDATURE OF CANDIDATE WHO FAIL TO SUBMIT THE RECUIPED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL BE CANCELLED AND THE CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) and (ii) are given below and of those in item (iii) are given in para

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Ra. 28.00. Rs. 200 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that Country who should be asked to credit the amount to the account head '051. Public Service Commission—Examination fees'. The candidate should forward the receipt from that office with the application.

- (ii) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cms. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraph 3(i) and (ii) above, is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. (i) A candidate claiming eligibility for admission to the examination in terms of Rule 3(b) should submit along with his application an attested/certified copy of a certificate from the Ministry of Defence, to show that he joined the Armed Forces on or after 26th October, 1962. The copy of the certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his reversion from the Armed Forces.
- (ii) A displaced person from crstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Pulo 3(c)(ii) or 3(c)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
  - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
  - (2) District Magistrate of the Aren in which he may, for the time being be resident;
  - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 3(c)(iv) or 3(c)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to onigrated to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is an Indian repatriate from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 3(c)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (v) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 3(c)(vii) or 3(c)(viii) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian critizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bond fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 3(c)(ix) and 3(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlements. Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operating during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the Candidates.

Certifical that Rank No Shri	_
of Unit ——was disabled while	
the Defence Services in operations during hostilities with	а
foreign country/in a disturbed area" and was released as	a
result of such disability.	

Signature				 				•
Designation							,	
Date								

"Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force, claiming age concession under Rule 3(c)(xi) or 3(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Signature	
Designation	
Date	

5. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they

- submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.
- 6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination,
- 7. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 8. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consucration.
- 9. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations held before 1976 for the C.S.S. Section Officer's Grade Limited Departmental Competitive Examination and the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1976, 1977 and 1978 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110054) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi (110001) and (iii) Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussit towns.
- 10. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 11. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATION IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (3) POIL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVFN IN APPLICATION.

N.B.—(i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

- N.B.—(ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 12. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PAPTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 11 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES. THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE-II

#### CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

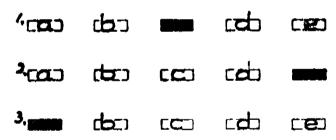
#### B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,..etc. Under each item will be given suggested responsemarked a, b, c,.........etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct then the best response. (see "sample items" at the end.). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

#### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response. Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



#### It is important that-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.

### YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

- 5. Write clearly in ink the name of the examination / test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- 6. You are required to read carefully rell instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

#### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet our receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later,

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and sheets for rough work out of the examination Hall.

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

- 1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down full of the Mauryan dynasty?
  - (a) the successors of Asoka were all weak
  - (b) there was partition of the Empire after Asoka
  - (c) the northern frontier was not guarded effectively
  - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.
  - 2. In a parliamentary form of Government
    - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
    - (b) the Legislature is responsible to the Executive

- (c) the Executive is responsible to the Legislature
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
- (c) the Executive is responsible to the Judiciary.
- 3. The main purpose of extra-curriculur activities for pupils in a school is to
  - (a) faciltate development
  - (b) prevent disciplinary problems
  - (c) provide relief from the usual class room work
  - (d) allow choice in the educational programme.
  - 4. The nearest planet to the Sun is
    - (a) Venus

- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury.
- 5. Which of the following statements explains he relationship between forests and floods?
  - (a) the more the vegetation, the more is the soil enusion that causes floods
  - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods
  - (c) the ware the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods
  - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

		'	